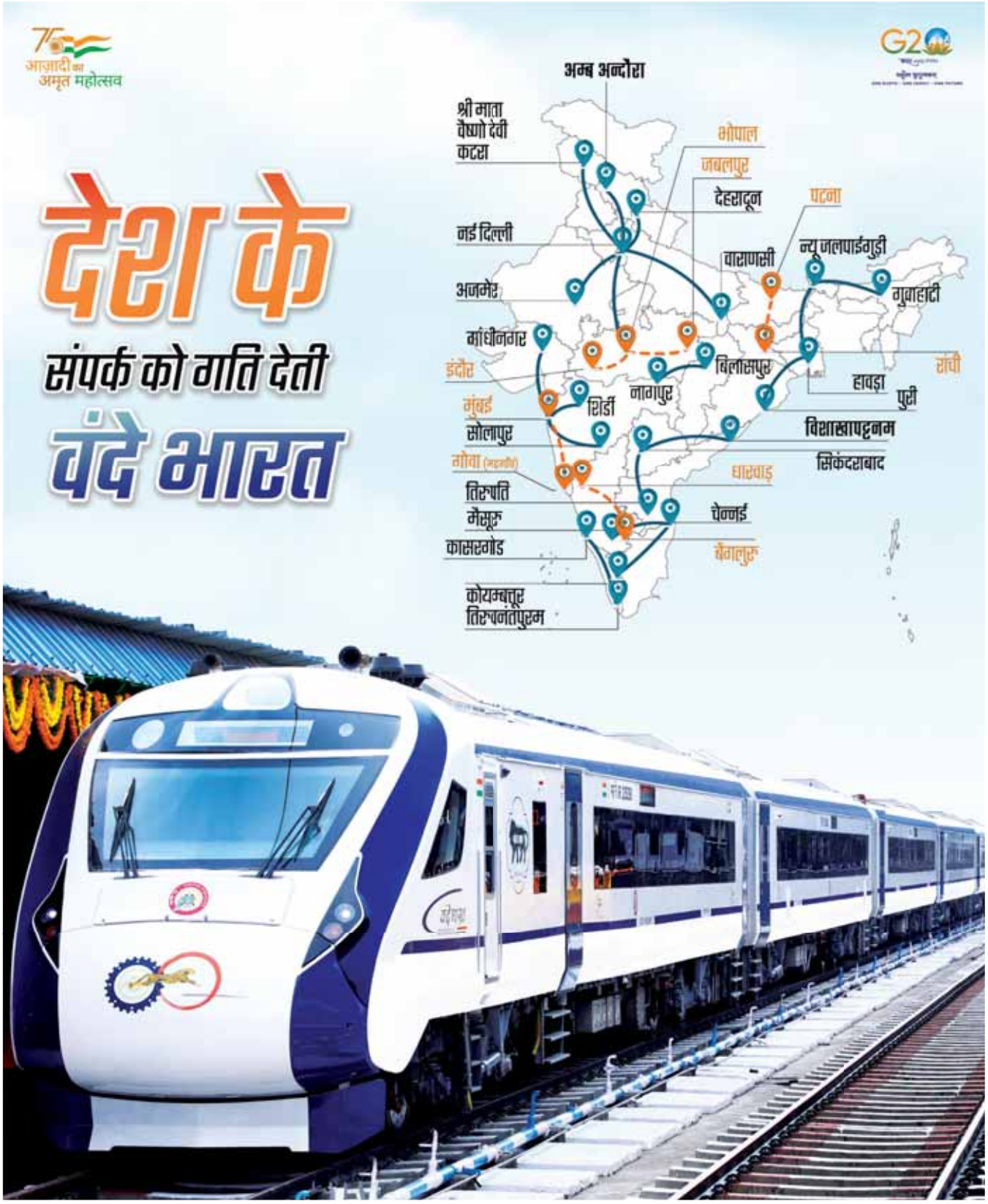
भारतीय रेल

जुलाई 2023

मूल्य ₹ 20



AAL®

Autometers Alliance Ltd

Energy & Efficiency / Safety & Reliability

POWERING THE **RAIL TRANSPORT** EFFICIENTLY AND INTELLIGENTLY



DATA ACQUISITION & CONTROL DEVICE

Onboard Measurement Devices



Tachograph System for Electric, Diesel Locomotives, EMU, MEMU & DMU



Active Speed Sensor for Electric Locomotives



Opto Electronic Pulse Generator for Electric, Diesel Locomotives, EMU, MEMU & DMU



Hotel Load Current Sensor for Electric Locomotives



Primary Current Sensor for Electric Locomotives



Aspiration Smoke Detector for Coaches

Onboard Control Devices



Driver Display Unit LCD Displays for Electric Locomotives



Vigilance Control Device for Electric Locomotives



Fire Detector Equipment for Electric Locomotives



Diagnostics Terminal LCD Displays for Electric Locomotives

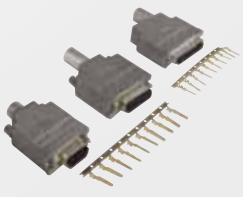


Event Recorder for Electric, Diesel Locomotives & EMUs

Electrical Connectors



Circular Connectors for Onboard & Stationary Traction



D Type Connectors for Onboard & Stationary Traction

mktre@autometers.com | C-63, Sector-57, Noida - 201 307 (U.P.) India

ISO 9001:2015 I ISO 14001:2015 I ISO 45001:2018

भारतीय रेल

रेल मंत्रालय की एकमात्र हिन्दी मासिक पत्रिका

आरंभ : 1960 | वर्ष : 63 | अंक : 12 | राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित पत्रिका | जुलाई-2023 | मूल्य : ₹20

संपादक मंडल

श्री अनिल कुमार लाहोटी
अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

सुश्री अंजलि गोयल
सदस्य (वित्त), रेलवे बोर्ड

श्री मिलिन्द के देऊस्कर
सचिव, रेलवे बोर्ड

श्री अमिताभ शर्मा
कार्यकारी निदेशक, सूचना एवं प्रचार

संपादक
योगेश अवस्थी

संपादकीय कार्यालय
संपादक, भारतीय रेल,
कमरा नं. 411, रेल भवन,
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
editorbhartiyarailrb@gmail.com
editorbhartiyarail@gmail.com

विज्ञापन व सदस्यता हेतु संपर्क
व्यापार प्रबंधक
कमरा नं. 310, रेल भवन
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
टेलीफोन: 011-47845378, 47845089
bmpr310rb@gmail.com

आवरण
वंदे भारत एक्सप्रेस

फॉलो करें
Twitter : @bhartiyarailrb

वार्षिक सदस्यता शुल्क
(ऑफलाइन)
सर्वसाधारण -₹250
रेलकर्मियों के लिए -₹200
विदेश में
सी-मेल द्वारा -₹1,250
एयर-मेल द्वारा -₹2,500
एक प्रति-₹20
वार्षिक विशेषांक-₹70

इस पत्रिका में छपी हर सामग्री का संबंध, जब तक विशेषत: स्पष्ट न लिखा जाए, किसी सरकारी सूत्र से न समझा जाए।

© भारतीय रेल

5 **ऐतिहासिक अवसर : माननीय प्रधानमंत्री ने एक साथ**
पाँच नई वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

7 **भारतीय रेल अब देश के सामान्य परिवारों के लिए सुविधाओं**
का पर्याय बनती जा रही है - माननीय प्रधानमंत्री

9 **माननीय प्रधानमंत्री ने सिकंदराबाद – तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस**
एवं एमएमटीएस सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

10 **माननीय प्रधानमंत्री ने चेन्नई में किया विभिन्न रेल परियोजनाओं**
का शिलान्यास और लोकार्पण

11 **वंदे भारत ने 'भारत प्रथम, हमेशा प्रथम' की भावना को**
साकार किया : माननीय प्रधानमंत्री

12 **असम में ₹6,000 करोड़ से अधिक लागत की रेल**
परियोजनाएँ माननीय प्रधानमंत्री ने कीं राष्ट्र को समर्पित

13 **माननीय प्रधानमंत्री ने तिरुवनंतपुरम – कासरगोड**
वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

14 **माननीय प्रधानमंत्री द्वारा केरल राज्य के लिए ₹1,900 करोड़ से**
अधिक की विभिन्न रेल परियोजनाओं का लोकार्पण

15 **माननीय प्रधानमंत्री ने ओडिशा में विभिन्न रेल परियोजनाओं की**
आधारशिला रखी और राष्ट्र को समर्पित की

16 **देहरादून-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ**
माननीय प्रधानमंत्री ने दिखाई हरी झंडी

17 **माननीय प्रधानमंत्री ने असम की पहली गुवाहाटी - न्यू जलपाईगुड़ी**
वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर किया रवाना

18 **भारत और नेपाल के माननीय प्रधानमंत्रियों ने रेलवे**
कार्गो ट्रेन को वर्चुअली दिखाई हरी झंडी

20 **रेल मंत्री ने 'भारतीय रेल के स्टेशनों पर मानक संकेतक' पर पुस्तिका जारी की**

22 **रेल मंत्री ने सहारनपुर में किया विभिन्न रेल के विकास कार्यों का लोकार्पण**

23 **नई दिल्ली में दो दिवसीय चिंतन शिविर का सफल आयोजन**

24 **केंद्रीय मंत्री ने विविध ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना**

25 **रेल राज्य मंत्री ने की दक्षिण मध्य रेलवे के कार्य निष्पादन की समीक्षा**

26 **रेल राज्य मंत्री ने किया चिनाब पुल एवं अंजी खंड का निरीक्षण**

28 **रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने सूरत और**
अहमदाबाद में चल रही विभिन्न रेल परियोजनाओं का लिया जायजा

34 **वित्त वर्ष 2022-23 में भारतीय रेल की प्रमुख उपलब्धियाँ**

40 **रेलों के अंचल से**

51 **खेलों में भारतीय रेल**

54 **प्रगति रिपोर्ट**

63 **हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित ट्रेन** — श्री संजीव गर्ग

67 **अतीत का संरक्षण : बेंगलुरु मंडल में**
विरासत रेलवे स्टेशनों का पुनरुद्धार और कायाकल्प — सुश्री कुसुमा हरिप्रसाद

संपादकीय



देश के संपर्क को गति देती वंदे भारत...

भारतीय रेल माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन तथा मार्गदर्शन में विश्वस्तरीय अत्याधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, सुविधाओं, गति, संरक्षा, सुरक्षा के नए मापदंड स्थापित कर रही है। पांच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का एक साथ अलग-अलग स्थानों से शुभारंभ होने का क्षण हमेशा भारतीय रेल के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों से लिखा जाएगा। वो दिन था 27 जून, 2023। रानी कमलापति-जबलपुर, रानी कमलापति-इंदौर, गोवा (मडगांव)-मुंबई, रांची-पटना और धारवाड़-बेंगलुरु के बीच चलने वाली इन वंदे भारत ट्रेनों को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये ट्रेनें मध्य प्रदेश, गोवा, झारखंड, बिहार, महाराष्ट्र और कर्नाटक की राजधानियों को जोड़ती हैं। अब देश में कुल 23 वंदे भारत ट्रेनों का परिचालन हो रहा है।

वित्त वर्ष 2022-23 में कुल 8 तथा चालू वित्त वर्ष 2023-24 में (1 अप्रैल से 27 जून, 2023 तक) कुल 12 वंदे भारत ट्रेनों का शुभारंभ किया जा चुका है। 1 अप्रैल, 2023 से 27 जून, 2023 तक असम की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस गुवाहाटी-न्यू जलपाईगुड़ी, केरल की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस तिरुवनंतपुरम और कासरगोड, देहरादून-दिल्ली, अजमेर-दिल्ली कैंट को जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस राजस्थान की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस, चेन्नई-कोयम्बटूर वंदे भारत एक्सप्रेस, सिकंदराबाद-तिरुपति, भोपाल-नई दिल्ली, रानी कमलापति-जबलपुर, रानी कमलापति-इंदौर, गोवा (मडगांव)-मुंबई, रांची-पटना और धारवाड़-बेंगलुरु वंदे भारत चालू की गई हैं।

यहाँ पर उल्लेखनीय है कि देश के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री ने संकल्प व्यक्त किया था, "आजादी के अमृत महोत्सव के 75 सप्ताह में 75 वंदे भारत ट्रेनें देश के हर कोने को आपस में जोड़ करके रहेंगी।" इसी संकल्प को पूर्ण करने के लिए भारतीय रेल की टीम पूरी तरह से प्रयासरत है। वंदे भारत ट्रेनसेट का उत्पादन तेजी से बढ़ाया जा रहा है। वर्तमान में आई.सी.एफ., चेन्नई में इसका उत्पादन किया जा रहा है। जल्द ही सोनीपत (हरियाणा), लातूर (महाराष्ट्र), रायबरेली (उत्तर प्रदेश) में स्थित रेल उत्पादन इकाइयों में भी इसका उत्पादन शुरू होगा। जल्द ही हर सप्ताह दो से तीन वंदे भारत ट्रेन सेट का उत्पादन करने का लक्ष्य रखा गया है।

अत्याधुनिक तकनीक तथा 'मेड इन इंडिया' की तर्ज पर बनी इस सेमी हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेन से वर्तमान में सबसे तेज चलने वाली अन्य ट्रेनों की तुलना में यात्रा के समय में कई घंटों की बचत हो रही है। साथ ही, वंदे भारत एक्सप्रेस यात्रियों को विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान कर रही हैं और पर्यटन को बढ़ावा दे रही हैं।

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें कई प्रकार की बेहतर सुविधाएं प्रदान करती हैं, जो यात्रियों को विश्वस्तरीय आरामदायक यात्रा का अनुभव और कवच तकनीक सहित उन्नत अत्याधुनिक सुरक्षा संबंधी विशेष व्यवस्था उपलब्ध कराएँगी। उन्नत अत्याधुनिक सस्पेंशन प्रणाली यात्रियों के लिए सुगम एवं सुरक्षित यात्रा और बेहतर आरामदायक सवारी सुनिश्चित करती है।

भारत सरकार के 'वोकल फॉर लोकल' विजन को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रेल ने 'वन स्टेशन-वन प्रोडक्ट' (ओएसओपी) योजना शुरू की है। इसकी पायलट योजना 25 मार्च, 2022 को शुरू की गई थी और 1 मई, 2023 के अनुसार इसमें पूरे देश के 21 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में 785 ओएसओपी केन्द्रों के साथ 728 स्टेशनों को शामिल किया गया है। मार्च 2022 से 1 मई, 2023 तक संचयी प्रत्यक्ष लाभार्थियों की संख्या 25,109 हो गई है।

आपको हमारा यह अंक कैसा लगा, हमें जरूर बताएँ।

ऐतिहासिक अवसर : माननीय प्रधानमंत्री ने एक साथ पाँच नई वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना



रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर पांच नई वंदे भारत एक्सप्रेस को एक साथ हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, साथ में हैं केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव तथा अन्य गणमान्य अतिथिगण

शुरू की गईं पाँच नई वंदे भारत ट्रेनें

- रानी कमलापति-जबलपुर
- रानी कमलापति-इंदौर
- गोवा (मडगांव)-मुंबई
- रांची-पटना
- धारवाड़-बेंगलुरु

जो मध्य प्रदेश, गोवा, झारखंड, बिहार, महाराष्ट्र और कर्नाटक की राजधानियों को जोड़ती हैं।

- *अब देश में कुल 23 वंदे भारत ट्रेनों का परिचालन हो रहा है।*
- *ये ट्रेनें विभिन्न मार्गों पर वर्तमान में सबसे तेज चलने वाली ट्रेन की तुलना में यात्रा के समय में कई घंटों की बचत कर रही हैं।*
- *वंदे भारत एक्सप्रेस यात्रियों को विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करेगी और पर्यटन को बढ़ावा देगी।*

भारतीय रेल दिनांक 27 जून, 2023 को एक ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बना जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस के पाँच नए एवं उन्नत संस्करणों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस कार्यक्रम के दौरान मध्य प्रदेश के राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, कई जन प्रतिनिधि और विशेष अतिथि भी कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित थे।

रानी कमलापति स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाने से पहले, श्री मोदी ने ट्रेन का निरीक्षण किया और उद्घाटन विशेष ट्रेन में स्कूली छात्रों और चालक दल के साथ बातचीत की।

आरामदायक और उन्नत अनुभव वाली रेल यात्रा के एक नए युग की शुरुआत करते हुए रानी कमलापति-जबलपुर, रानी कमलापति-इंदौर, गोवा (मडगांव)-मुंबई, रांची-पटना और धारवाड़-बेंगलुरु के बीच पाँच नई वंदे भारत एक्सप्रेस चल रही हैं। रवाना की गई ये वंदे भारत ट्रेनें विभिन्न राज्यों की राजधानियों और अन्य शहरों के बीच कनेक्टिविटी में सुधार करेंगी, यात्रा में लगने वाले समय को कम करेंगी तथा यात्रा को और आरामदायक बनाएँगी। ये वंदे भारत ट्रेनें नए भारत-विकसित भारत के संदेश को देश के कोने-कोने तक पहुँचा रही हैं।



माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वंदे भारत एक्सप्रेस में छात्रा द्वारा तैयार की गई अपनी पेंटिंग पर हस्ताक्षर कर उसे प्रोत्साहित किया

रानी कमलापति-जबलपुर वंदे भारत एक्सप्रेस

रानी कमलापति-जबलपुर वंदे भारत एक्सप्रेस रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से प्रस्थान करेगी और नरसिंहपुर, पिपरिया तथा नर्मदापुरम रेलवे स्टेशनों पर रुकते हुए उसी दिन जबलपुर स्टेशन पहुँचेगी।

वंदे भारत ट्रेन का परिचालन शुरू होने से मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी जबलपुर, मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल और आसपास के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों की कनेक्टिविटी बढ़ने के साथ-साथ इस इलाके का सर्वांगीण विकास भी होगा।

रानी कमलापति-इंदौर वंदे भारत एक्सप्रेस

भोपाल-इंदौर वंदे भारत एक्सप्रेस भोपाल रेलवे स्टेशन से प्रस्थान करेगी और उज्जैन रेलवे स्टेशन पर रुकते हुए उसी दिन इंदौर स्टेशन पहुँचेगी। रानी कमलापति से इंदौर के बीच वंदे भारत ट्रेन के चलने से यात्रा आसान और तेज होगी। साथ ही, यह इन इलाकों के सांस्कृतिक, पर्यटन और तीर्थ स्थलों को जोड़ने का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम बनेगी। वंदे भारत एक्सप्रेस एक सुखद और बेहतर रेल यात्रा का अनुभव भी प्रदान करेगी।

गोवा (मडगांव)-मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस

गोवा (मडगांव)-मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस छत्रपति शिवाजी टर्मिनस स्टेशन से प्रस्थान करेगी और दादर, ठाणे, पनवेल, खेड़, रत्नागिरि, कंकावली तथा थिविम रेलवे स्टेशनों पर रुकते हुए उसी दिन मडगांव स्टेशन पहुँचेगी।

यह अत्याधुनिक वंदे भारत एक्सप्रेस कोंकण क्षेत्र के लोगों को गति और आराम के साथ यात्रा करने का साधन उपलब्ध कराएगी। इससे इस इलाके में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उम्मीद है कि इस मार्ग पर चलने वाली नई वंदे भारत ट्रेन पर्यटकों की सुविधा में नए आयाम जोड़ेगी।

रांची-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस

रांची-पटना नई वंदे भारत एक्सप्रेस पटना से प्रस्थान करेगी और गया, कोडरमा, हजारीबाग, बरकाकाना तथा मेसरा रेलवे स्टेशनों पर रुकते हुए उसी दिन रांची स्टेशन पहुँचेगी। प्रचुर मात्रा में खनिज संसाधनों से समृद्ध, रांची खनिज आधारित उद्योगों के लिए एक आदर्श स्थान है। यह ट्रेन स्थानीय व्यापारियों और कारोबारियों के लिए पटना के साथ तेज कनेक्टिविटी स्थापित करने की दृष्टि से लाभदायक साबित होगी।

धारवाड़-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस

धारवाड़-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस केएसआर बेंगलुरु सिटी से प्रस्थान करेगी और यशवंतपुर, दावणगेरे तथा हुबली रेलवे स्टेशनों पर रुकते हुए उसी दिन धारवाड़ स्टेशन पहुँचेगी। कर्नाटक में धारवाड़-बेंगलुरु वंदे भारत ट्रेन विद्या काशी धारवाड़, वाणिज्य नगरी, हुबली और बेंगलुरु को जोड़ेगी। यह वंदे भारत ट्रेन उत्तरी कर्नाटक को दक्षिणी कर्नाटक से जोड़ेगी।

वंदे भारत एक्सप्रेस कई प्रकार की बेहतर सुविधाएं प्रदान करती हैं, जो यात्रियों को विश्वस्तरीय आरामदायक यात्रा का अनुभव और कवच तकनीक सहित उन्नत अत्याधुनिक सुरक्षा संबंधी विशेष व्यवस्था उपलब्ध कराएगी। प्रत्येक ट्रेन में 160 किमी प्रति घंटे की परिचालन गति के लिए पूरी तरह से सस्पेंडेड ट्रैक्शन मोटर से लैस बोगियां प्रदान की गई हैं। उन्नत अत्याधुनिक सस्पेंशन प्रणाली यात्रियों के लिए सुगम एवं सुरक्षित यात्रा और बेहतर आरामदायक सवारी सुनिश्चित करती है।

इन ट्रेनों को पॉवर कार और उन्नत पुनर्योजी ब्रेकिंग सिस्टम के साथ लगभग 30 प्रतिशत बिजली की बचत करके भारतीय रेल के हरित उत्सर्जन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है।

भारतीय रेल अब देश के सामान्य परिवारों के लिए सुविधाओं का पर्याय बनती जा रही है - माननीय प्रधानमंत्री

माननीय प्रधानमंत्री ने भोपाल-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना



रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से भोपाल और नई दिल्ली के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, साथ में हैं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान तथा अन्य गणमान्य अतिथि

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिनांक 1 अप्रैल, 2023 को मध्य प्रदेश में भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से भोपाल और नई दिल्ली के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर पहुँचने के बाद रानी कमलापति-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस का निरीक्षण किया और ट्रेन के चालक दल तथा वहाँ उपस्थित बच्चों के साथ बातचीत भी की।

प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश के निवासियों को उनकी पहली वंदे भारत एक्सप्रेस मिलने पर बधाई दी और कहा कि यह ट्रेन दिल्ली से भोपाल के बीच यात्रा में लगने वाले समय को कम करेगी और व्यवसायियों तथा युवाओं के लिए कई सुविधाएँ एवं सहूलियतें प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि रानी कमलापति रेलवे स्टेशन का भी उद्घाटन किया था। श्री मोदी ने नई दिल्ली के लिए भारत की अत्याधुनिक वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाने का अवसर प्राप्त होने पर भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह दिन भारतीय रेल के इतिहास में दुर्लभतम उदाहरणों में से एक है, क्योंकि किसी प्रधानमंत्री ने बहुत ही कम समय में एक ही रेलवे स्टेशन का दो बार दौरा किया है। श्री मोदी ने कहा कि यह अवसर आधुनिक भारत के लिए एक नई व्यवस्था और नई परंपराओं के निर्माण का एक प्रमुख उदाहरण है।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर स्कूली बच्चों के साथ हुई अपनी बातचीत का उल्लेख किया और बच्चों के बीच इस रेलगाड़ी के बारे में उत्सुकता एवं उत्साह की भावना को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस भारत के जोश और उत्साह का प्रतीक है तथा यह हमारे कौशल, आत्मविश्वास एवं क्षमताओं का प्रतिनिधित्व करती है।

प्रधानमंत्री ने इस क्षेत्र में पर्यटन के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस चलने के लाभों पर भी प्रकाश डाला क्योंकि इसके संचालन से सांची, भीमबेटका, भोजपुर और उदयगिरि गुफाओं में पर्यटन के लिए अधिक यात्री आने लगेंगे। इससे रोजगार, आय व स्वरोजगार के अवसरों में भी सुधार होगा। श्री मोदी ने कहा कि 'वन स्टेशन-वन प्रोडक्ट' पहल के माध्यम से स्थानीय कारीगरों के उत्पादों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के लिए रेलवे एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उभर रहा है। योजना के तहत यात्री स्टेशन पर ही जिले के स्थानीय उत्पाद जैसे हस्तशिल्प, कला, बर्तन, कपड़ा, पेंटिंग आदि खरीद सकते हैं। देश में इस प्रकार के लगभग 600 आउटलेट्स पहले से ही चालू हैं और कम समय में इनसे एक लाख से ज्यादा यात्री खरीदारी कर चुके हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय रेल देश के आम परिवारों के लिए सुविधा का पर्याय बन रही है। उन्होंने इस संबंध में रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण, 6,000 स्टेशनों

पर वाई-फाई सुविधा और 900 स्टेशनों पर सीसीटीवी जैसे कदमों को गिनाया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''जब इच्छा होती है, इरादे स्पष्ट होते हैं और संकल्प दृढ़ होता है तो नए रास्ते निकलते हैं।'' पिछले 9 वर्षों में रेल बजट में लगातार वृद्धि की गई है और मध्य प्रदेश को 2014 से पहले के वर्षों के औसत ₹600 करोड़ की तुलना में रेल संबंधी बजट में ₹13,000 करोड़ आवंटित किए गए हैं। रेलवे के आधुनिकीकरण का उदाहरण देते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि देश के कुछ हिस्सों में हर दूसरे दिन 100 प्रतिशत रेलवे नेटवर्क का विद्युतीकरण किया जा रहा है। शत-प्रतिशत विद्युतीकरण करने वाले 11 राज्यों में मध्य प्रदेश भी शामिल है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 के बाद प्रति वर्ष रेलवे मार्गों का औसत विद्युतीकरण 600 किमी से दस गुना बढ़कर 6,000 किमी हो गया है। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव उपस्थित थे। भोपाल और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के बीच शुरू की गई यह ट्रेन नई ट्रेन देश की 11वीं वंदे भारत सेवा और 12वीं वंदे भारत ट्रेन है।

माननीय प्रधानमंत्री ने रीवा में आयोजित समारोह में ₹2,300 करोड़ की विभिन्न रेल परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिनांक 24 अप्रैल, 2023 को रीवा में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस समारोह के दौरान मध्य प्रदेश को ₹2,300 करोड़ से अधिक रेलवे से सम्बन्धित विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण कर राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश के रेल नेटवर्क का पूर्ण विद्युतीकरण, छिन्दवाड़ा-नैनपुर- मंडला फोर्ट रेलखण्ड का विद्युतीकरण के साथ गेज परिवर्तन, बिरला नगर-उदी मोड फोर्ट रेलखण्ड का विद्युतीकरण, महोबा-खजुराहो- उदयपुरा रेलखण्ड का विद्युतीकरण का लोकार्पण कर राष्ट्र को समर्पित किया और साथ ही ग्वालियर स्टेशन के पुनर्विकास का शिलान्यास किया गया। इसके साथ ही रीवा-इतवारी, छिंदवाड़ा-नैनपुर एवं नैनपुर-छिंदवाड़ा नई ट्रेनों का शुभारम्भ कर हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री श्री गिरिराज सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री श्री फग्गन कुलस्ते, साध्वी निरंजन ज्योति, श्री कपिल मोरेश्वर पाटिल, सांसद, मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री व अन्य उपस्थित थे।

परियोजनाओं के बारे में, प्रधानमंत्री ने छिंदवाड़ा-नैनपुर-मंडला फोर्ट रेल लाइन के विद्युतीकरण का उल्लेख किया, जो इस क्षेत्र के लोगों को दिल्ली-चेन्नई और हावड़ा-मुंबई से जोड़ने के साथ-साथ जनजातीय आबादी को भी लाभान्वित करेगा। उन्होंने छिंदवाड़ा-नैनपुर के लिए आज झंडी दिखायी गई नई ट्रेनों का भी जिक्र किया और कहा कि कई कस्बे और गाँव अपने जिला मुख्यालय छिंदवाड़ा, सिवनी से सीधे जुड़ जाएंगे तथा नागपुर और जबलपुर जाना भी काफी आसान हो जाएगा।



मध्य प्रदेश की विभिन्न रेल परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी



माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को मॉडल के माध्यम से मध्य प्रदेश रेल नेटवर्क के विद्युतीकरण के बारे में जानकारी देते हुए श्री अनिल कुमार लाहोटी अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

माननीय प्रधानमंत्री ने सिकंदराबाद – तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस एवं एमएमटीएस सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

तेलंगाना राज्य में कई महत्त्वपूर्ण रेल परियोजनाओं का शुभारंभ



सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, साथ में हैं डॉ. तमिलिसै सौंदरराजन, राज्यपाल, तेलंगाना; श्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय रेल मंत्री एवं अन्य अतिथिगण

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिनांक 8 अप्रैल, 2023 को सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके पश्चात्, उन्होंने 8 अप्रैल, 2023 को परेड ग्राउंड, सिकंदराबाद में आयोजित समारोह में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का शिलान्यास, दोहरीकरण के साथ विद्युतीकृत सिकंदराबाद-महबूबनगर सेक्शन, हैदराबाद, सिकंदराबाद नगरद्वय के उपनगरीय सेक्शन में 13 नई एमएमटीएस सेवाओं को हरी झंडी दिखाने के साथ-साथ तेलंगाना राज्य के लिए कई महत्त्वपूर्ण रेल विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर डॉ. तमिलिसै सौंदरराजन, राज्यपाल, तेलंगाना राज्य; श्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री; श्री जी. किशन रेड्डी, संस्कृति, पर्यटन और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा श्री तलसानी श्रीनिवास यादव, मंत्री, तेलंगाना सरकार; श्री अनिल कुमार लाहोटी, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड; श्री अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे और अन्य वरिष्ठ रेलवे पदाधिकारी उपस्थित रहे। सिकंदराबाद स्टेशन पर, वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाने से पहले, श्री मोदी ने ट्रेन का निरीक्षण किया और उद्घाटन विशेष ट्रेन में स्कूली छात्रों और चालक दल के साथ बातचीत की।

श्री मोदी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि नई वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा, जिसे सिकंदराबाद से तिरुपति के लिए रवाना किया गया, ऐतिहासिक शहर भाग्यनगर को भगवान श्री वेंकटेश्वर धाम तिरुपति से जोड़ेगी। रेल पटरियों पर भारत के गौरव का प्रतीक वंदे भारत एक्सप्रेस पूरे देश में प्रौद्योगिकी और पर्यटन को जोड़ रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में तेलंगाना राज्य के लिए रेल बजट में लगभग 70% की वृद्धि की गई है, जिसके कारण राज्य भर में कई नई रेल लाइनों को बिछाने, रेल मार्गों का दोहरीकरण, तिहरीकरण और विद्युतीकरण को पूरा करना संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि दोहरीकरण के साथ विद्युतीकृत सिकंदराबाद-महबूबनगर लाइन शुभारंभ तथा सिकंदराबाद, बोलारम, मेडचल, उमदानगर सेक्शन में 13 नई एमएमटीएस सेवाओं की शुरुआत इसका प्रमाण है। माननीय प्रधानमंत्री ने यह भी बताया किया कि केंद्र सरकार की स्टेशन उन्नयन योजना के अंतर्गत सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का ₹720 करोड़ की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है।

रेल मंत्री श्री वैष्णव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारतीय रेल विश्व स्तरीय स्टेशनों और ट्रेनों के साथ चौतरफा विकास के साथ-साथ नई लाइनों को बिछाने, रेल मार्गों के दोहरीकरण और विद्युतीकरण परियोजनाओं को पूरा करने में तेजी से प्रगति कर रही है।

माननीय प्रधानमंत्री ने चेन्नई में किया विभिन्न रेल परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण

माननीय प्रधानमंत्री ने चेन्नई - कोयंबटूर वंदे भारत एक्सप्रेस को दी हरी झंडी



चेन्नई-कोयंबटूर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी देकर रवाना करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, साथ में रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और तमिलनाडु के राज्यपालश्री आर.एन. रवि भी हैं

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिनांक 8 अप्रैल, 2023 को चेन्नई स्थित अलस्ट्रॉम क्रिकेट ग्राउंड में विभिन्न रेल परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया तथा चेन्नई-कोयंबटूर वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रधानमंत्री ने तिरुथुरईपोंडी और अगस्त्यमपल्ली के बीच 37 किमी के रेल-लाइन आमान परिवर्तन खंड का भी उद्घाटन किया, जिसे ₹294 करोड़ की लागत से पूरा किया गया है। इससे नागपट्टिनम जिले के अगस्त्यमपल्ली से खाद्य और औद्योगिक नमक के परिवहन में लाभ होगा। प्रधानमंत्री ने तांबरम और सेनगोट्टई के बीच एक्सप्रेस सेवा को भी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने तिरुथुरईपूंडी-अगस्त्यमपल्ली के बीच एक डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (डेमू) सेवा को भी झंडी दिखाई, जिससे कोयम्बटूर, तिरुवरूर और नागपट्टिनम जिलों के यात्रियों को लाभ होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, इस साल के बजट में राज्य की रेल अवसंरचना के लिए ₹6,000 करोड़ से अधिक का आवंटन किया गया है, जो अब तक का सबसे अधिक है।

उन्होंने वंदे भारत एक्सप्रेस का भी उल्लेख करते हुए कहा कि 'मेड इन इंडिया' का यह गौरव, महान वीओ चिदंबरम पिल्लई की भूमि में स्वाभाविक लगता है। कोयम्बटूर उद्योग के लिए एक महत्त्वपूर्ण स्थल रहा है, चाहे वह वस्त्र क्षेत्र हो। एमएसएमई हो या उद्योग हो। प्रधानमंत्री ने कहा कि आधुनिक कनेक्टिविटी, लोगों की उत्पादकता में वृद्धि करेगी। उन्होंने बताया कि चेन्नई और कोयम्बटूर के बीच की यात्रा केवल लगभग 6 घंटे में पूरी होगी। वंदे भारत एक्सप्रेस से सलेम, इरोड और तिरुपुर जैसे वस्त्र और औद्योगिक केंद्रों को भी लाभ होगा। मदुरै का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह शहर तमिलनाडु की सांस्कृतिक राजधानी है और दुनिया के सबसे प्राचीन शहरों में से एक है।

तमिलनाडु के राज्यपाल श्री आर.एन. रवि, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री श्री एम.के. स्टालिन, केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी तथा सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री श्री एल मुरुगन, श्रीपेरंबदूर के सांसद श्री टी. आर. बालू, तमिलनाडु और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।



वंदे भारत एक्सप्रेस में स्कूली छात्रों से बात करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

वंदे भारत ने 'भारत प्रथम, हमेशा प्रथम' की भावना को साकार किया : माननीय प्रधानमंत्री

माननीय प्रधानमंत्री ने अजमेर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी



माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अजमेर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर जयपुर में आयोजित समारोह में राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत और रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव उपस्थित थे

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिनांक 12 अप्रैल, 2023 को विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अजमेर-दिल्ली कैंट के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इस अवसर पर जयपुर में हुए कार्यक्रम में राजस्थान के गवर्नर श्री कलराज मिश्र, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत, केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, राजस्थान सरकार के मंत्रीगण आदि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

श्री मोदी ने कहा कि राजस्थान की धरती को आज पहली वंदे भारत ट्रेन मिल रही है। इस वंदे भारत एक्सप्रेस से, जयपुर-दिल्ली आना-जाना और आसान हो जाएगा। ये ट्रेन राजस्थान की टूरिज्म इंडस्ट्री को भी बहुत मदद करेगी। तीर्थराज पुष्कर हो या फिर अजमेर शरीफ, आस्था के ऐसे महत्त्वपूर्ण स्थलों तक पहुँचने में भी अब श्रद्धालुओं को ज्यादा आसानी होगी। तेज रफ्तार वंदे भारत की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह लोगों का समय बचा रही हैं। और एक स्टडी है कि एक वंदे भारत की यात्रा करने पर लोगों के कुल मिलाकर हर ट्रिप में करीब-करीब ढाई हजार घंटे बचते हैं। वंदे भारत एक्सप्रेस 'भारत प्रथम, हमेशा प्रथम' की भावना को समृद्ध करती है।

उन्होंने कहा कि सरकार राजस्थान में रेल कनेक्टिविटी को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। तारंगाहिल से अंबाजी होते हुये आबूरोड तक नई रेल लाइन के निर्माण पर भी काम शुरू हो चुका है। उदयपुर से अहमदाबाद के बीच रेल लाइन को भी ब्रॉड गेज में बदलने का काम हम पूरा कर चुके हैं। इससे मेवाड़ क्षेत्र, गुजरात सहित देश के अन्य भागों से बड़ी लाइन से कनेक्ट हो गया है। बीते 9 वर्षों में राजस्थान के करीब 75 प्रतिशत नेटवर्क का विद्युतीकरण का कार्य पूरा किया जा चुका है। 2014 से पहले की तुलना में राजस्थान के रेल बजट में 14 गुणा से अधिक की बढ़ोत्तरी भी की गई है। इस दौरान रेल लाइनों को डबल करने की गति भी दोगुने से अधिक हुई है। रेलवे में गेज परिवर्तन और दोहरीकरण के जो काम बीते वर्षों में हुए हैं, उनका बहुत बड़ा लाभ राजस्थान के जनजातीय क्षेत्रों को हुआ है। डूंगरपुर, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, पाली और सिरोही जिलों में रेल सुविधाओं का विस्तार हुआ है। रेलवे लाइनों के साथ-साथ राजस्थान के रेलवे स्टेशनों का भी कायाकल्प किया जा रहा है।

जयपुर में आयोजित समारोह में केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारतीय रेल उत्तरोत्तर गति प्राप्त कर रही है और नए आयाम स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में लगभग ₹57 हजार करोड़ के विकास के अनेक कार्य किए जा रहे है, जिसमें राजस्थान के 83 स्टेशनों का 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत पुनर्विकास किया जा रहा है।

इस अवसर पर जयपुर में श्री रामचरण बोहरा, सांसद-जयपुर, कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, सांसद-जयपुर ग्रामीण, श्री भागीरथ चौधरी, सांसद-अजमेर, श्री सुमेधानंद सरस्वती, सांसद-सीकर, श्रीमती जसकौर मीना, सांसद- दौसा, सुश्री दिया कुमारी, सांसद-राजसमंद, श्री चन्द्र प्रकाश जोशी, सांसद-चित्तौड़गढ़ श्री घनश्याम तिवाड़ी, सांसद (राज्यसभा), राजस्थान सहित विधायकगण अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अनिल कुमार लाहोटी रेलवे बोर्ड, श्री विजय शर्मा, महाप्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे सहित अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

असम में ₹6,000 करोड़ से अधिक लागत की रेल परियोजनाएँ माननीय प्रधानमंत्री ने कीं राष्ट्र को समर्पित

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिनांक 14 अप्रैल, 2023 को गुवाहाटी में आयोजित एक कार्यक्रम में असम में 249 किमी दोहरी लाइन, 86 किमी नई लाइन और 512 किमी विद्युतीकृत रेल लाइन को राष्ट्र को समर्पित किया। श्री गुलाब चंद कटारिया, असम के राज्यपाल, डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, असम के मुख्यमंत्री, श्री सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन एवं जलमार्ग और आयुष मंत्री, श्री रामेश्वर तेली, केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस और श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री और श्री बिमल बोरा, मंत्री, असम सरकार भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर में हमेशा भौगोलिक रूप से संपर्क की कमी एक मुद्दा था, जिसे वर्तमान सरकार द्वारा सड़क, रेल और हवाई संपर्क पर जोर देकर हल किया जा रहा है। पिछले 9 वर्षों के दौरान ब्रॉडगेज ट्रेनें मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा पहुँचीं। पूर्वोत्तर में पहले की तुलना में नई रेल लाइनें तीन गुना तेजी से बिछाई जा रही हैं और रेल लाइनों का दोहरीकरण 10 गुणा अधिक तेजी से हो रहा है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि ₹6,000 करोड़ से अधिक लागत की 5 रेल परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया है, जो असम सहित क्षेत्र के एक बड़े हिस्से के विकास को गति प्रदान करेंगी। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि रेल पहली बार असम के एक बड़े हिस्से में पहुँची है और रेल लाइनों के दोहरीकरण से असम के साथ-साथ मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और नगालैंड को आसानी से जोड़ा जा सकेगा।

ये नवनिर्मित लाइनें इस क्षेत्र में रेल परिवहन परिदृश्य को बदलेंगी। डिगारू से लामडिंग तक 147 किमी लंबी दोहरी लाइन सेक्शन का निर्माण ₹2,538 करोड़ की लागत से किया गया। 17 बड़े पुलों, 106 छोटे पुलों और 7 रोड ओवर ब्रिजों का निर्माण इसमें शामिल है। यह सेक्शन असम के कामरूप (मेट्रो), मरीगाँव और नगाँव जिलों से होकर गुजरता है। यह मार्ग की परिचालन संबंधी बाधाओं को कम करने में मदद करेगी, जो दक्षिण और ऊपरी असम क्षेत्रों के अलावा नगालैंड, मिजोरम, मणिपुर, त्रिपुरा जैसे राज्यों की ओर सभी ट्रेनों की आवाजाही के लिए जिम्मेदार है।

न्यू बंगाईगाँव-धुपधरा 102 किमी लंबे सेक्शन का निर्माण न्यू बंगाईगाँव-गोवालपारा-कामाख्या 176 किमी लंबी दोहरीकरण परियोजना के एक हिस्से के रूप में किया गया। इस खंड में 35 बड़े पुलों, 228 छोटे पुलों और 24 रोड अंडर ब्रिज का निर्माण शामिल है। इस परियोजना की लागत ₹1,962 करोड़ थी। असम के बंगाईगाँव और गोवालपारा जिलों से गुजरते हुए यह पूर्वोत्तर क्षेत्र की ओर ट्रेनों के संचालन के लिए लाभदायक होगा।

गौरीपुर-अभयापुरी 86 किमी नई लाइन सेक्शन न्यू मैनागुड़ी (पश्चिम बंगाल) से जोगीघोपा (असम) 279 किमी लंबी नई रेलवे लाइन परियोजना का हिस्सा है। यह 5 स्टेशनों-आलमगंज, बगरीबारी, बिलासीपारा, चापर और बेचिमारी से होकर गुजरती है। इस सेक्शन के पूरा होने से असम के
धुबड़ी और बंगाईगाँव जिलों के अधीन एक बड़े क्षेत्र की आबादी को पहली बार रेल सेवा का लाभ मिला। ₹1,267 करोड़ की लागत से बनी इस परियोजना में 30 प्रमुख पुलों, 305 छोटे पुलों, 03 सुरंगों, 133 रोड अंडर ब्रिजों और 02 रोड ओवर ब्रिजों का निर्माण शामिल है।

विश्व में सबसे बड़ा 'ग्रीन रेलवे' बनने की भारतीय रेल की महत्त्वाकांक्षी योजना के एक हिस्से के रूप में, 2030 तक इसे शून्य कार्बन उत्सर्जन नेटवर्क बनाए जाने की योजना है। नव विद्युतीकृत 381 किमी रानीनगर जलपाईगुड़ी-गुवाहाटी और 131 किमी चापरमुख-सेनचोवा और सेनचोवा-मैराबारी सेक्शन से पूर्वोत्तर से विभिन्न मेट्रो शहरों जैसे नई दिल्ली, चेन्नई, मुंबई, कोलकाता, अहमदाबाद आदि के लिए ट्रेनों की निर्बाध कनेक्टिविटी हो जाएगी। पूर्वोत्तर की ओर भारी ढुलाई वाली मालगाड़ियों का परिचालन संभव हो पाएगा। जीवाश्म ईंधन की खपत में बचत से ट्रेन परिचालन लागत में भी काफी कमी आई है।



असम में ₹6,000 करोड़ से अधिक की 5 रेल परियोजनाओं को समर्पित करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, साथ में उपस्थित थे असम के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा; बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग और आयुष मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल; पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री श्री रामेश्वर तेली, और श्री बिमल बोरा, मंत्री, असम सरकार

माननीय प्रधानमंत्री ने तिरुवनंतपुरम – कासरगोड वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

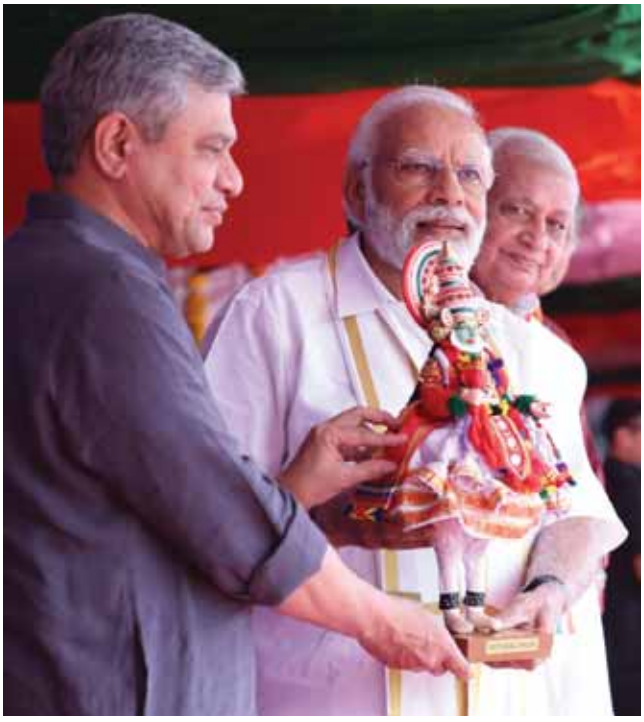


तिरुवनंतपुरम और कासरगोड के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, साथ में हैं रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और अन्य गणमान्य अतिथि

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिनांक 25 अप्रैल, 2023 को तिरुवनंतपुरम सेंट्रल रेलवे स्टेशन से तिरुवनंतपुरम और कासरगोड के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई, जो केरल राज्य में पहली वंदे भारत सेवा है। माननीय प्रधानमंत्री ने वंदे भारत एक्सप्रेस में स्कूली बच्चों के साथ बातचीत की। केरल के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान, केरल के मुख्यमंत्री श्री पिनाराई विजयन, केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

केरल के विभिन्न स्कूलों के 'वंदे भारत' निबंध और चित्रकला प्रतियोगिताओं के विजेता स्कूली बच्चों को उद्घाटन सेवा में यात्रा करने का अवसर दिया गया।

राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम और ऐतिहासिक शहर कासरगोड के बीच यह वंदे भारत एक्सप्रेस विशेष रूप से केरल राज्य में चलने वाली पहली वंदे भारत है। दोनों तरफ से गंतव्य तक पहुँचने में लगभग 8 घंटे 5 मिनट का समय लगता है, लेकिन यह प्रीमियम सेवा तिरुवनंतपुरम और कासरगोड के बीच औसत यात्रा समय को लगभग तीन घंटे कम कर देगी। यह सेवा दक्षिण से उत्तर तक केरल के लगभग पूरे खंड को जोड़ती है, जो कोल्लम, कोट्टायम, एर्नाकुलम टाउन, त्रिशूर, शोरानूर जंक्शन, कोझिकोड और कन्नूर जैसे गंतव्य स्थलों तक तेज कनेक्टिविटी प्रदान करती है।



इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को मूर्ति भेंट करते हुए केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा केरल राज्य के लिए ₹1,900 करोड़ से अधिक की विभिन्न रेल परियोजनाओं का लोकार्पण



केरल राज्य के लिए ₹1,900 करोड़ से अधिक की रेल परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, साथ में हैं केरल के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान, केरल के मुख्यमंत्री श्री पिनाराई विजयन, केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव एवं गणमान्य अतिथि

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिनांक 25 अप्रैल, 2023 को सेंट्रल स्टेडियम, पलायम, तिरुवनंतपुरम में आयोजित एक समारोह में केरल के लोगों के लिए विभिन्न राज्य सरकार और कोच्चि वॉटर मेट्रो परियोजनाओं का उद्घाटन करने के अलावा ₹1,900 करोड़ से अधिक की रेल परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

केरल के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान, केरल के मुख्यमंत्री श्री पिनाराई विजयन, केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव; खेल, अल्पसंख्यक कल्याण, वक्फ, हज, डाक एवं तार तथा रेल मंत्री श्री अब्दुराहमान, केरल सरकार, एडवोकेट एंटनी राजू, परिवहन मंत्री, केरल सरकार, डॉ. शशि थरूर, सांसद और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने इस समारोह में भाग लिया।

माननीय प्रधानमंत्री ने ₹242 करोड़ की लागत से पलक्कड़-पलानी-डिंडीगुल के बीच विद्युतीकृत 179 किमी खंड को राष्ट्र को समर्पित किया। केरल और तमिलनाडु राज्यों को जोड़ने वाले महत्त्वपूर्ण खंडों में से एक, पलक्कड़-पलानी-डिंडीगुल खंड को विद्युतीकृत कर्षण के तहत लाया गया है ताकि परिवहन के पर्यावरण अनुकूल तरीके पेश किए जा सकें और शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त किया जा सके। विद्युतीकरण मेमू सेवाओं को शुरू करने का मार्ग प्रशस्त करेगा और तीर्थ और पर्यटन स्थलों तक तेजी से पहुँच प्रदान करने वाली निर्बाध कनेक्टिविटी लाएगा।

इसके अलावा माननीय प्रधानमंत्री ने केरल में तीन प्रमुख रेलवे स्टेशनों-तिरुवनंतपुरम, वर्कला शिवगिरी और कोझिकोड के पुनर्विकास के लिए कुल ₹1,140 करोड़ की लागत से आधारशिला रखी। तिरुवनंतपुरम, वर्कला शिवगिरि और कोझिकोड को बेहतर परिवेश के साथ सौंदर्यपूर्ण रूप से डिजाइन किए गए आंतरिक भाग, बाहरी भाग और अन्य हवाई अड्डे जैसी सुविधाओं के साथ केरल की संस्कृति और विरासत मूल्यों को समेटे शानदार आधुनिक रूप देने वाले विश्व स्तरीय स्टेशनों के मानचित्र पर लाया जाएगा।

माननीय प्रधानमंत्री ने ₹156 करोड़ की लागत से तिरुवनंतपुरम क्षेत्र के व्यापक विकास के लिए आधारशिला रखी। इसमें त्रिवेंद्रम के सैटेलाइट टर्मिनल कोचुवेली का विकास और नेमोम में नया अतिरिक्त टर्मिनल शामिल है। नेमोम टर्मिनल एर्नाकुलम और उसके आगे और नागरकोइल, मदुरै दोनों की ओर ट्रेन सेवाओं के प्रबंधन को सुगम बनाएगा। उपरोक्त परियोजनाओं के अलावा, माननीय प्रधानमंत्री ने ₹381 करोड़ की लागत से तिरुवनंतपुरम-शोरानूर (326.83 किमी) खंड की अनुभागीय गति बढ़ाने की भी आधारशिला रखी। एक बार इस खंड की अनुभागीय गति बढ़ जाने के बाद, केरल के रेल यात्री केरल के प्रमुख स्थलों के लिए तेज कनेक्टिविटी के साथ बहुत तेज ट्रेनों और कम यात्रा समय की उम्मीद कर सकते हैं।

माननीय प्रधानमंत्री ने ओडिशा में विभिन्न रेल परियोजनाओं की आधारशिला रखी और राष्ट्र को समर्पित की

माननीय प्रधानमंत्री ने पुरी–हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी



माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पुरी–हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई और ओडिशा में कई रेल परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिनांक 18 मई, 2023 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ओडिशा में ₹8,000 करोड़ से अधिक की अनेक रेल परियोजनाओं की आधारशिला रखी और राष्ट्र को समर्पित कीं। परियोजनाओं में पुरी और हावड़ा के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाना, पुरी और कटक रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखना, ओडिशा में शत-प्रतिशत विद्युतीकृत रेल नेटवर्क समर्पित करना, संबलपुर–टिटलागढ़ रेल लाइन का दोहरीकरण, अंगुल–सुकिंदा के बीच एक नई ब्रॉड गेज रेल लाइन, मनोहरपुर–राउरकेला–झारसुगुड़ा–जमगा को जोड़ने वाली तीसरी लाइन और बिछुपाली–झरतरभा के बीच एक नई ब्रॉड–गेज लाइन बिछाना शामिल है।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ओडिशा और पश्चिम बंगाल के लोगों को आज वंदे भारत एक्सप्रेस भेंट की जा रही है जो आधुनिक और आकांक्षी भारत का प्रतीक है। ''भारत की गति और प्रगति तब देखी जा सकती है जब वंदे भारत ट्रेन एक स्थान से दूसरे स्थान पर चलती है।'' प्रधानमंत्री ने बताया कि कोलकाता से पुरी यात्रा का समय अब घटकर केवल साढ़े छह घंटे रह जाएगा, जिससे समय की बचत होगी। इससे व्यापार के अवसर बढ़ेंगे और युवाओं को नए अवसर मिलेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि रेलवे किसी भी ऐसे नागरिक की पहली पसंद और प्राथमिकता है जो दूर की यात्रा करना चाहता है। उन्होंने अन्य रेलवे विकास परियोजनाओं का उल्लेख किया, जिनकी आधारशिला आज रखी गई है। इनमें पुरी और कटक रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास और आधुनिकीकरण और क्षेत्र में रेल लाइनों का दोहरीकरण और ओडिशा में रेल लाइनों का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण समर्पित करना शामिल है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''ओडिशा देश के उन राज्यों में से एक है जहाँ रेल लाइनों का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण हो चुका है।'' उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल में समान उपलब्धि हासिल करने के लिए काम तेज गति से चल रहा है।

इस अवसर पर, अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ ओडिशा के राज्यपाल श्री गणेशी लाल, ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री नवीन पटनायक, केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव तथा केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान भी उपस्थित थे।

पुरी और कटक रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास से रेल यात्रियों को विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करने वाली सभी आधुनिक सुविधाएँ होंगी। प्रधानमंत्री ने ओडिशा में शत-प्रतिशत विद्युतीकृत रेल नेटवर्क को देश को समर्पित किया। इससे प्रचालन और रखरखाव लागत में कमी आएगी और आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम होगी। प्रधानमंत्री ने संबलपुर–टिटलागढ़ रेल लाइन के दोहरीकरण, अंगुल–सुकिंदा के बीच एक नई ब्रॉड गेज रेल लाइन, मनोहरपुर–राउरकेला–झारसुगुडा–जम्मा को कनेक्ट करने वाली तीसरी लाइन और बिछुपाली–झारतरभा के बीच एक नई ब्रॉड गेज रेल लाइन को भी समर्पित किया। ये ओडिशा में इस्पात, बिजली एवं खनन क्षेत्रों में तेजी से औद्योगिक विकास के परिणामस्वरूप बढ़ी हुई यातायात मांगों को पूरी करेंगे तथा इन रेल खंडों में यात्री यातायात पर दबाव कम करने में भी सहायता करेंगे।

देहरादून-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ

माननीय प्रधानमंत्री ने दिखाई हरी झंडी

शत-प्रतिशत विद्युत ट्रैक्शन वाला राज्य बना उत्तराखण्ड



वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देहरादून-दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल) वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, इस अवसर पर देहरादून स्टेशन पर मौजूद थे उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिनांक 25 मई, 2023 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देहरादून-दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल) वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झण्डी दिखाकर शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने उत्तराखण्ड में शत-प्रतिशत रेलपथों का विद्युतीकरण भी राष्ट्र को समर्पित किया। इस कार्यक्रम में पर उत्तराखण्ड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) श्री गुरमीत सिंह, उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, रक्षा और पर्यटन राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट, केबिनेट मंत्री, उत्तराखण्ड श्री गणेश जोशी, देहरादून के मेयर श्री सुनील उनियाल गामा, सांसद (लोकसभा) श्रीमती माला राज्य लक्ष्मी शाह, सांसद (राज्यसभा) श्री नरेश बंसल, विधायक, देहरादून श्री विनोद चमोली, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री शोभन चौधुरी, मुरादाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री अजय नंदन तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

रेलवे के प्रयासों की सराहना करते हुए माननीय प्रधानमंत्री ने देहरादून और दिल्ली के बीच चलने वाली इस नई वंदे भारत एक्सप्रेस की उद्घाटन सेवा के लिए उत्तराखण्ड के प्रत्येक नागरिक को धन्यवाद दिया और कहा कि यह ट्रेन राष्ट्रीय राजधानी को देवभूमि उत्तराखण्ड से जोड़ेगी। इन दोनों शहरों के बीच का यात्रा समय अब और कम हो जाएगा तथा इस रेलगाड़ी में उपलब्ध कराई जा रही सेवाएँ एक सुखद यात्रा अनुभव उपलब्ध कराएँगी।

इस अवसर पर बोलते हुए रेलमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में विकास कार्यों के लिए ₹5,000 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है। उत्तराखण्ड अब बहुत तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा।

देहरादून रेलवे स्टेशन से रवाना हुई इस ट्रेन का स्थानीय लोगों ने बड़े उत्साह से स्वागत किया। मार्ग में लोगों ने इस रेलगाड़ी पर पुष्प-वर्षा कर तालियों के साथ गुजरती हुई ट्रेन को देख हाथ हिलाकर अभिनंदन किया। मार्ग में इस ट्रेन का डोईवाला, हरिद्वार, रुड़की, सहारनपुर, देवबंद, मुजफ्फरनगर, खतौली, मेरठ सिटी और मोदीनगर स्टेशनों पर क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने स्वागत किया।

दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल) रेलवे स्टेशन पहुँचने पर वंदे भारत ट्रेन का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर सांसद (लोकसभा) श्री राजेंद्र अग्रवाल और विधायक श्री ओमप्रकाश शर्मा तथा उत्तराखण्ड के अनेक प्रख्यात नागरिक उपस्थित थे।

मिशन विद्युतीकरण-उत्तराखण्ड में रेलमार्गों का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण

उत्तराखण्ड में नए विद्युतीकृत रेल लाइन सेक्शनों को राष्ट्र को समर्पित किया गया। विद्युतीकृत सेक्शनों पर विद्युत कर्षण से चलने वाली ट्रेनों की औसत गति सीमा, रेल परिचालन दक्षता बढ़ेगी तथा अधिक थ्रू-पुट, रेल पथों का बेहतर उपयोग होने के साथ-साथ आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता भी कम होगी। इससे विदेशी मुद्रा की बचत के साथ ही भारतीय रेल वर्ष 2030 तक जीरो कार्बन उत्सर्जन की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ जाएगी।

माननीय प्रधानमंत्री ने असम की पहली गुवाहाटी - न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर किया रवाना



गुवाहाटी को न्यू जलपाईगुड़ी से जोड़ने वाली असम की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस को वर्चुअली झंडी दिखाकर रवाना करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, साथ में है रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव व अन्य गणमान्य व्यक्ति

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिनांक 29 मई, 2023 को गुवाहाटी को न्यू जलपाईगुड़ी से जोड़ने वाली असम की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस को वर्चुअली झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके अलावा माननीय प्रधानमंत्री ने 91.03 रूट किमी लंबे न्यू बंगाईगाँव-दुधनई-मेंदीपाथर और 91 किमी लंबे गुवाहाटी-चापरमुख नव विद्युतीकृत सेक्शन का लोकार्पण किया तथा हाल ही में निर्मित लामडिंग के एक नए डेमू/मेमू शेड का उद्घाटन किया। असम के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया, असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव गुवाहाटी स्टेशन पर मौजूद थे। अन्य गणमान्यों में श्री सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग और आयुष मंत्री, केंद्रीय गृह तथा युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री श्री निशीथ प्रामाणिक, परिवहन, मत्स्य और उत्पाद शुल्क मंत्री श्री परिमल शुक्ल बैद्य, असम सरकार, सांसद (राज्यसभा) श्री कामाख्या प्रसाद तासा और श्री पवित्र मार्गेरिटा, सांसद (लोकसभा) श्रीमती क्वीन ओझा, विधायक श्री सिद्धार्थ भट्टाचार्य भी इस अवसर पर उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान पूर्वोत्तर सीमा रेल के महाप्रबंधक श्री चेतन कुमार श्रीवास्तव के साथ मुख्यालय और मंडलों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी गुवाहाटी स्टेशन पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री ने कहा कि आज पूर्वोत्तर की कनेक्टिविटी के लिए एक बहुत बड़ा दिन है क्योंकि तीन विकास कार्य एक साथ पूरे किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि गुवाहाटी-न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत ट्रेन असम और पश्चिम बंगाल के बीच सदियों पुराने संबंधों को और मजबूती प्रदान करेगी। इससे यात्रा में आसानी बढ़ेगी एवं छात्रों को काफी लाभ मिलेगा तथा पर्यटन और व्यवसाय से उत्पन्न रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि यह वंदे भारत ट्रेन मां कामाख्या मंदिर, काजीरंगा, मानस राष्ट्रीय उद्यान और पबितरा वन्यजीव अभयारण्य को कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके अलावा यह मेघालय के शिलांग, चेरापूंजी और अरुणाचल प्रदेश के तवांग और पासीघाट में यात्रा और पर्यटन को बढ़ाएगा।

असम में अत्याधुनिक वंदे भारत एक्सप्रेस के परिचालन से पूर्वोत्तर, विशेषकर असम के लोग तेज गति और आरामदायक रेल यात्रा का अनुभव कर सकेंगे। चूंकि सेमी हाई स्पीड ट्रेन में सभी नवीनतम सुविधाएँ शामिल हैं, जिसे यात्रा के दौरान पूर्वोत्तर के लोग इस अंतर को भली भांति अनुभव करेंगे। वंदे भारत एक्सप्रेस विमान जैसी यात्रा अनुभव प्रदान करती है। स्वदेशी रूप से विकसित यह ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली-कवच सहित उन्नत अत्याधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से लैस है। इसमें वाई-फाई कंटेंट ऑन डिमांड सुविधा भी होगी। प्रत्येक कोच में यात्रियों को सूचना एवं इंफोटेनमेंट की सुविधा प्रदान करना वाला 32 इंच स्क्रीन और साइड रिक्लाइनर सीटें उपलब्ध हैं। एक्जिक्यूटिव कोच में रोटेटिंग सीटों की अतिरिक्त सुविधा है।

91.03 किमी लंबे न्यू बंगाईगाँव-दुध नई-मेंदीपाथर सेक्शन के बिजलीकरण से विद्युत ट्रैक्शन पर माल और यात्री ट्रेनें अब हमारे देश के किसी भी हिस्से से मेघालय में प्रवेश कर सकती हैं। राजधानी मार्ग पर पड़ने वाले एक अन्य 91 किमी लंबा गुवाहाटी-चापरमुख नव विद्युतीकृत खंड प्रदूषण मुक्त परिवहन, ट्रेनों को उच्च गति, परिचालन में कम समय और कम लागत प्रदान करेगा। लामडिंग में हाल ही में निर्मित नया डेमू/मेमू शेड इस क्षेत्र में चल रहे डेमू रेक के अनुरक्षण में मददगार होगा, जिससे बेहतर परिचालन व्यवहार्यता और यात्री सुविधा प्राप्त होगी।

भारत और नेपाल के माननीय प्रधानमंत्रियों ने रेलवे कार्गो ट्रेन को वर्चुअली दिखाई हरी झंडी

दिनांक 1 जून, 2023 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के माननीय प्रधानमंत्री श्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने बथनाहा (भारत) से नेपाल कस्टम्स यार्ड (नेपाल) तक भारतीय रेल कार्गो ट्रेन के उद्घाटन रन को हरी झंडी दिखाई और द्विपक्षीय व्यापार एवं कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए कुर्था–बिजलपुरा रेलवे लाइन सेक्शन को सुपुर्द किया।



माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के माननीय प्रधानमंत्री श्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने भारतीय रेल कार्गो ट्रेन के उद्घाटन को हरी झंडी दिखाई

भारत–नेपाल मित्रता को मजबूत करते हुए बथनाहा (भारत) और नेपाल कस्टम्स यार्ड (नेपाल) के बीच फ्रेट ट्रेन का परिचालन माल की निर्बाध आवाजाही की सुविधा प्रदान करेगा और भारत एवं नेपाल के बीच प्रगाढ़ आर्थिक और व्यापार सहयोग का मार्ग प्रशस्त करेगा जिससे विकास और समृद्धि मिलेगी।

गुवाहाटी रेलवे स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार के निर्माण हेतु पू. सी. रेल ने एएसटीसी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए



असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा और पूर्वोत्तर सीमा रेल के महाप्रबंधक श्री चेतन कुमार श्रीवास्तव की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

पूर्वोत्तर सीमा रेल ने दिनांक 14 जून, 2023 को गुवाहाटी रेलवे स्टेशन में द्वितीय प्रवेश द्वार के निर्माण हेतु भूमि विनिमय के लिए असम राज्य परिवहन निगम (एएसटीसी) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया। समझौता ज्ञापन पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और पू. सी. रेल के महाप्रबंधक श्री चेतन कुमार श्रीवास्तव की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। द्वितीय प्रवेश द्वार का डिजाइन अगले 4 महीनों के भीतर तैयार हो जाएगा और इसे गुवाहाटी स्टेशन पुनर्विकास परियोजना के तहत विकसित किया जाएगा। यात्रियों को आसान पहुँच प्रदान करने के अलावा, यह द्वितीय प्रवेश द्वार शहर के भीतर सड़क परिवहन की भीड़ को कम करेगी।

गुवाहाटी रेलवे स्टेशन द्वारा फिलहाल उत्तर या शहर के पान बाजार की ओर से केवल एक प्रवेश द्वार से सेवा प्रदान की जाती है। स्टेशन और इसके प्रवेश को बेहतर बनाने के लिए, पू. सी. रेल ने उपयुक्त भूमि प्रदान करने के लिए असम सरकार से संपर्क किया, जिस पर राज्य सरकार ने सहमति दी। पलटन बाजार की ओर एएसटीसी की 6,682.50 वर्ग मीटर भूमि को गुवाहाटी रेलवे स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार के निर्माण के लिए उपयुक्त पाया गया। बदले में, उत्तर जालुकबाड़ी में 27,843.75 वर्ग मीटर की माप वाली समान मौद्रिक मूल्य की रेलवे भूमि एएसटीसी को सौंपी जाएगी।

भारतीय रेल
पत्रिका अब
राष्ट्रीय रेल संग्रहालय
चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में भी उपलब्ध है

रेल मंत्री ने भद्रक-नयागढ़ टाउन-भद्रक मेमू को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना



ओडिशा के कटक रेलवे स्टेशन से भद्रक-नयागढ़ टाउन मेमू ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान एवं केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान तथा केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 30 मार्च, 2023 को कटक रेलवे स्टेशन पर भद्रक-नयागढ़ टाउन-भद्रक मेमू के उद्घाटन समारोह में ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर श्री वैष्णव ने बताया कि भद्रक और नयागढ़ जिले के बीच सीधी ट्रेन लिंक हो जाने से यह खोरधारोड, भुवनेश्वर और कटक जैसे महत्त्वपूर्ण शहरों के रास्ते से होते हुए राज्य के पाँच जिलों को जोड़ेगी, जो जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगी। भुवनेश्वर रेलवे के पुनर्विकास के शिलान्यास समारोह के दौरान पूर्व में ही यह घोषणा कर दी गई थी कि भद्रक से भुवनेश्वर की ओर एक नई ट्रेन सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। अब यह वादा पूरा कर दिया गया है।

श्री वैष्णव ने कहा कि कटक रेलवे स्टेशन का विश्व स्तरीय स्टेशन के रूप में पुनर्विकास किया जाएगा और इसके पुनर्विकास कार्य के लिए ₹303 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं। श्री वैष्णव ने यह भी कहा कि रेलवे ने इस वर्ष राज्य में 400 किमी रेल लाइन का निर्माण किया है, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इससे पहले वर्ष 2009-14 में सालाना लगभग 50 किमी रेल लाइन का निर्माण किया जा रहा था।

रेल मंत्री ने कोचुवेली और नेमोम टर्मिनलों के प्रस्तावित विकास के ब्लूप्रिंट का निरीक्षण किया

केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने 25 अप्रैल, 2023 को रेलवे अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की और बाद में तिरुवनंतपुरम क्षेत्र के व्यापक विकास के हिस्से के रूप में प्रस्तावित नेमोम और कोचुवेली टर्मिनलों का निरीक्षण किया। मंत्री ने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अनिल कुमार लाहोटी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में श्री आर एन सिंह, महाप्रबंधक, दक्षिण रेलवे के साथ एक समीक्षा बैठक की। रेल मंत्री ने विभिन्न चल रही दोहरीकरण और नई लाइन परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा की और शीघ्र कार्यान्वयन के लिए सभी अधिकारियों के सम्मिलित प्रयास करने के लिए कहा। रेल मंत्री ने केरल राज्य में प्रस्तावित गति वृद्धि परियोजनाओं की भी जांच की जो वंदे भारत जैसी ट्रेनों के संचालन और उच्च गति पर अन्य मेल/एक्सप्रेस सेवाओं का मार्ग प्रशस्त करेगी। मंत्री ने नेमोम और कोचुवेली में मीडियाकर्मियों से मुलाकात की और उन्हें नेमोम और कोचुवेली के विकास के लिए प्रस्तावित परियोजना और टर्मिनलों पर पिटलाइन, स्टेबलिंग लाइन, प्लेटफॉर्म विस्तार कार्य आदि के निर्माण के संबंध में प्रगति के बारे में जानकारी दी।



नेमोम और कोचुवेली टर्मिनलों के प्रस्तावित विकास के ब्लूप्रिंट का निरीक्षण करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव। साथ में हैं रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अनिल कुमार लाहोटी

रेल मंत्री ने 'भारतीय रेल के स्टेशनों पर मानक संकेतक' पर पुस्तिका जारी की



'भारतीय रेल के स्टेशनों पर मानक साइनेज' पर पुस्तिका का अनावरण करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, साथ में हैं अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अनिल कुमार लाहोटी व सदस्यगण

भारतीय रेल पूरे देश में रेलवे स्टेशनों का विकास कर 'नए भारत की नई पहचान' का सृजन कर रही है। भारतीय रेल अब 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत पूरे भारत में 1,275 स्टेशनों का पुनर्विकास कर रही है। केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने रेल भवन, नई दिल्ली में भारतीय रेल के स्टेशनों पर मानक संकेतों के बारे में एक पुस्तिका जारी की है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अनिल कुमार लाहोटी, रेलवे बोर्ड के सदस्य भी इस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित थे और जोनल रेलवे के महाप्रबंधक भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस अवसर पर श्री वैष्णव ने कहा, "जैसा कि आप सभी जानते हैं कि माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारतीय रेल अपने स्टेशनों पर यात्री अनुभव को बढ़ाने के लिए अथक प्रयास कर रही है। यह महसूस किया गया है कि स्टेशनों पर संकेतकों के बारे में ऐसे मानक दिशानिर्देश जारी किए जाएं जो सुसंगत और पर्याप्त हों। आज मुझे भारतीय रेल के स्टेशनों पर मानक संकेतकों के बारे में पुस्तिका जारी करते हुए बहुत खुशी हो रही है। भारतीय रेल ऐसे आधुनिक, मानक संकेतों को अपनाएगी जो दिव्यांगों के अनुकूल हों।"

किसी भी अन्य रेल नेटवर्क की तुलना में भारतीय रेल के पास दुनिया में सबसे ज्यादा स्टेशन हैं। यह महत्त्वपूर्ण है कि प्रत्येक यात्री की मानक संकेतक होने से सुविधाओं तक आसानी से पहुँच होनी चाहिए। स्टेशनों पर मानक संकेतकों के बारे में यह पुस्तिका सरल भाषा, स्पष्ट फॉन्ट, आसानी से दिखने वाले रंगों, सहज चित्रलेखों को प्राथमिकता देती है। इसे सभी यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है, जिनमें बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे, दिव्यांगजन आदि शामिल हैं। संकेतकों के रंग, फोंट के प्रकार और आकार को मानकीकृत किया गया है। तेजी से रास्ता तलाशने के लिए संकेतों के समूहीकरण की अवधारणा को प्रस्तुत किया गया है। तिरंगी पृष्ठभूमि के साथ स्टेशनों के नाम प्रदर्शित करने वाले नए तृतीयक बोर्ड लगाए गए हैं। मुख्य निर्णय लेने वाले बिंदुओं पर सहज ज्ञान युक्त रास्ता खोजने और संकेतकों की उपलब्धता पर जोर दिया गया है। संकेतों के मानकीकरण पर भी जोर दिया गया है और मजबूत वास्तुकला शब्दावली वाले स्टेशनों के मामले में लचीलेपन की आवश्यकता को भी मान्यता दी गई है।

'अमृत भारत स्टेशन' योजना

रेल मंत्रालय ने 'अमृत भारत स्टेशन' योजना नाम से स्टेशनों के आधुनिकीकरण के लिए एक नई नीति तैयार की है। इस योजना में दीर्घकालिक विजन के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। यह स्टेशन की जरूरतों और संरक्षण के अनुसार दीर्घकालिक मास्टर प्लानिंग और मास्टर प्लान के तत्वों के कार्यान्वयन पर आधारित है। यह योजना मुख्य रूप से सुरक्षित, आरामदायक और स्वच्छ रेलवे परिसरों को उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

तीन रेलवे स्टेशनों अर्थात् रानी कमलापति, गांधीनगर कैपिटल और सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल को चालू कर दिया गया है। इन तीन स्टेशनों के अनुभव के आधार पर, 'अमृत भारत स्टेशन' योजना के तहत चुने गए 1,275 स्टेशनों में प्रमुख शहरों, पर्यटन और तीर्थ यात्रा महत्त्व के स्थानों पर स्थित स्टेशन शामिल हैं। 88 स्टेशनों पर काम चल रहा है। 1,187 स्टेशनों के लिए निविदा और योजना कार्य प्रगति पर है।

भारतीय रेल ने बांग्लादेश को सौंपे 20 ब्रॉड गेज इंजन



बांग्लादेश के लिए 20 ब्रॉड गेज इंजनों को हरी झंडी दिखाते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अनिल कुमार लाहोटी और बोर्ड के अन्य सदस्य

भारत और बांग्लादेश के बीच आपसी संबंधों को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली के रेल भवन में आयोजित एक समारोह में वर्चुअल रूप से 20 ब्रॉड गेज (बीजी) इंजनों को बांग्लादेश के लिए रवाना किया गया। बांग्लादेश की ओर से रेल मंत्री मोहम्मद नूरुल इस्लाम सुजान भी वर्चुअल माध्यम से इस समारोह में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अनिल कुमार लाहोटी, बोर्ड के सदस्यों, रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों और बांग्लादेश के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। भारत सरकार से अनुदान सहायता के अंतर्गत इन डीजल इंजनों का सौंपा जाना अक्टूबर, 2019 में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत यात्रा के दौरान की गई एक महत्त्वपूर्ण प्रतिबद्धता को पूरा करता है। बांग्लादेश रेलवे की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भारतीय पक्ष ने इंजनों को उपयुक्त रूप से संशोधित किया है। ये इंजन बांग्लादेश में यात्री की बड़ी संख्या और मालगाड़ी संचालन को संभालने में मदद करेंगे। इस अवसर पर श्री वैष्णव ने कहा, ''बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध सभ्यतागत, सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक हैं। दोनों देशों के प्रधानमंत्री सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।''

रेल मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

रेल मंत्रालय से संबद्ध संसदीय सलाहकार समिति की बैठक दिनांक 1 जून, 2023 को नई दिल्ली में हुई। बैठक के एजेंडे में 2 विषयों-भारतीय रेल में खानपान सेवाएँ और भारतीय रेल स्टेशन विकास-'अमृत भारत स्टेशन योजना' को कवर किया गया। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने की और इसमें कई सांसदों ने भाग लिया।

भारतीय रेल में खानपान सेवाओं के विषय पर सदस्यों को सूचित किया गया कि लगभग 1.8 करोड़ यात्री भारतीय रेल में यात्रा करते हैं और यात्रियों के लिए ट्रेनों और स्टेशनों में पर्याप्त खानपान सुविधाओं का प्रावधान और उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सभी प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में रेलवे ने कैटरिंग व्यवसाय में आमूलचूल परिवर्तन के लिए संरचनात्मक सुधार भी शुरू किए हैं।

यात्रियों को खानपान सेवाएँ या तो स्टैटिक इकाइयों या मोबाइल इकाइयों के माध्यम से प्रदान की जाती हैं। पैंट्रीकार/मिनी पैंट्री के साथ 473 जोड़ी ट्रेनें हैं और 706 जोड़ी ट्रेनों में ट्रेन साइड वेंडिंग की सुविधा है। भारतीय रेल की 9,342 छोटी और 582 प्रमुख स्टैटिक इकाइयां हैं जिनमें जन आहार आउटलेट, फूड प्लाजा और रिफ्रेशमेंट रूम शामिल हैं। भारतीय रेल की कैटरिंग नीति है, जिसका उद्देश्य ट्रेनों की कैटरिंग सेवाओं को बंद करके रेल यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण भोजन प्रदान करना और भोजन तैयार करने और भोजन वितरण के बीच प्राथमिक अंतर पैदा करना है। भारतीय रेल में ई-कैटरिंग योजना भी शुरू की गई है। मोबाइल और स्टैटिक कैटरिंग इकाइयों दोनों में कैशलेस लेन-देन की सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं। गुणवत्ता और सेवा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए कैटरिंग सेवाओं की तीसरे पक्ष द्वारा लेखा परीक्षा भी की जाती है।

स्टेशन विकास विषय पर यह सूचित किया गया कि भारतीय रेल के स्टेशन का उन्नयन, आधुनिकीकरण एक सतत प्रक्रिया है। अब तक तीन स्टेशनों-मध्य प्रदेश में रानी कमलापति, गुजरात में गांधीनगर और कर्नाटक में सर एम विश्वेश्वरैया रेलवे स्टेशन-का पुनर्विकास/आधुनिकीकरण किया गया है।

इन तीन स्टेशनों से प्राप्त अनुभव के आधार पर भारतीय रेल में स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की गई है। इस योजना में भवन में सुधार, स्टेशन को शहर के दोनों किनारों के साथ एकीकृत करने, मल्टीमॉडल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ, टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल समाधान, 'रूफ प्लाजा', चरणबद्ध और व्यवहार्यता और लंबी अवधि में स्टेशन पर सिटी सेंटरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है। वर्तमान में, इस योजना में भारतीय रेलों के उन्नयन, आधुनिकीकरण के लिए 1,275 स्टेशनों को लेने की परिकल्पना की गई है।

संसद सदस्यों ने दोनों विषयों पर कुछ मूल्यवान सुझाव दिए। बैठक का समापन रेल मंत्री द्वारा सभी सदस्यों को उनके बहुमूल्य इनपुट के लिए धन्यवाद देने के साथ हुआ।

रेल मंत्री ने सहारनपुर में किया विभिन्न रेल के विकास कार्यों का लोकार्पण



सहारनपुर में विभिन्न विकासात्मक कार्यों का लोकार्पण करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, साथ में हैं राज्य मंत्री, लोक निर्माण विभाग, उत्तर प्रदेश श्री ब्रिजेश सिंह व अन्य गणमान्य व्यक्ति

केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 24 जून, 2023 को सहारनपुर रेलवे स्टेशन का दौरा कर अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री (लोक निर्माण विभाग), श्री बृजेश सिंह, सहारनपुर नगर के विधायक श्री राजीव गुम्बर और रामपुर मनिहारन के विधायक श्री देवेन्द्र निम तथा क्षेत्र के अन्य संबंधित गणमान्य व्यक्तियों सहित उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री शोभन चौधुरी, मंडल रेल प्रबंधक नई दिल्ली श्री डिंपी गर्ग, मंडल रेल प्रबंधक अंबाला श्री मंजीत सिहं भाटिया तथा अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

रेल मंत्री ने ₹6.51 करोड़ की लागत से निर्मित खलासी लाइन से ढमोला नदी तक 1,340 मीटर लंबे स्टॉर्म वॉटर सह सीवरेज पाइपलाइन, सहारनपुर स्थित टी-2 रेलवे कॉलोनी के समीप नव विकसित पार्क, डीएफसीसीआईएल मेरठ-सहारनपुर मार्ग के सहारनपुर-टपरी के बीच स्थित गेट नंबर 84 ए/सी पर 757 मीटर लंबे फ्लाईओवर का उद्घाटन किया। मेरठ-सहारनपुर सेक्शन के डीएफसीसीआईएल मार्ग पर 2-लेन के 757 मी. लंबा फ्लाईओवर, देवबंद-सहारनपुर, एसएच-59 पर भीड़भाड़ को कम करने की दिशा मे सड़क यातायात के लिए महत्त्वपूर्ण लिंक के रूप में काम करेगा।

इस अवसर पर रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सहारनपुर से देहरादून (81 किमी लंबी) वाया शाकुंभरी देवी एक नई रेल लाइन का निर्माण किया जाएगा। इस नई लाइन के सर्वेक्षण के लिए ₹2 करोड़ स्वीकृत किए गये है और इसकी डीपीआर 18 माह की समयावधि में पूरी कर ली जाएगी। सहारनपुर से प्रयागराज के लिए नई वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन शीघ्र शुरू किया जायेगा।

रेल मंत्री द्वारा दिल्ली मंडल नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण

केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 17 जून, 2023 को नई दिल्ली स्थित दिल्ली मंडल नियंत्रण कार्यालय का निरीक्षण किया। रेल मंत्री ने कंट्रोल ऑफिस में ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और रेल कर्मियों से ट्रेन की आवाजाही की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। रेल मंत्री ने प्रत्येक नियंत्रण कार्यालय, अनुभाग नियंत्रण, कोचिंग नियंत्रण, माल नियंत्रण, इंजीनियरिंग नियंत्रण, कैरिज और वैगन नियंत्रण, एस एंड टी, आरपीएफ, टीआरडी, स्काडा का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान श्री शोभन चौधुरी, महाप्रबंधक उत्तर रेलवे, श्री डिंपी गर्ग, मंडल रेल प्रबंधक, दिल्ली और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।



दिनांक 17 जून, 2023 को नई दिल्ली स्थित दिल्ली मंडल नियंत्रण कार्यालय का निरीक्षण करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

रेल मंत्री श्री वैष्णव ने उत्तर रेलवे मुख्यालय में उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे और पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधकों और संबंधित मंडलों के मंडल प्रबंधकों के साथ आगामी कुंभ मेले की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। तीर्थयात्रियों के आवागमन से निपटने के लिए, कुंभ, जनवरी-2025 के 06 मुख्य स्नान दिवसों पर तीर्थयात्रियों की निकासी के लिए 800 से अधिक मेला विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। तीर्थयात्रियों के यातायात से निपटने के लिए उत्तर मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे तथा उत्तर रेलवे के नौ स्टेशनों की योजना बनाई गई है। कुंभ-2025 में 15 करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों के आने की उम्मीद है। उत्तर मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे तथा उत्तर रेलवे द्वारा किए जाने वाले आरओबी/आरयूबी और यात्री सुविधाओं सहित विभिन्न कार्यों के लिए ₹837 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं।

नई दिल्ली में दो दिवसीय चिंतन शिविर का सफल आयोजन

रेल मंत्रालय ने 1 जून और 2 जून 2023 को नई दिल्ली स्थित मानेकशॉ सेंटर में दो दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन किया। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आयोजित सत्रों की अध्यक्षता की। इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाले अन्य गणमान्य व्यक्तियों में रेल राज्य मंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे और श्रीमती दर्शना जरदोश शामिल थे। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अनिल कुमार लाहोटी, रेलवे बोर्ड के सदस्य तथा रेलवे बोर्ड व सभी आंचलिक रेलवे कार्यालयों के युवा अधिकारियों सहित अन्य कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस विशाल आयोजन में क्षेत्रीय रेलवे, पीयू, पीएसयू, सीटीआई, आरडीएसओ आदि से लगभग 400 प्रतिभागियों ने भी हिस्सा लिया।

इस चिंतन शिविर का उद्देश्य प्रति वर्ष अधिक ट्रैक (नई लाइन, जीसी और मल्टी-ट्रैकिंग) निर्माण, प्रतिदिन अधिक लोडिंग, 50 प्रतिशत मार्गों पर 160 किमी प्रति घंटे की गति प्राप्त करने के लिए नए तरीकों एवं उपायों को खोजने पर मंथन करना और नए विचारों को अपनाना था। शिविर के माध्यम से शून्य रेल दुर्घटनाओं का परिणाम प्राप्त करने और सीआरओ तथा एमआरओ में 90 प्रतिशत की कमी लाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर रेल मंत्री श्री अश्विनी



मानेकशॉ सेंटर, नई दिल्ली में दो दिवसीय 'चिंतन शिविर' में रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

वैष्णव ने अपने संबोधन में रेल सुरक्षा और नई प्रौद्योगिकी को अपनाने पर बल दिया। साथ ही उन्होंने अधिकारियों से 30,000 आरकेएम के लिए रेलगाड़ी की रफ्तार को 160 किमी प्रति घंटे तक बढ़ाने पर विचार करने का आह्वान किया। उन्होंने भारत के आर्थिक विकास में रेलवे की भूमिका का भी उल्लेख किया।

श्री वैष्णव ने अधिकारियों से ऐसे तरीके तलाश करने का आग्रह किया, जिससे कि वे प्रतिवर्ष 1,100 करोड़ यात्रियों की अवश्यकताओं को पूरा करने और भीड़भाड़ से निपटने के उपाय लागू कर सकते हैं।

उन्होंने अधिकारियों से नई तकनीक अपनाने और चल रही बुलेट ट्रेन परियोजना से प्राप्त हुए अनुभव को अपनाने का भी आग्रह किया। श्री वैष्णव ने कहा कि वंदे मेट्रो के डिजाइन को अंतिम रूप दे दिया गया है। रेल मंत्री ने कहा कि विचार-विमर्श से कार्रवाई योग्य बिंदु निकाले जाएं और उन पर समयबद्ध तरीके से अमल किया जाए।

विभिन्न आंचलिक रेलवे के महाप्रबंधकों की अध्यक्षता में चार से पाँच टीमों ने प्रत्येक विषय पर अपनी प्रस्तुति दी और नए विचार साझा किए।



आपको यह **अंक कैसा लगा**
हमें जरूर बताएं

ई-मेल : editorbhartiyarailrb@gmail.com

पत्र लिखें ▶ **संपादक**, भारतीय रेल,
कमरा नं. 411, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001

केंद्रीय मंत्री ने विविध ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

श्री जी. किशन रेड्डी, केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ने 29 अप्रैल, 2023 को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर 'गंगा पुष्कराला यात्रा : पुरी–काशी–अयोध्या' भारत गौरव पर्यटक ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर श्री अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दमरे, श्री अभय कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल, श्री. पी.राज कुमार, जीजीएम, आईआरसीटीसी के साथ अन्य अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।





भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन 'बाबा साहब अम्बेडकर यात्रा' को दिनांक 14 अप्रैल, 2023 को हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार तथा संस्कृति, पर्यटन और पूर्वोत्तर विकास मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री शोभन चौधुरी, आईआरसीटीसी की मुख्य प्रबंध निदेशक, श्रीमती रजनी हसीजा, दिल्ली मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री डिम्पी गर्ग और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने बाबा साहब अम्बेडकर के द्वारा दलितों तथा पिछड़े वर्ग के लोगो के अधिकारों तथा उनके सामाजिक उत्थान में बाबा साहब के योगदान पर प्रकाश डाला तथा उन्होने इस रेलगाड़ी को चलाने के लिए रेलवे की सराहना की जबकि श्री रेड्डी ने कहा कि इस रेलगाड़ी से पर्यटक 8 दिनों की अपनी यात्रा में बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन और बुद्ध की विरासत से जुड़े स्थलों का भ्रमण करेंगे। यह रेलगाड़ी भारत की 'देखो अपना देश' अवधारणा को पूरा करती है।

श्री जी. किशन रेड्डी, केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ने 20 मई, 2023 को महबूबनगर रेलवे स्टेशन से ट्रेन नं. 12862 महबूबनगर–विशाखपट्टनम एक्सप्रेस को श्री वी. श्रीनिवास गौड़, आबकारी एवं नशाबंदी, खेल और युवा सेवाएँ तथा पुरातत्व मंत्री, तेलंगाना सरकार; श्री एम. श्रीनिवास रेड्डी, संसद सदस्य, महबूबनगर; श्रीमती स्वर्णा सुधाकर रेड्डी, अध्यक्ष, जिला परिषद, महबूबनगर; श्री के.सी. नरसिम्लु, अध्यक्ष, महबूबनगर नगरपालिका; श्री शरत चंद्रयान, मंडल रेल प्रबंधक, अन्य जन प्रतिनिधि और वरिष्ठ रेलवे पदाधिकारियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।



रेल राज्य मंत्री ने की दक्षिण मध्य रेलवे के कार्य निष्पादन की समीक्षा

श्री रावसाहेब पाटिल दानवे, केंद्रीय रेल, कोयला और खान राज्य मंत्री ने दिनांक 31 मई, 2023 को दक्षिण मध्य रेलवे मुख्यालय का दौरा किया और क्षेत्रीय रेलवे के कार्य निष्पादन पर समीक्षा बैठक की। श्री अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे), श्री आर. धनंजयलु, अपर महाप्रबंधक/दमरे, प्रमुख विभागाध्यक्षों, मंडल रेल प्रबंधकों तथा रेलवे के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने बैठक में भाग लिया। श्री दानवे ने विभिन्न सेक्टरों में चल रहे कार्यों की प्रगति पर विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अंतर्गत जालना, नांदेड और औरंगाबाद रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्यों की प्रगति पर चर्चा की। उन्होंने सिकंदराबाद, तिरुपति और नेल्लूर रेलवे स्टेशनों के उन्नयन स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने अब तक की गई प्रगति की सराहना की और अधिकारियों को परियोजनाओं को लक्ष्य तिथियों तक



क्षेत्रीय प्रदर्शन समीक्षा बैठक में भाग लेते हुए रेल राज्य मंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे तथा महाप्रबंधक श्री ए.के. जैन

पूरा करने के लिए कार्यों में और तेजी लाने को कहा। क्षेत्रीय रेलवे पर स्वच्छता को बनाए रखने, हरित पर्यावरण और कार्य प्रणालियों के डिजिटलीकरण आदि की दिशा में और अधिक प्रयास करें।

श्री रावसाहेब दानवे ने 'एक स्टेशन-एक उत्पाद' स्टॉलों के लागू करने पर क्षेत्रीय रेलवे की सराहना की, जिससे स्थानीय कारीगरों को व्यापार के अधिक अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी की राष्ट्रीय मास्टर योजना 'गति शक्ति' पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री के निदेशानुसार भारत रेल अवसंरचनात्मक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। तदनुसार, भारतीय रेल अवसंरचना, विद्युतीकरण कार्य, कनेक्टिविटी और बेहतर यात्री सुविधाएँ उपलब्ध कराने में प्रगति कर रही है।

रेल राज्य मंत्री द्वारा वीडियो लिंक के माध्यम से पुरी-गंगासागर भव्य काशी भारत गौरव ट्रेन का शुभारम्भ



इंदौर-पुरी-गंगासागर भारत गौरव एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करती हुईं रेल राज्य मंत्री, श्रीमती दर्शना जरदोश

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के इंदौर स्टेशन से पश्चिम रेलवे की प्रथम भारत गौरव ट्रेन का शुभारंभ 16 मई, 2023 को रेल एवं वस्त्र राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश द्वारा वीडियो लिंक के माध्यम से किया गया। इस दौरान इंदौर स्टेशन पर सांसद इंदौर श्री शंकर लालवानी, सांसद (राज्यसभा) सुश्री कविता पाटीदार एवं विधायक श्री रमेश मेंदोला उपस्थित रहे। भारतीय रेल द्वारा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' और 'देखो अपना देश' की संकल्पना को प्रोत्साहित करते हुए भारत गौरव पर्यटक ट्रेनों का संचालन प्रारंभ किया जा रहा है। इसी क्रम में मध्य प्रदेश के तीर्थ यात्रियों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) द्वारा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का संचालन का शुभारंभ किया गया।

इस ट्रेन में यात्रियों के लिए 3 वातानुकूलित और 8 शयनयान श्रेणी के कोच है। इस ट्रेन के द्वारा 9 रातें/10 दिनों की इस यात्रा में पुरी, गंगासागर, कलकत्ता, बैद्यनाथ, वाराणसी एवं अयोध्या के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया गया। यात्रा के दौरान यात्रियों को चाय, नाश्ता, दोपहर और रात का भोजन सहित नॉन ए.सी. स्टैण्डर्ड होटल में रात्रि विश्राम/स्नान की सुविधा दी गई। स्थानीय भ्रमण के लिए नॉन एसी टूरिस्ट बसों की सुविधा प्रदान की गई। टिकिट शुल्क में ही यात्रियों को चार लाख रुपये का दुर्घटना बीमा भी शामिल था। इस कार्यक्रम के दौरान आईआरसीटीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक से श्रीमती रजनी हसीजा, रतलाम मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री रजनीश कुमार सहित रतलाम मंडल एवं आईआरसीटीसी के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रमुख खबरें

रेल राज्य मंत्री ने किया चिनाब पुल एवं अंजी खंड का निरीक्षण



अंजी खड्ड पुल का निरीक्षण करती हुईं रेल राज्य मंत्री, श्रीमती दर्शना जरदोश

केंद्रीय कपड़ा और रेल राज्य मंत्री, श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश ने दिनांक 25 अप्रैल, 2023 को कश्मीर घाटी में दुनिया के सबसे ऊंचे रेल पुल, चिनाब पुल का निरीक्षण किया। तथा दिनांक 27 अप्रैल, 2023 को कश्मीर घाटी में भारतीय रेल पर भारत के पहले केबल आधारित रेल पुल, अंजी खड्ड का निरीक्षण किया। इन अवसर पर मंत्री के साथ यूएसबीआरएल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी श्री एस.पी. माही, केआरसीएल के ईडी, श्री आर.के. हेगड़े तथा उत्तर रेलवे व केआरसीएल की टीम के लोग भी उपस्थित थे।

कश्मीर घाटी में परियोजना की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र का विकास करना है। यह परियोजना क्षेत्र के लिए भी उपयोगी साबित होगी। उन्होंने कहा कि कश्मीर घाटी को हर मौसम में देश के शेष भाग से जोड़ने वाली एक बेहतर रेल यातायात प्रणाली देने के लिए जम्मू एवं कश्मीर के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा किया जाएगा। उन्होंने किए गए कार्य की गुणवत्ता की सराहना की।

भारतीय रेल, प्रतिदिन, कश्मीर घाटी को देश के शेष रेल नेटवर्क से जोड़ने के लिए अग्रसर है। दिनांक 5 अप्रैल, 2021 करे आर्क क्लोजर को पूरा करने और दिनांक 16 अगसत, 2022 को गोल्डन ज्वाइंट का कार्य सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद दुनिया के इस सबसे लंबे रेल पुल चिनाब ब्रिज पर ट्रैक लिंकिंग का कार्य भी 21 मार्च, 2023 को पूरा हो गया है।

कुल 272 किमी की यूएसबीआरएल परियोजना में से 161 किमी रेल पथ का कार्य तीन चरणों में पूरा किया गया है। इसका पहला चरण 118 किमी बारामूला-काजीगुण्ड वर्ष 2009 में, दूसरा चरण 18 किमी काजीगुण्ड-बनिहाल वर्ष 2013 में, इसके अंतर्गत 11.2 किमी लंबी भारत की सबसे लंबी परिचालन यातायात सुरंग शामिल है तथा तीसरा चरण 25 किमी का ऊधमपुर-कटरा वर्ष 2014 में पूरा हुआ।

दुनिया का सबसे ऊंचा रेल पुल, चिनाब ब्रिज, यूएसबीआरएल के कटरा-बनिहाल सेक्शन पर स्थित है, यह अपने कठिन भू-भाग और प्रतिकूल मौसम की स्थितियों के कारण परियोजना का सबसे चुनौतीपूर्ण हिस्सा है। इस रेल लाइन पर बड़ी संख्या में पुल और सुरंगें हैं। यह रेल लाइन सलाल हाइड्रो पॉवर बांध के निकट चिनाब नदी के गहरे खड्डों को पार करती है। आजादी के बाद, पहली बार यूएसबीआरएल परियोजना कश्मीर घाटी को सभी मौसम में रेल सम्पर्क उपलब्ध कराएगी। कश्मीर को निर्बाध और सुगम रेल सम्पर्क प्रदान करने में यूएसबीआरएल के महत्त्व को देखते हुए 272 किमी लंबी इस परियोजना को वर्ष 2002 में राष्ट्रीय महत्त्व की परियोजना घोषित किया गया था। ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना के अंतर्गत जम्मू एवं कश्मीर में कटड़ा और रियासी को जोड़ने के लिए तैयार किया जा रहा है।

इस पुल की कुल लंबाई 725 मीटर है, जिसमें 473 मीटर लंबा असममित केबल आधारित पुल शामिल है, जो नींव के शीर्ष से 193 मीटर की ऊँचाई वाले सेन्ट्रल पायलन की धुरी पर संतुलित है और जो नदी के तल से 331 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। इस केबल आधारित पुल में उत्तरी छोर (कटड़ा की ओर) पर 290 मीटर का स्पैन और दक्षिणी छोर (रियासी की ओर) पर 183 मीटर का स्पैन है। इस पुल पर इकहरी लाइन का रेलपथ है और 3.75 मीटर चौड़ी सर्विस रोड है।

इस पुल के स्ट्रैण्ड 15.7 एमएम व्यास के साथ डिजाइन किए गए हैं और इन स्ट्रैण्डों पर सुरक्षा की तीन परतें-जिंक कोटिड, वैक्स फिल्ड प्लस पीयू/एचडीपीई कवर है। इन केबलों की लंबाई 80 मीटर से लेकर 295 मीटर तक है। इन स्टे केबलों में 31, 37 और 43 स्ट्रैण्ड हैं।

अंजी केबल पुल को कुल 96 केबलों अर्थात् प्रत्येक लेटरल और सेंट्रल स्पैनों पर 48 केबलों के अनुसार डिजाइन किया गया है। इन केबलों का कुल भार 848.7 एमटी है और इसमें शामिल केबल स्ट्रैण्डों की कुल लंबाई 653 किमी है।

श्री रामायण यात्रा भारत गौरव डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन को दिल्ली सफदरजंग स्टेशन से झंडी दिखाकर किया रवाना



भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन द्वारा 'श्री रामायण यात्रा' को हरी झंडी दिखाती हुईं विदेश राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी

भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन 'श्री रामायण यात्रा' को दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से विदेश और संस्कृति राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी द्वारा झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री शोभन चौधुरी, आईआरसीटीसी की मुख्य प्रबंध निदेशक, श्रीमती रजनी हसीजा, मंडल रेल प्रबंधक, दिल्ली श्री डिम्पी गर्ग और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

'श्री रामायण यात्रा' थीम पर आधारित यह भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से प्रस्थान करके 17 रातों/18 दिनों की यात्रा में रामायण सर्किट पर भगवान राम के जीवन से जुड़े प्रमुख पवित्र स्थानों को कवर करेगी। रेलवे, श्रीलंका में रामायण मार्ग की एक वैकल्पिक यात्रा भी प्रदान करता है।

दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से अपनी यात्रा शुरू करने के पश्चात् भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन 'श्री रामायण यात्रा' पर अयोध्या (राम जन्मभूमि मंदिर, हनुमान गढ़ी, सरयूघाट), नंदीग्राम (भरत-हनुमान मंदिर और भरतकुंड), जनकपुर (राम जानकी मंदिर), सीतामढ़ी, जानकी मंदिर और पुनौराधाम), बक्सर (राम रेखा घाट, रामेश्वरनाथ मंदिर), वाराणसी (तुलसी मानस मंदिर, संकट मोचन मंदिर, विश्वनाथ मंदिर और गंगा आरती), सीता समाहित-स्थल, सीतामढ़ी (सीता माता मंदिर), प्रयागराज (भारद्वाज आश्रम, गंगा-यमुना संगम, हनुमान मंदिर), श्रृंगवेरपुर (श्रृंगी ऋषि समाधि और शांता देवी मंदिर, रामचौरा), चित्रकूट (गुप्त गोदावरी, राम घाट, सती अनुसूइया मंदिर), नासिक (त्रयंबकेश्वर मंदिर, पंचवटी, सीतागुफा, कालाराम मंदिर), हम्पी (अंजनाद्री पहाड़ी, विरुपाक्ष मंदिर और विठ्ठल मंदिर), बी रामेश्वरम (रामनाथस्वामी मंदिर और धनुषकोडी), भद्राचलम (श्री सीता रामचंद्रस्वामी मंदिर, अंजनेयस्वामी मंदिर) और नागपुर (रामटेक किला और मंदिर) होते हुए वापस दिल्ली सफदरजंग पहुँचेगी।

आईआरआईएफएम को मिला 'गोल्ड गार्डन सर्टिफिकेट'

इंडियन रेलवे इंस्टीट्यूट ऑफ फाइनेंशियल मैनेजमेंट, मौलाली सिकंदराबाद जोकि रेल मंत्रालय के तहत एक केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान है, को 7वें गार्डन फेस्टिवल 2023 के दौरान 'गोल्ड गार्डन सर्टिफिकेट' से सम्मानित किया गया (5 एकड़ से अधिक क्षेत्र वाले उद्यानों की श्रेणी के लिए हैदराबाद और सिकंदराबाद के जुड़वां शहरों में केंद्र सरकार के कार्यालयों द्वारा अनुरक्षित उद्यानों में से है)।

फेस्टिवल के दौरान डॉ. पल्ला राजेश्वर रेड्डी, एमएलसी-अध्यक्ष तेलंगाना रायथु बंधु समिति और श्री एम हनुमथ राव, आईएएस, बागवानी और रेशम उत्पादन निदेशक (एफएसी) की उपस्थित में श्री बंदलामुदी सिंगैया आईआरएएस, अतिरिक्त महानिदेशक और श्री केआर अभिषेकानंद राव,



भारतीय रेल वित्तीय प्रबंधन संस्थान को 'गोल्ड गार्डन सर्टिफिकेट' प्रदान करते हुए कृषि एवं बागवानी मंत्री श्री एस. निरंजन रेड्डी

आईआरएएस, डीन आईआरआईएफएम ने तेलंगाना सरकार के कृषि और बागवानी मंत्री श्री एस. निरंजन रेड्डी से 'गोल्ड गार्डन सर्टिफिकेट' प्राप्त किया।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने सूरत और अहमदाबाद में चल रही विभिन्न रेल परियोजनाओं का लिया जायजा



रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अनिल कुमार लाहोटी ने 21 और 22 मई, 2023 को सूरत और अहमदाबाद स्टेशनों का दौरा किया। श्री लाहोटी ने सूरत और उधना स्टेशन के पुनर्विकास कार्य की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अहमदाबाद- मुंबई हाई स्पीड रेल स्टेशनों के चल रहे कार्यों की साइट का भी दौरा किया और परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अहमदाबाद स्थित वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर (OCC) का भी दौरा किया। श्री लाहोटी के दो दिवसीय निरीक्षण दौरे के दौरान उनके साथ पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र, संबंधित मंडल रेल प्रबंधक और वरिष्ठ रेल अधिकारियों के साथ-साथ नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NHSRCL), डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFCCIL) और आरएलडीए के अधिकारी भी उपस्थित थे।

अपने दौरे के पहले दिन श्री लाहोटी ने आगामी सूरत हाई स्पीड रेल (HSR) हब के स्थल का दौरा किया और कार्य की प्रगति की समीक्षा की। तत्पश्चात् उन्होंने कास्टिंग यार्ड का भी दौरा किया। इसके बाद उन्होंने सूरत स्टेशन का दौरा किया और स्टेशन का निरीक्षण किया। इसके अलावा उन्होंने सूरत मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्टेशन हब (एमएमटीएच) और उधना स्टेशन पुनर्विकास कार्य की प्रगति का भी निरीक्षण किया।

22 मई, 2023 को श्री लाहोटी ने साबरमती हाई स्पीड रेल (एचएसआर) हब का दौरा किया और साबरमती एचएसआर स्टेशन पर चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और साइट पर स्थापित एचएसआर के मॉडल का भी अध्ययन किया। उन्हें संबंधित अधिकारियों द्वारा एनएचएसआरसीएल परियोजना में हुई प्रगति से अवगत कराया गया। उन्होंने विस्तार से इस कार्य के बारे में चर्चा की। बाद में, श्री लाहोटी ने वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, अहमदाबाद के ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर (ओसीसी) का दौरा किया और डीएफएफसीआईएल के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्हें अधिकारियों द्वारा विस्तार से बताया गया कि ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर कैसे प्रभावी ढंग से कार्य करता है। इसके बाद रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने अहमदाबाद स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान आरएलडीए के अधिकारियों द्वारा अहमदाबाद स्टेशन के स्टेशन पुनर्विकास कार्य की प्रगति के बारे में श्री लाहोटी को अवगत कराया गया। इसके बाद उन्होंने आनंद एचएसआर स्टेशन तथा एफएसएलएम कास्टिंग यार्ड 434 और 442 का निरीक्षण किया और परियोजना की प्रगति की समीक्षा की।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कवच सिस्टम का निरीक्षण किया

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अनिल कुमार लाहोटी ने 9 अप्रैल, 2023 को 'कवच' के कामकाज का निरीक्षण किया। कवच आरडीएसओ द्वारा विकसित एक स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है। श्री लाहोटी ने लिंगमपल्ली और चिटगिड्डा स्टेशनों के बीच कवच के प्रत्यक्ष प्रदर्शन में भाग लिया। उन्होंने लोकोमोटिव में से एक में यात्रा की, जो कवच प्रणाली से लैस हैं और देखा कि कैसे कवच प्रणाली लूप लाइनों से गुजरते समय ट्रेन की गति को स्वचालित रूप से नियंत्रित करता है, कैसे लेवल क्रॉसिंग गेट से गुजरते समय ट्रेन स्वचालित रूप से सीटी बजाती है।



ट्रांस-एशियन रेलवे सदस्य रेल डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में तेजी लाने के लिए देंगे एक क्षेत्रीय रणनीति को अंतिम रूप





एशिया और प्रशांत क्षेत्र में त्वरित रेल डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर दिनांक 5 और 6 अप्रैल, 2023 को एक उच्च-स्तरीय सम्मेलन नई दिल्ली में आयोजित किया गया। सम्मेलन का आयोजन रेल मंत्रालय के साथ एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग (ईएससीएपी) के सहयोग से किया गया था।

सम्मेलन में अर्मेनिया, अजरबैजान, बांग्लादेश, कंबोडिया, जॉर्जिया, भारत, इस्लामिक गणराज्य ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान (ऑनलाइन), लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक, नेपाल, रूस फेडरेशन, श्रीलंका, ताजिकिस्तान, थाईलैंड, उज्बेकिस्तान (ऑनलाइन) और वियतनाम सहित 18 देशों के परिवहन/रेलवे मंत्रालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रांसपोर्ट डेवलपमेंट, बर्मिंघम सेंटर फॉर रेलवे रिसर्च एंड एजुकेशन, ऑर्गनाइजेशन फॉर कोऑपरेशन बिटवीन रेलवे, इंटरनेशनल यूनियन ऑफ रेलवे और इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर इंटरनेशनल कैरिज बाय रेल के प्रतिनिधियों ने भी सम्मेलन में हिस्सा लिया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारतीय रेल के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार लाहोटी ने एक बहुत ही सामयिक मुद्दे पर सम्मेलन आयोजित करने पर संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग की सराहना की और प्रतिभागियों को बताया कि भारतीय रेल ट्रांसपोर्टेशन के हर पहलू पर अपने डिजिटल फुटप्रिंट्स का विस्तार कर रही है और भारतीय रेल ट्रांस-एशियन रेलवे नेटवर्क के सदस्य और विशेष रूप से उन देशों के साथ विशेषज्ञता, जो अपनी रेल डिजिटलीकरण यात्रा शुरू कर रहे हैं, उनके साथ अनुभवों को साझा करने के लिए तैयार है।

उल्लेखनीय है कि ट्रांस-एशियन रेलवे नेटवर्क इंट्रा और अंतर-क्षेत्रीय व्यापार और परिवहन का समर्थन करने के लिए एक क्षेत्रीय रेल नेटवर्क विकसित करने के लिए एक समन्वित योजना प्रदान करता है। 128,000 किमी लंबा रेल नेटवर्क 28 देशों से होकर गुजरता है और ट्रांस-एशियन रेलवे नेटवर्क पर एक अंतर-सरकारी समझौते के माध्यम से औपचारिक रूप दिया गया था, जो 2009 में लागू किया गया था।

नई दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग की प्रमुख सुश्री मिकिको तनाका ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में देशों का समर्थन करने के लिए रेल के परिचालन प्रदर्शन को और बढ़ाने और रेल द्वारा माल और यात्री परिवहन को बढ़ाने के लिए डिजिटलीकरण का लाभ उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सम्मेलन में रेलवे परिवहन के लिए अधिक माल और यात्रियों को आकर्षित करने के लिए रेल परिवहन की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए एशिया और प्रशांत क्षेत्र में रेल डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में तेजी लाने के तौर-तरीकों और साधनों पर विचार-विमर्श किया गया। भाग लेने वाले देशों ने एशिया और प्रशांत क्षेत्र में रेल डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में तेजी लाने के लिए एक क्षेत्रीय रणनीति पर विचार-विमर्श किया, जिसे थाईलैंड में संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग के प्रधान कार्यालय के परिवहन प्रभाग के अधिकारी श्री संदीप राज जैन द्वारा प्रस्तुत किया गया था।

प्रस्तावित रणनीति का उद्देश्य रेल डिजिटलीकरण पर मौजूदा पहलों को सुसंगतता और गति प्रदान करना है; रेल डिजिटलाइजेशन की पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए एक इकोसिस्टम को बढ़ावा देना; रेल संपत्तियों के परिचालन प्रदर्शन, क्षमता, विश्वसनीयता, सुरक्षा और सुरक्षा में वृद्धि; व्यवसाय करने में आसानी सहित ग्राहक अनुभव को बढ़ाना; रेल को डिजिटल बनाने के लिए साझेदारी के माध्यम से तालमेल बनाना और रेल डिजिटलीकरण पर उच्च स्तरीय राजनीतिक समर्थन सुनिश्चित करना है। यह रेल डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में तेजी लाने पर क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आठ प्राथमिकता वाले क्षेत्रों और पाँच क्रॉस कटिंग मुद्दों की पहचान करता है।

क्रॉस-कटिंग मुद्दों के बीच, स्ट्रैजिक रेलवे अधिकारियों के डिजिटल कौशल को बढ़ाने के लिए विशेषज्ञों के एक पूल के साथ रेल डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर एक क्षेत्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम स्थापित करने का प्रस्ताव पेश करती है। रेल डिजिटल परियोजनाओं की फंडिंग के लिए देशों को एक रेल डिजिटल और इनोवेशन फंड को बहु-दाता ट्रस्ट फंड के रूप में स्थापित करने का सुझाव दिया गया, ताकि लैंडलॉक और कम से कम विकासशील देशों को

डिजिटल प्रौद्योगिकियों में छलांग लगाने में मदद मिल सके।

रेल साइबर सिक्योरिटी को मजबूत करने पर यह जानकारी साझा करने, क्षमता निर्माण और अनुभव से सीखने के लिए रेल साइबर सुरक्षा के लिए एक क्षेत्रीय ढांचा विकसित करने की वकालत करता है। इस रणनीति का उद्देश्य देशों को सहायक कानूनी और नियामक ढांचे के लिए प्रोत्साहित करके प्राइवेट सेक्टर के साथ एंगेजमेंट को बढ़ाना है जो रेल डिजिटल एप्लिकेशंस में निजी निवेश और विशेषज्ञता को आकर्षित करता है। प्रस्तावित रणनीति रेल डिजिटलीकरण पर राष्ट्रीय और उप-क्षेत्रीय रणनीति तैयार करने और रेल डिजिटलीकरण के लिए परिपक्वता के तीन स्तरों द्वारा पूरक रेल डिजिटल और नवाचार सूचकांक के विकास के माध्यम से प्रगति को मापने के सुझाव के साथ कार्यान्वयन व्यवस्था भी प्रदान करती है।

सम्मेलन के प्रतिभागियों ने संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग सचिवालय द्वारा प्रस्तुत रेल डिजिटल परिवर्तन में तेजी लाने पर मसौदा रणनीति का स्वागत किया और रेखांकित किया कि इसके अपनाने और बाद के कार्यान्वयन से रेल डिजिटलीकरण को तेजी से ट्रैक किया जा सकता है, विशेष रूप से क्षेत्र के लैंडलॉक और कम से कम विकासशील देशों के लिए। रेलवे बोर्ड के बिजनेस डेवलेपमेंट और ऑपरेशन की सदस्य सुश्री जया वर्मा सिन्हा ने सम्मेलन के दूसरे दिन अपने स्वागत भाषण में संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग द्वारा उपलब्ध कराए गए प्लेटफॉर्म के माध्यम से डिजिटलीकरण की पहल क्षेत्रीय रणनीति के प्रस्तावित मसौदे का पुरजोर समर्थन किया और क्षेत्रीय रेल को समर्थन देने की भारतीय रेल की मंशा को जाहिर किया। ट्रांस-एशियन रेलवे नेटवर्क के सदस्यों द्वारा रेल डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में तेजी लाने के लिए क्षेत्रीय रणनीति को अपनाने की सिफारिश के साथ दो दिवसीय सम्मेलन समाप्त हुआ।

भारतीय रेल ने यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट, इंडिया के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

भारतीय रेल 2030 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन की उपलब्धि के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। रेलवे ने इसके लिए बहुआयामी रणनीति बनाई है। कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की अपनी प्रतिबद्धता के लिए भारतीय रेल कई उपाय कर रही है। इसके अनुरूप नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता पर सहयोग के लिए 14 जून 2023 को भारतीय रेल, भारत सरकार और यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट/इंडिया (यूएसएआईडी/इंडिया) के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। एमओयू पर श्री नवीन गुलाटी, सदस्य, (ट्रैक्शन रोलिंग स्टॉक) रेलवे बोर्ड, भारतीय रेल और सुश्री इसबेल कोलमैन, उप प्रशासक, यूएसएआईडी ने श्री अनिल कुमार लाहोटी, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

यूएसएआईडी, अमेरिकी सरकार की एक एजेंसी है जो अंतरराष्ट्रीय विकास का समर्थन करती है और आर्थिक विकास, कृषि और व्यापार, स्वच्छ ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन, वैश्विक स्वास्थ्य, लोकतंत्र और संघर्ष शमन और प्रबंधन और मानवीय सहायता को समर्थन देकर अपने मिशन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाती है।



एमओयू के माध्यम से भारतीय रेल को तकनीकी सहायता एवं समर्थन प्रदान किया जाएगा। एमओयू में मुख्य रुप से निम्नलिखित क्षेत्रों को शामिल किया गया है लेकिन, यह इन्हीं तक सीमित नहीं है-

- भारतीय रेल के लिए स्वच्छ ऊर्जा सहित दीर्घकालिक ऊर्जा योजना।
- भारतीय रेल के भवनों के लिए एक दक्ष ऊर्जा नीति और कार्य योजना का विकास।
- भारतीय रेल के नेट शून्य दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए स्वच्छ ऊर्जा की खरीद योजना।
- नियामक और कार्यान्वयन बाधाओं को दूर करने के लिए तकनीकी सहायता
- व्यवस्था अनुकूल, बड़े पैमाने पर नवीकरणीय खरीद के लिए समर्थन हेतु बोली लगाने की प्रक्रिया की योजना और प्रबंधन।
- ई-मोबिलिटी को बढ़ावा देने में भारतीय रेल का समर्थन करना।
- क्षेत्रीय दौरों और अध्यन दौरों (घरेलू और अंतरराष्ट्रीय सहित) चिन्हित क्षेत्रों में संयुक्त रूप से कार्यक्रमों, सम्मेलनों और दक्षता उन्नयन कार्यक्रमों की मेजबानी करना।

यूएसएआईडी, भारत के साथ भारतीय रेल का यह सहयोग भारतीय रेल को 2030 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन हासिल करने में काफी मदद करेगा।

सदस्य, अवसंरचना ने पूर्व-पश्चिम मेट्रो के सियालदह से हावड़ा मैदान तक के विस्तार खंड का निरीक्षण किया



श्री रूप नारायण सुंकेर, सदस्य (अवसंरचना), रेलवे बोर्ड ने पूर्व-पश्चिम मेट्रो के हावड़ा मैदान से सियालदह खंड का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान प्रधान मुख्य इंजीनियर, मेट्रो रेलवे श्री एच.एन. जायसवाल और प्रबंध निदेशक, कोलकाता मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केएमआरसीएल) और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उनके साथ उपस्थित थे। श्री सुंकेरजी ने यह निरीक्षण हावड़ा मैदान मेट्रो स्टेशन से शुरू किया जहाँ उन्होंने विभिन्न यात्री सुविधाओं जैसे लिफ्ट, एस्केलेटर, टिकट काउंटर, टनल वेंटिलेशन सिस्टम, स्टेशन कूलिंग व्यवस्था आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने हुगली नदी के नीचे हावड़ा मैदान से एस्प्लानेड मेट्रो स्टेशन तक ट्रॉली निरीक्षण किया एवं इसी के साथ-साथ एक क्रॉस पैसेज का भी निरीक्षण किया। देश का सबसे गहरा मेट्रो स्टेशन बनने जा रहे हावड़ा मेट्रो स्टेशन के अपने निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशन के विभिन्न तकनीकी मापदंडों के बारे में पूछताछ की और वहाँ प्रदान की जाने वाली यात्री सुविधाओं का भी जायजा लिया।

एस्प्लानेड मेट्रो स्टेशन पर सदस्य अवसंरचना ने ईस्ट-वेस्ट मेट्रो द्वारा सियालदह से हावड़ा मैदान तक शुरू होने वाली वाणिज्यिक सेवाओं एवं यहां उपलब्ध कराई जाने वाली यात्री इंटर-चेंजिंग व्यवस्था की जांच की। उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर दोनों में एस्प्लानेड मेट्रो स्टेशन सबसे महत्त्वपूर्ण स्टेशनों में से एक होने जा रहा है।

अवसंरचना, सदस्य ने जम्मू और कश्मीर में यूएसबीआरएल परियोजना का निरीक्षण किया

रेलवे बोर्ड के अवसंरचना सदस्य श्री आर.एन. सुनकर ने एनआर और केआरसीएल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 29 अप्रैल, 2023 को यूएसबीआरएल परियोजना के कटरा-बनिहाल खंड का गहन और विस्तृत निरीक्षण किया। श्री सुनकर ने अंजी पुल के निरीक्षण के बाद टनल-3 और टनल-5 के बीच रियासी स्टेशन यार्ड का भी निरीक्षण किया। रियासी यार्ड एक अन्य मेगा ब्रिज नं. 39 पर स्थित है, जो 490 मीटर लंबा एक सतत मिश्रित स्टील गर्डर है और पियर की ऊंचाई 35.08 मीटर से 105 मीटर तक अलग-अलग है और सबसे ऊंचा पियर नींव स्तर से 105 मीटर ऊंचा है।



भारतीय रेल
पत्रिका की सदस्यता एवं प्राप्ति हेतु
संपर्क करें 011-47845089
सोमवार से शुक्रवार (सुबह 10 से 1 एवं दोपहर 2 से 5 बजे तक) editorbhartiyarailrb@gmail.com bmpr310rb@gmail.com

सदस्य, कर्षण एवं रोलिंग स्टॉक का बरेका निरीक्षण



दिनांक 10 मई, 2023 को सदस्य कर्षण एवं रोलिंग स्टॉक, रेलवे बोर्ड श्री नवीन गुलाटी बनारस रेल इंजन कारखाना का निरीक्षण किया। इस अवसर पर सर्वप्रथम सदस्य कर्षण एवं रोलिंग स्टॉक ने बरेका के लोको फ्रेम शॉप, लोको असेम्बली शॉप, लोको टेस्ट शॉप, न्यू ब्लॉक शॉप का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बरेका के महाप्रबंधक श्री बासुदेव पांडा एवं प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर श्री एस.के. श्रीवास्तव, प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री प्रवीर कुमार साहा, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक श्री रजनीश गुप्ता, प्रधान वित्त सलाहकार श्री अमर कुमार सिन्हा, प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त श्री रणवीर सिंह चौहान, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री प्रमोद कुमार चौधरी, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक श्री विजय एवं मुख्य विद्युत इंजीनियर लोको श्री अरुण शर्मा सहित समस्त विभागाध्यक्ष एवं अधिकारी उपस्थित थे। भ्रमण के दौरान श्री गुलाटी ने विद्युत रेल इंजन की उत्पादन गतिविधियों, निर्माण सुविधाओं, बरेका में चल रही परियोजनाओं के साथ ही उत्पादन प्रक्रिया एवं अन्य तकनीकी विषयों के बारे में विस्तारपुर्वक जानकारी ली। इस दौरान 12,000 उच्च अश्व् शक्ति लोको निर्माण हेतु बरेका में चल रही परियोजनाओं पर भी चर्चा की।

महाप्रबंधक श्री संजीव किशोर ने 26 मई 2023 को रेल सौधा, हुबली में श्री मोहित सिन्हा, डीजी (एचआर), रेल मंत्रालय का गर्मजोशी से स्वागत किया। कर्मचारियों के कल्याण, कार्मिक मामलों आदि से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। एजीएम श्री यू. सुब्बाराव और प्रमुख अधिकारी भी उपस्थित थे।



भारत की अध्यक्षता में एससीओ के सदस्य देशों के रेलवे प्रशासन प्रमुखों की बैठक आयोजित



सदस्य देशों ने 2023-2025 के लिए कार्य योजना को स्वीकार किया और एससीओ सदस्य देशों के रेलवे प्रशासनिक प्रमुख के बीच बातचीत की अवधारणा के कार्यान्वयन के लिए मसौदा कार्य योजना को मंजूरी दी। भारत की अध्यक्षता में 8-10 मई, 2023 को एससीओ सदस्य देशों के रेलवे प्रशासन के प्रमुखों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एससीओ सदस्य देशों (भारत गणराज्य, कजाकिस्तान गणराज्य, चीनी गणराज्य, किर्गिज गणराज्य, इस्लामिक गणराज्य पाकिस्तान, रूसी संघ, तजाकिस्तान गणराज्य, उज़्बेकिस्तान गणराज्य) के रेलवे प्रशासन के प्रमुखों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। रेलवे बोर्ड की सदस्य (संचालन और व्यवसाय विकास) सुश्री जया वर्मा सिन्हा ने बैठक की अध्यक्षता की। एससीओ सदस्य देशों ने 2023-2025 के लिए कार्य योजना को स्वीकार किया। साथ ही एससीओ सदस्य देशों के रेलवे प्रशासन के बीच बातचीत की अवधारणा के कार्यान्वयन के लिए कार्य योजना के मसौदे को मंजूरी दी। एससीओ सदस्य देशों के बीच व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए डिजिटलीकरण सहित क्षेत्रीय रेल कनेक्टिविटी, बुनियादी ढाँचे के विकास, मल्टीमॉडल परिवहन, नवीनतम तकनीक के उपयोग में सुधार को लेकर विचार-विमर्श पर ध्यान केंद्रित किया गया।

महानिदेशक, मानव संसाधन ने आईआरआईटीएम का दौरा किया

रेलवे बोर्ड के महानिदेशक (मानव संसाधन) श्री मोहित सिन्हा ने प्रशिक्षण सुविधाओं का जायजा लेने के लिए 17 अप्रैल, 2023 को भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान (आईआरआईटीएम), लखनऊ का दौरा किया। संस्थान के अपर महानिदेशक श्री मनोज कुमार सिन्हा ने उनका स्वागत किया।



श्री मोहित सिन्हा ने एडीजी और आईआरआईटीएम के अन्य संकाय सदस्यों के साथ बैठक की, जिसमें उन्हें आईआरआईटीएम में उपलब्ध विभिन्न प्रशिक्षण और अन्य सुविधाओं से अवगत कराया गया। इंडियन रेलवे मैनेजमेंट सर्विसेज (आईआरएमएस) प्रोबेशनर्स के फाउंडेशन और इंडक्शन प्रशिक्षण और उसके लिए ढांचागत जरूरतों के बारे में भी चर्चा की गई।

महानिदेशक, सुरक्षा ने प्रशिक्षु अधिकारियों संग बातचीत की





श्री ब्रज मोहन अग्रवाल, महानिदेशक/सुरक्षा, रेलवे बोर्ड और श्री रमेश कुमार शर्मा, मुख्य रेल सुरक्षा आयुक्त ने 21 अप्रैल, 2023 को भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान में 'सुरक्षा प्रबंधन' प्रशिक्षण में भाग लेने वाले अधिकारियों और उत्तर और उत्तर पूर्व रेलवे के लखनऊ मंडल के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बातचीत की।

रेल विकास निगम लिमिटेड को मिला नवरत्न का दर्जा

रेल मंत्रालय के केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) को नवरत्न कंपनी का दर्जा हासिल हो गया है।

आरवीएनएल को 24 जनवरी, 2003 को पीएसयू के रूप में निगमित किया गया था, जिसका उद्देश्य फास्ट ट्रैक आधार पर रेलवे के बुनियादी ढांचे की क्षमताओं के निर्माण और वृद्धि से संबंधित परियोजनाओं का कार्यान्वयन और एसपीवी परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त बजटीय संसाधनों को जुटाना था। निदेशक मंडल की नियुक्ति के साथ 2005 में कंपनी का परिचालन शुरू हुआ था। कंपनी को सितंबर, 2013 में मिनी रत्न का दर्जा दिया गया था। कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी ₹3,000 करोड़ है, जिसकी चुकता शेयर पूंजी ₹2,085 करोड़ है।

आरवीएनएल को निम्नलिखित काम सौंपे गए हैं

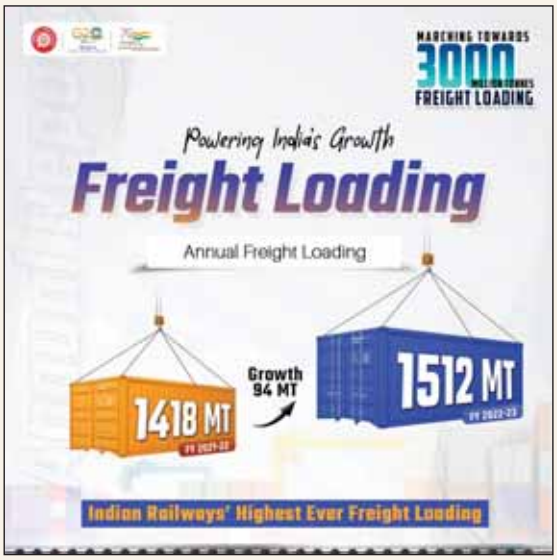
- पूर्ण परियोजना जीवन चक्र को कवर करने वाली परियोजना के विकास और कार्यों का निष्पादन करना।
- यदि आवश्यक हो तो व्यक्तिगत कार्यों के लिए परियोजना केंद्रित एसपीवी बनाना।
- आरवीएनएल द्वारा एक रेलवे परियोजना पूरी किए जाने पर संबंधित क्षेत्रीय रेलवे इसका संचालन और रखरखाव करेगा।

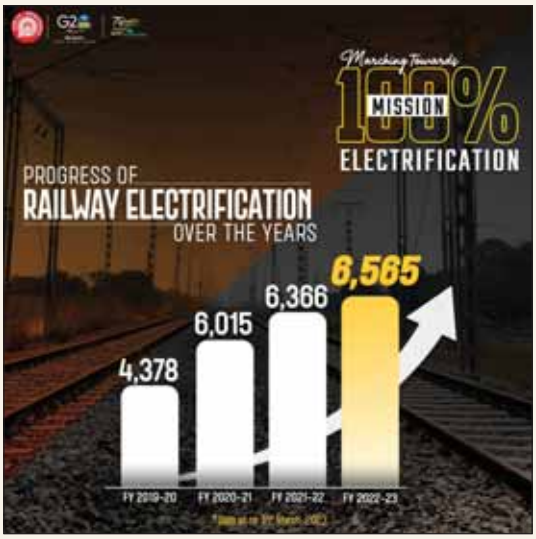
आरवीएनएल को 'नवरत्न' का दर्जा मिलने से उसके अधिकार, परिचालन स्वतंत्रता और वित्तीय स्वायत्तता में बढ़ोत्तरी हो गई है, जिससे आरवीएनएल की प्रगति को पर्याप्त प्रोत्साहन मिलेगा। यह विशेष रूप से इसलिए भी अहम है, क्योंकि आरवीएनएल रेलवे से परे और यहां तक कि विदेश स्थित परियोजनाओं में भी अपना विस्तार कर रही है।

वित्त वर्ष 2022-23 में भारतीय रेल की प्रमुख उपलब्धियाँ

माल ढुलाई और राजस्व

भारतीय रेल ने वित्त वर्ष 2021-22 के 1,418 एमटी की तुलना में वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 1,512 एमटी की माल ढुलाई की है और इस तरह से माल ढुलाई में 6.63% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। यह किसी एक वित्त वर्ष में भारतीय रेल द्वारा की गई अब तक की सर्वाधिक माल ढुलाई है। भारतीय रेल ने 2021-22 के ₹1.91 लाख करोड़ की तुलना में वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान ₹2.44 लाख करोड़ का राजस्व हासिल किया है, जो कि 27.75% की वृद्धि दर्शाती है। भारतीय रेल ने 'हंग्री फॉर कार्गो' के मूलमंत्र को अपनाते हुए 'कारोबार करने में आसानी' के साथ-साथ प्रतिस्पर्धी दरों पर सेवा उपलब्धता को बेहतर करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप पारंपरिक और गैर-पारंपरिक कमोडिटी, दोनों से ही जुड़ा नया व्यवसाय रेलवे को प्राप्त हो रहा है। व्यवसाय विकास इकाइयों के ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण एवं कार्यकलापों के साथ-साथ अत्यंत प्रभावकारी नीति निर्माण से रेलवे को यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने में काफी मदद मिली है।





रिकॉर्ड विद्युतीकरण

भारतीय रेल 'मिशन 100 प्रतिशत विद्युतीकरण' को पूरा करने के लिए बड़ी तेजी से प्रगति कर रहा है और इसकी बदौलत दुनिया में सबसे बड़ा हरित रेलवे नेटवर्क बन गया है। भारतीय रेल के इतिहास में 2022-23 के दौरान 6,542 आरकेएम का रिकॉर्ड विद्युतीकरण किया गया है। पिछला रिकॉर्ड विद्युतीकरण 2021-22 के दौरान 6,366 आरकेएम का किया गया था और इस तरह से 2.76% की वृद्धि दर्ज की गई।

नई लाइनों (नई लाइनें बिछाने/दोहरीकरण/आमान परिवर्तन)

के मामले में 2021-22 के 2,909 किमी की तुलना में 2022-23 के दौरान 5,243 किमी हासिल किया गया। इस प्रकार हर दिन औसतन 14.4 किमी लंबा ट्रैक बिछा दिया जाता है। यह अब तक की सर्वाधिक कमीशनिंग भी है।





स्वचालित सिग्नलिंग

भारतीय रेल के मौजूदा उच्च घनत्व या यातायात वाले मार्गों पर और भी अधिक ट्रेनें चलाने हेतु लाइन क्षमता बढ़ाने के लिए 'स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग' एक किफायती समाधान या व्यवस्था है। भारतीय रेल ने 2021-22 के 218 किमी की तुलना में 2022-23 के दौरान स्वचालित सिग्नलिंग के जरिए 530 किमी का उन्नयन किया है, जिसमें 143.12% की वृद्धि दर्ज की गई है। ये भारतीय रेल के इतिहास में स्वचालित सिग्नलिंग में हासिल किए गए सर्वश्रेष्ठ आँकड़े भी हैं।



डिजिटली इंटरलॉक्ड स्टेशन (इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग)

पुराने लीवर फ्रेम से लेकर कंप्यूटर आधारित ऑपरेटिंग सिस्टम तक में बड़ी संख्या में डिजिटली इंटरलॉक्ड स्टेशन बनाए गए हैं। ट्रेनों के परिचालन में डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने और सुरक्षा बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग को अपनाया जा रहा है। 2021-22 के 421 स्टेशनों की तुलना में 2022-23 के दौरान 538 स्टेशनों को इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रदान की गई, जो कि 27.79% की वृद्धि को दर्शाती है।



फ्लाईओवर/अंडरपास

सड़कों पर बनी पटरियों को पार करने में जनता की सहूलियत के लिए 2021-22 के 994 फ्लाईओवर/अंडरपास की तुलना में 2022-23 के दौरान 7.14% की वृद्धि दर्ज करते हुए 1,065 फ्लाईओवर/अंडरपास सुलभ कराए गए।



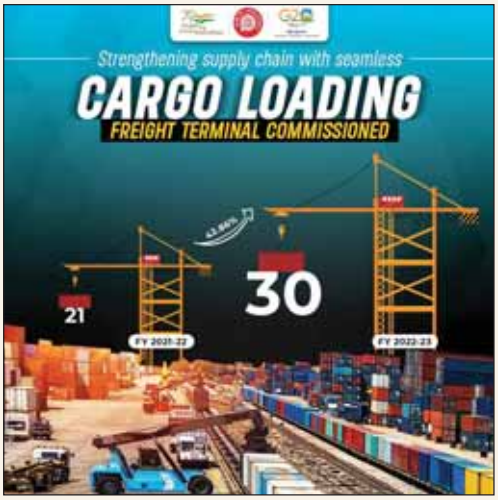
एफओबी

यात्रियों/पैदल यात्रियों को क्रॉस करने में सहूलियत के लिए 2021-22 के 373 एफओबी की तुलना में 2022-23 के दौरान 375 एफओबी का निर्माण किया गया।



समपार फाटक हटाए गए

समपार फाटकों (लेवल क्रॉसिंग या एलसी गेट) पर लोगों की सुरक्षा चिंता का प्रमुख विषय रहा है। 2021-22 के 867 समपार फाटकों की तुलना में 2022-23 के दौरान 880 समपार फाटकों को हटाया गया।



गति शक्ति फ्रेट टर्मिनल

माल ढुलाई में अपनी मॉडल हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए भारतीय रेल 'गति शक्ति फ्रेट टर्मिनलों' के विकास को प्राथमिकता दे रही है। 2021-22 के 21 फ्रेट टर्मिनलों की तुलना में 2022-23 के दौरान 30 फ्रेट टर्मिनल बनाए गए।



लिफ्ट/एस्केलेटर

'सुगम्य भारत अभियान' के तहत रेल प्लेटफॉर्म पर दिव्यांगजनों, वृद्धों और बच्चों की आवाजाही को सुगम्य बनाने के लिए भारतीय रेल देश भर में रेलवे स्टेशनों पर लिफ्ट और एस्केलेटर लगा रही है। 2021-22 के 208 लिफ्ट और 182 एस्केलेटर की तुलना में 2022-23 के दौरान 215 लिफ्ट और 184 एस्केलेटर लगाए गए।



अब तक की सर्वाधिक स्क्रैप बिक्री की गई

भारतीय रेल स्क्रैप सामग्री जुटाकर और ई-नीलामी के माध्यम से इसकी बिक्री करके संसाधनों का इष्टतम उपयोग करने के लिए हरसंभव प्रयास करती है। 2021-22 के ₹5,316 करोड़ की तुलना में 2022-23 के दौरान ₹5,736 करोड़ की स्क्रैप बिक्री की गई, जो कि 7.90% की वृद्धि दर्शाती है।

भारतीय रेल में 2022-23 के दौरान 414 स्टेशनों में यार्ड रिमॉडलिंग की गई।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान उत्पादन प्रदर्शन

वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान आरडब्ल्यूएफ ने बेहतर प्रदर्शन किया है और कई उपलब्धियाँ हासिल की हैं। रेलवे बोर्ड के इस साल के लक्ष्य को हासिल करने के अलावा कई अन्य मील के पत्थर भी हासिल किए गए हैं। उत्पादन प्रदर्शन का विवरण नीचे दिया गया है–

वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान आरडब्ल्यूएफ ने 1,90,976 पहिए, 83,160 ऐक्सल और 81,480 पहिए के सेट का निर्माण किया है, इस प्रकार रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित 100% लक्ष्य प्राप्त हुआ है।

इसके अतिरिक्त, यह वर्ष कई सारे बनाए गए रिकॉर्ड के साथ समाप्त हो रहा है–

- वित्त वर्ष 2022–23 में 81,480 पहिए के सेट बनाए गए और 81,305 पहिए के सेट भेजे गए। आरडब्ल्यूएफ के इतिहास में किसी वित्तीय वर्ष में पहिए के सेट का यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।
- वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान 2,10,778 पहिए तैयार किए गए। यह आरडब्ल्यूएफ के इतिहास में किसी एक वर्ष में तैयार किए गए पहियों की अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। पिछले सर्वश्रेष्ठ वर्ष 2008–09 के दौरान 2,09,562 पहिए बनाए गए थे।
- वर्ष के दौरान 91,889 ऐक्सल (बॉक्सएन यूनिट) का निर्माण किया गया, जो तीसरी मशीनिंग लाइन के डी–कमीशनिंग (दिसंबर 2013) के बाद ऐक्सल का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन है।
- वर्ष के दौरान 6,857 गुड हीट का दोहन किया गया, जो आरडब्ल्यूएफ के इतिहास में सबसे बड़ी संख्या है। पिछला सर्वश्रेष्ठ 2015–16 के दौरान 6,601 हीट था।
- मार्च–2023 के दौरान आरडब्ल्यूएफ ने 9,255 पहिए के सेट असेंबल करके और निरीक्षण पास करके इतिहास रचा। आरडब्ल्यूएफ के इतिहास में किसी भी महीने में यह अब तक का सबसे अच्छा उत्पादन है।
- मार्च–2023 के दौरान विभिन्न वैगन निर्माताओं को 9,438 पहिए के सेट भेजे गए। आरडब्ल्यूएफ की ओर से पहिए के सेट का यह अब तक का सबसे बेहतरीन डिस्पैच है।
- वर्ष 2022–23 के लिए ₹1,729.56 करोड़ टर्नओवर रहने की उम्मीद है।
- स्क्रैप की बिक्री में भी आरडब्ल्यूएफ ने लक्ष्य से बेहतर प्रदर्शन किया। वर्ष 2022–23 के दौरान ₹30 करोड़ के लक्ष्य के मुकाबले ₹39.68 करोड़ के स्क्रैप की बिक्री हुई है।

क्र.सं.	उत्पाद	रेलवे बोर्ड का लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य	लक्ष्य प्राप्ति %
1	पहिए	1,90,976	1,90,976	100
2	ऐक्सल (सं.)	83,160	83,166	100
3	पहिए के सेट	81,328	81,480	100



भारतीय
पत्रिका की ऑनलाइन सदस्यता

STEP 1

ऑनलाइन सदस्यता हेतु **www.irctc.co.in** पर जाएं।

इस पेज के **विज्ञापन** (Promotions) पर जाएं।

आप सीधे
www.irctctourism.com/ IRBRmag/#/home/hn
पर भी जा सकते हैं।



❸ **'भारतीय रेल पत्रिका'** पर क्लिक करें।

STEP 3

❶ इस बॉक्स में यदि आप के पास आईआरसीटीसी का लॉग-इन, पासवर्ड है तो उसका उपयोग करें।

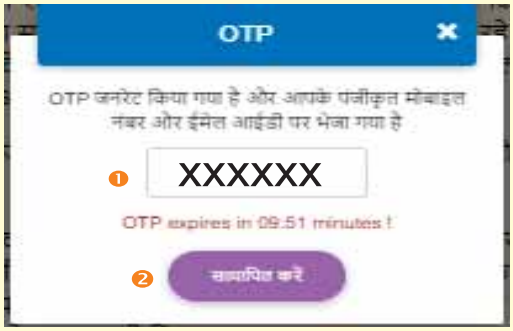


❷ लॉग-इन आईडी नहीं है तो गेस्ट लॉग-इन पर क्लिक करें।

❸ उसमें अपना ई-मेल तथा मोबाइल नंबर दर्ज करें।

❹ सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 5



❶ आपके पंजीकृत मोबाइल एवं ई-मेल पर आए ओटीपी को बॉक्स में दर्ज करें एवं

❷ सत्यापित करें

STEP 6



❶ पेमेंट मोड (कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई, वॉलेट, इंटरनेशनल कार्ड तथा आईपे) एवं

❷ पेमेंट गेट-वे का ऑप्शन पसंद करें

❸ मेक पेमेंट का बटन दबाएं

रेल
प्राप्त करने की सरल प्रक्रिया

STEP 2

1. यदि आप रेलकर्मी हैं तो 'हां' पर या रेलकर्मी नहीं हैं तो 'नहीं' पर क्लिक करें।
2. यदी 'हां' तो बॉक्स में अपना आरयूआईडी/ आईडी/पीपीओ नंबर तथा एक आधिकारिक आईडी की स्कैन कॉपी अपलोड करें।
3. 'भारतीय रेल' पत्रिका के लिए 'हिंदी' को और 'इंडियन रेलवेज' पत्रिका के लिए 'अंग्रेजी' में क्लिक करें।
4. एक, दो या तीन यानि जितने साल की सदस्यता चाहते हैं, उस बिन्दु पर क्लिक करें।



सबमिट (जमा) का बटन दबाएं।

5. नियम व शर्तों पर क्लिक करें तथा उसे ध्यान से पढ़ लें। यदि सहमत हों तो बॉक्स में टिक मार्क करें।

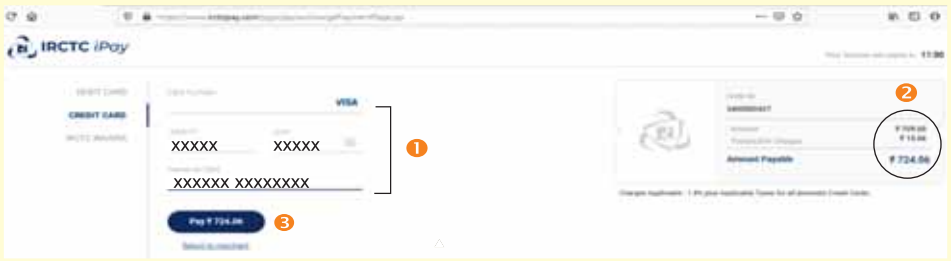
STEP 4

1. अपना पूरा पता पिन कोड के साथ दर्ज करें



2. सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 7



1. पेमेंट मोड की डीटेल भरें
2. पेमेंट एमाउंट की जानकारी देखें।
3. संतुष्ट होने पर ही 'पे' बटन को दबाएं।
- बैंक ओटीपी की प्रक्रिया पूर्ण होने पर पेमेंट सक्सेस फुल का मैसेज स्क्रीन पर दिखाई देगा।

कृपया ध्यान दें

- पेमेंट के समय नियमानुसार ट्रांजेक्शन शुल्क लगते हैं, कृपया पेमेंट करते समय देख लें।
- पेमेंट की प्रक्रिया पूर्ण होने पर आपको सदस्यता संबंधित जानकारी का एस.एम.एस. तथा मेल प्राप्त होगा।
- पेमेंट प्राप्त होते ही निर्धारित माह से आपको पत्रिका प्राप्त होनी शुरू हो जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - 011- 47845378, 47845380 ईमेल: irbrhelp@gmail.com

आरपीएफ कांस्टेबल को 'वर्दी नहीं ये काल है' नागरिक वीरता योद्धा पुरस्कार-2023 से सम्मानित किया

दक्षिण मध्य रेलवे के आरपीएफ कांस्टेबल, कुमारी सरला को 11 मई, 2023 को डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में उनके द्वारा समय पर की गई कार्रवाई के कारण 'वर्दी नहीं ये काल है' नागरिक वीरता योद्धा पुरस्कार, 2023 से सम्मानित किया गया। उन्हे ये पुरस्कार निजामाबाद रेलवे स्टेशन पर रेल यात्रियों को समय रहते बचाए जाने पर दिया गया। उन्हें यह प्रतिष्ठित पुरस्कार भारत के पूर्व माननीय राष्ट्रपति के कर कमलों से प्राप्त हुआ।



आरपीएफ कांस्टेबल कुमारी सरला को नागरिक वीरता योद्धा पुरस्कार–2023 प्रदान करते हुए भारत के पूर्व माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द

728 रेलवे स्टेशनों पर 'एक स्टेशन-एक उत्पाद' बिक्री केन्द्र स्थापित



रेल मंत्रालय ने भारत सरकार के 'वोकल फॉर लोकल' विजन को बढ़ावा देने, स्थानीय स्वदेशी उत्पादों के लिए एक बाजार प्रदान करने तथा समाज के वंचितों वर्गो के लिए अतिरिक्त आय के अवसर जुटाने के उद्देश्य से भारतीय रेल ने 'वन स्टेशन–वन प्रोडक्ट' (ओएसओपी) योजना शुरू की है। इस योजना के तहत, रेलवे स्टेशनों पर ओएसओपी केन्द्रों को स्वदेशी/स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित करने, बेचने और उच्च दृश्यता प्रदान करने के लिए आवंटित किया जाता है। इसकी पायलट योजना 25 मार्च, 2022 को शुरू की गई थी। 'वन स्टेशन–वन प्रोडक्ट' स्थान विशेष के लिए विशिष्ट हैं और इसमें स्वदेशी जनजातियों द्वारा बनाई गई कलाकृतियां, स्थानीय बुनकरों द्वारा हथकरघा, विश्व प्रसिद्ध लकड़ी की नक्काशी जैसे हस्तशिल्प, कपड़े पर चिकनकारी और जरी–जरदोजी का काम या मसाले चाय, कॉफी और अन्य संसाधित/अर्द्ध संसाधित खाद्य पदार्थ/उत्पाद जिनका देश में उत्पादन हुआ है, शामिल हैं। उदाहरण के लिए, पूर्वोत्तर भारत में असमिया पीठा, पारंपरिक राजबंशी पोशाक, झापी, स्थानीय कपड़ा, जूट उत्पाद (टोपी, गमछा, गुड़िया) ओएसओपी स्टालों पर उपलब्ध हैं और जम्मू–कश्मीर क्षेत्र, कश्मीरी गिरदा, कश्मीरी कहवा और सूखे मेवे प्रसिद्ध हैं, दक्षिण भारत में काजू उत्पाद, मसाले, चिन्नालापट्टी हथकरघा साड़ियाँ यात्रियों का ध्यान आकर्षित कर रही हैं, देश के पश्चिमी भाग में कढ़ाई और जरी जरदोजी, नारियल हलवा, स्थानीय रूप से उगाए गए फल, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, बंधनी प्रसिद्ध हैं।

इस योजना के तहत उत्पाद श्रेणियों में निम्नलिखित वस्तुएं शामिल हैं–

- हस्तशिल्प/कलाकृतियाँ
- कपड़ा और हथकरघा
- पारंपरिक वस्त्र
- स्थानीय कृषि उत्पाद (बाजरा सहित)/ प्रसंस्कृत/अर्द्ध प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ।

1 मई, 2023 के अनुसार पूरे देश के 21 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में 785 ओएसओपी केन्द्रों के साथ 728 स्टेशनों को शामिल किया गया है। इन ओएसओपी स्टालों को एकरूपता प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान के माध्यम से डिजाइन किया गया है। मार्च 2022 से 1 मई, 2023 तक संचयी प्रत्यक्ष लाभार्थियों की संख्या 25,109 हो गई है।

निदेशक रेल सिस्टम्स, यूआईसी का आरडीएसओ दौरा



श्री क्रिश्चियन शावानेल, निदेशक रेल सिस्टम्स, इंटरनेशनल यूनियन ऑफ रेलवेज (यूआईसी) ने 5 अप्रैल 2023 को आरडीएसओ का दौरा किया। श्री संजीव भुटानी महानिदेशक, आरडीएसओ ने श्री क्रिश्चियन शावानेल, निदेशक रेल सिस्टम्स (यूआईसी) को भारतीय रेल द्वारा किए जा रहे महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के काम और आरडीएसओ द्वारा वंदे भारत ट्रेनसेट एवं स्वदेशी रूप से विकसित सिग्नलिंग और नियंत्रण प्रणाली (कवच) के विकास में निभाई गई महत्त्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया। इस अवसर पर उन्हें आरडीएसओ की हाल की उपलब्धियों और चल रही परियोजनाओं तथा भारतीय रेल में आरडीएसओ की भूमिका एवं वंदे भारत मेट्रो और सबअर्बन ट्रेनसेट के डिजाइन के लिए चल रहे काम की जानकारी दी गई। इस प्रस्तुति के अलावा उन्नत सिग्नलिंग और कवच के डिजाइन, परीक्षण और कमीशनिंग और आरडीएसओ की अन्य महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई।

पश्चिम रेलवे का 68वां रेलवे सप्ताह पुरस्कार सम्पन्न

दिनांक 17 अप्रैल, 2023 को पश्चिम रेलवे का 68वां रेलवे सप्ताह पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्रा ने उन मंडलों और इकाइयों को 26 दक्षता शील्डें प्रदान कीं, जिन्हें वर्ष 2022-23 के लिए प्रतिष्ठित महाप्रबंधक की समग्र दक्षता शील्ड सहित विभिन्न क्षेत्रों में सबसे कुशल पाया गया। अहमदाबाद और वडोदरा मंडलों ने संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ समग्र प्रदर्शन के लिए वर्ष 2022-23 का महाप्रबंधक की समग्र दक्षता शील्ड प्राप्ति की, जबकि सर्वश्रेष्ठ सुधार शील्ड भावनगर मंडल को प्रदान की गई।



पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक ने 68वें रेलवे सप्ताह समारोह के दौरान दो पुस्तिकाएं, 'ऑलवेज स्टेडी, फ्यूचर रेडी' और 'लाइट, कैमरा, एक्शन' का भी विमोचन किया।

महाप्रबंधक ने पुनर्निर्मित प्रमुख ऑपरेशन थियेटर और आपातकालीन वार्ड का उद्घाटन किया



30 मार्च, 2023 को महाप्रबंधक श्री बासुदेव पांडा ने बनारस लोकोमोटिव वर्क्स के केंद्रीय अस्पताल में पुनर्निर्मित प्रमुख ऑपरेशन थियेटर (ऑपरेशन कक्ष-3) और पुनर्निर्मित आपातकालीन वार्ड का उद्घाटन किया। तीसरा प्रमुख ऑपरेशन कक्ष खुलने से एक दिन में अधिक से अधिक मरीजों का ऑपरेशन हो सकेगा। इसका लाभ बीएलडब्ल्यू के अधिकारियों व कर्मचारियों को मिलेगा। इस दौरान महाप्रबंधक ने केंद्रीय चिकित्सालय के अन्य ऑपरेशन थियेटर, गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू), पुरुष व महिला वार्ड, जच्चा-बच्चा वार्ड, मीनू टंडन वार्ड व विभिन्न केबिन आदि का गहन निरीक्षण किया।

रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला में कालका-शिमला रेलवे के लिए बने अत्याधुनिक नैरो गेज यात्री डिब्बे ट्रायल के लिए तैयार



दिनांक 29 मई, 2023 में रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला द्वारा डिजाइन तथा निर्माण किए गए अत्याधुनिक नैरो गेज यात्री डिब्बों का आज आरसीएफ के महाप्रबंधक, श्री अशेष अग्रवाल द्वारा अनावरण किया गया। इन डिब्बों को कालका–शिमला रूट पर दूसरे चरण के आसीलेशन ट्रायल के लिए भेजा जाएगा।

इस ट्रायल के लिए तैयार किए गए चार डिब्बों में एक एसी एग्जीक्यूटिव चेयर कार, एक एसी चेयर कार, एक नॉन–ए सी चेयर कार और एक लगेज कार शामिल है। ट्रायल के नतीजों के आधार पर इन्हें सात डिब्बों के रेक के तौर पर कालका शिमला रूट में यात्रियों के लिए चलाया जाएगा। इस परियोजना के आरंभिक दौर में आरसीएफ को कई महत्त्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा क्योंकि वर्तमान में चल रहे कोचों के डिजाइन वर्ष 1908 के आसपास विकसित किए गए थे। आर सी एफ की डिजाइन टीम ने कालका वर्कशॉप में उपलब्ध पुराने ब्लूप्रिंट और स्केच का उपयोग करके 3–डी मॉडल बनाए। इन मॉडलों को बोगियों के संशोधन और सभी नए शेल सुपरस्ट्रक्चर और फर्निशिंग डिजाइन के विकास के लिए इस्तेमाल किया गया। रेलवे बोर्ड द्वारा इन कोचों के डिजाइन को मंजूरी दिए जाने के बाद सितंबर 2022 में दो प्रोटोटाइप शेल बनाए गए, जिन्हें आर डी एस ओ, लखनऊ द्वारा अक्टूबर 2022 में आर सी एफ में स्टैटिक स्ट्रेस टेस्टिंग से गुजारा गया।

दिसंबर 2022 में इन कोच शैल को कालका वर्कशॉप में तैयार बोगियों से लगा कर शैल की स्थिरता और राइडिंग गुणवत्ता निर्धारित करने के लिए आसीलेशन ट्रायल किया गया। इन कोच शैलों का सफलतापूर्वक परीक्षण करने के बाद आर सी एफ ने चारों तरह का एक–एक पूर्णतः फर्निश डिब्बा तैयार किया हैं। आरसीएफ द्वारा इस वित्तीय वर्ष में इस तरह के 30 अत्याधुनिक नैरो गेज पैनोरमिक डिब्बों का निर्माण किया जाना है, जिसमें 12 सीटों वाली चार एसी एक्जीक्यूटिव चेयर कार, 24 सीटों वाली 8 एसी चेयर कार, 30 सीटों वाली 13 नॉन एसी चेयर कार और 5 पॉवर/सामान/गार्ड कोच शामिल हैं।

ये कोच उन्नत ब्रेक सिस्टम के साथ उन्नत बोगियों और हल्के वजन के शैल सहित अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। इन कोचों में बड़े आकार वाली पैनोरमिक खिड़कियां हैं, ताकि यात्री पहाड़ों और घाटियों की सुंदरता का अनुभव कर सकें। ये कोच आधुनिक सुरक्षा सुविधाओं जैसे सीसीटीवी कैमरे, फायर अलार्म सिस्टम, एंटी–अल्ट्रा वायलेट कोटेड विंडो ग्लास, पॉवर विंडो, हीटिंग/कूलिंग एसी पैकेज, लीनियर पंखे और लीनियर एलईडी लाइट से लैस हैं। इन सुविधाओं के अलावा इन डिब्बों में फ्लिप बैक वाले मॉड्यूलर सीट, एग्जीक्यूटिव क्लास के लिए लग्जरी सीटों के साथ रेस्टोरेंट टाइप सीटिंग, ऑनबोर्ड मिनी पेंट्री, लगेज बिन, इंटर–कार गैंगवे (वेस्टिबुल) जैसी कई विशेषताएँ हैं।

इन अत्याधुनिक नैरो गेज पैनोरमिक डिब्बों के प्रत्येक रेक में 1 एसी एक्जीक्यूटिव चेयर कार, 2 एसी चेयर कार, 3 नॉन एसी चेयर कार और 1 लगेज कार सहित सात कोच होंगे।



गुवाहाटी रेलवे स्टेशन को 'ईट राइट स्टेशन' का प्रमाण-पत्र मिला

पू. सी. रेल के गुवाहाटी रेलवे स्टेशन को यात्रियों को उच्च-गुणवत्ता वाला पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए एफएसएसएआई (भारतीय खाद्य संरक्षा और मानक प्राधिकरण) द्वारा 'ईट राइट स्टेशन' प्रमाणन से सम्मानित किया गया है। यह स्टेशन एफएसएसएआई द्वारा स्थापित दिशा-निर्देशों को पूरा करने में सक्षम रहा है और यह दर्जा पाने वाला पू. सी. रेल का पहला रेलवे स्टेशन बन गया है। यह प्रमाणन 2 जून, 2023 से 2 जून, 2025 की अवधि के लिए प्रदान किया गया है। इसके अलावा, यात्रियों को सुरक्षित और स्वच्छ भोजन सुनिश्चित करने के अपने प्रयास में, पू. सी. रेल द्वारा भविष्य में एफएसएसएआई द्वारा 'इट राइट स्टेशन' के रूप में अर्हता प्राप्त करने के लिए रंगिया, लामडिंग, तिनसुकिया, अलीपुरद्वार जंक्शन और कटिहार जैसे कई स्टेशनों को शामिल करने की योजना बनायी गयी है, जिसके लिए आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि मानक खाद्य भंडारण और स्वच्छता विधियों का पालन करने वाले रेलवे स्टेशनों को एफएसएसएआई द्वारा 'ईट राइट स्टेशन' प्रमाणन प्रदान किया जाता है। यह प्रमाणन एफएसएसएआई द्वारा उन रेलवे स्टेशनों को प्रदान किया जाता है, जो यात्रियों को सुरक्षित और पौष्टिक भोजन प्रदान करने में मानक स्थापित करते हैं। स्टेशन को एफएसएसएआई द्वारा सूचीबद्ध तृतीय-पक्ष ऑडिट एजेंसी के निष्कर्ष पर एक प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जाता है। यह प्रमाणन 'ईट राइट इंडिया' अभियान का हिस्सा और एफएसएसएआई द्वारा सभी भारतीयों के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और निरंतर भोजन सुनिश्चित करने के लिए देश की खाद्य प्रणाली को बदलने के लिए एक बड़े पैमाने पर प्रयास है।

सियालदह मेट्रो स्टेशन पर पिक अप एंड ड्रॉप ऑफ सुविधा का उद्घाटन

मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक श्री पी. उदय कुमार रेड्डी ने सियालदह मेट्रो स्टेशन पर 'पिक अप और ड्रॉप ऑफ' (पीयूडीओ) पार्सल सुविधा का उद्घाटन किया। भारतीय रेल में अपनी तरह की यह पहली सुविधा है जिससे आम लोगों और विशेष रूप से मेट्रो यात्रियों को दुनिया के किसी भी कोने में अपने पार्सल आसानी से भेजने और ईस्ट-वेस्ट मेट्रो (ग्रीन लाइन) की सेवा अवधि के दौरान इस स्टेशन से अपने पार्सल प्राप्त करने की सुविधा प्राप्त होगी। इस उद्घाटन समारोह में श्री शुभाशिष चक्रवर्ती, मुख्य प्रबंध निदेशक (सीएमडी),



मैसर्स डीटीडीसी लिमिटेड उपस्थित थे। यह PUDO सुविधा संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया के मेट्रो स्टेशनों पर बहुत आम और लोकप्रिय है। यह सियालदह मेट्रो स्टेशन पर उपलब्ध एक अतिरिक्त सुविधा होगी।

उत्तम साहित्य सृजन हेतु रेलकर्मी सम्मानित



राजभाषा की उत्कृष्ट सेवाओं तथा उच्च कोटि के साहित्य सृजन हेतु भारतीय रेल द्वारा अपने ऐसे विलक्षण एवं गुणवान रेलकर्मियों को प्रेरित करने हेतु अनेक प्रकार के पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान करने का प्रावधान किया गया है एवं मंडल, मुख्यालय एवं रेलवे बोर्ड स्तर पर अनेक रेलकर्मियों को समय-समय पर इस व्यवस्था के तहत सम्मानित किया जाता है। इसी क्रम में उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल के अंतर्गत आने वाले वाराणसी जं. (कैंट) स्टेशन पर कार्यरत कर्मचारी, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक, श्री राकेश कुमार रोशन को उनके द्वारा लिखित पुस्तक 'कोलाहल में बुद्ध' हेतु रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली स्तर पर प्रदान किए जाने वाले 'मैथिलीशरण गुप्त पुरस्कार' योजना के अंतर्गत द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस पुरस्कार के तहत विजेता को प्रशस्ति-पत्र एवं नकद धनराशि प्रदान किया जाता है।

रेलों के अंचल से

पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर हेरिटेज लॉन पुनर्स्थापित

पश्चिम रेलवे ने हेरिटेज स्टीम लोकोमोटिव 'लिटिल रेड हॉर्स' के साथ मुंबई सेंट्रल में हेरिटेज लॉन का पुनर्विकास किया है। इस गार्डन का उद्घाटन पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती क्षमा मिश्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र, मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री नीरज वर्मा तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। स्टीम लोकोमोटिव 'लिटिल रेड हॉर्स' तत्कालीन बीबी एंड सीआई रेलवे का गौरव था। 1929 में बने इस लोकोमोटिव को डभोई-मियागाम लाइन के बीच परिचालित किया जाता था, जिसे एशिया में सबसे पुरानी नैरो गेज लाइन माना जाता है और इसका अनुरक्षण प्रतापनगर कारखाने में किया जाता था। 61 वर्ष की सेवा के बाद इसे सेवामुक्त कर मुंबई सेंट्रल स्टेशन के प्लेटिनम जुबली वर्ष के अवसर पर वर्ष 1991 में मुंबई सेंट्रल स्टेशन परिसर में रखा गया।



आरेडिका ने बनाई पहली भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन

भारत गौरव ट्रेन माननीय प्रधानमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट है, जिसे साकार करने के लिए आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली भारत गौरव ट्रेन की पाँच रैकों का निर्माण कर रहा है, जिसमें प्रत्येक रैक में 14-14 कोच होंगे। इसकी पहली रैक को पूर्वोत्तर रेलवे को 3 अप्रैल को सुपुर्द किया गया तथा 5 अप्रैल को लखनऊ से गुरु कृपा यात्रा ट्रेन के रूप में हरी झण्डी दिखा कर रवाना किया। इन ट्रेनों में यात्रा को सरल, सफल और आरामदायक बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के यातायात सुरक्षा एवं संरक्षा संबंधी अनेक उपकरण लगाए गए हैं, जैसे-स्लीपर में भी सीसीटीवी कैमरे, पैसेन्जर अर्लट सिस्टम, विशेष



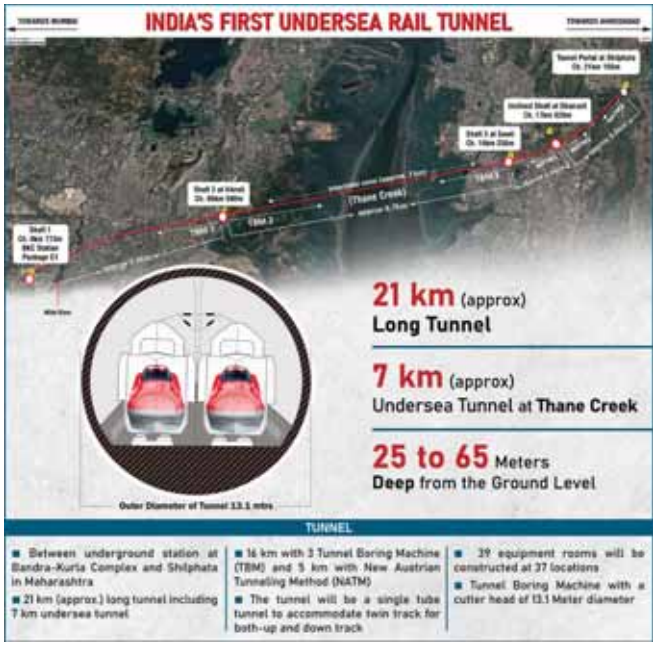
स्नैक्स टेबल, नहाने के लिए शॉवर, विशेष विद्युत एप्लीकेशन वाले किचेन उपकरण, प्रार्थना करने के लिए प्रार्थना कक्ष, प्रत्येक कोच में तीन पाश्चात्य शैली के और एक भारतीय शैली का शौचालय लगाया गया है। भारत गौरव ट्रेन के कोचों की बाहरी सतहों को विनायाल कोटिंग पर भारतीय संस्कृति को दर्शाते हुए भारत की वास्तुकलाओं, स्मारकों, नृत्यकलाओं, युद्ध-विधाओं, जीव-जन्तुओं, योग एवं लोकल कलाओं का चित्रण किया गया है। इन ट्रेनों के संचालन से 'देखो अपना देश' या 'अतुल्य भारत' जैसी मुहिम को बढ़ावा मिलेगा।

रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला में आयोजित विश्व विरासत दिवस



दिनांक 28 अप्रैल, 2023 को रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला में 'विश्व विरासत दिवस -2023' के अंतर्गत विभिन्न प्रोग्राम आयोजित किए गए। दिवस का मुख्य कार्यक्रम विरासत के ऊपर एक सेमिनार रहा, जिसमें आरसीएफ के महाप्रबंधक श्री अशेष अग्रवाल सहित सभी वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इसमें आरसीएफ में विरासत की संरक्षा और रखरखाव को लेकर एक विशेष प्रस्तुति पेश की गई और उस पर गहन चर्चा हुई। इस अवसर पर आरसीएफ में विरासत की संभाल को दर्शाता ब्रोशर श्री अशेष अग्रवाल द्वारा रिलीज किया गया। बाद में महाप्रबंधक श्री अशेष अग्रवाल ने अन्य अधिकारियों के साथ आरसीएफ में स्थापित रेलवे हेरिटेज पार्क का दौरा किया, जहाँ पर विभिन्न रेलवे से लाए गए स्पेशल नैरो गेज और नैरो गेज के 100 साल से भी अधिक पुराने इंजन और रेल डिब्बे रखे गए हैं। इसके अलावा पार्क में आरसीएफ में निर्मित विभिन्न ब्रॉडगेज डिब्बों के मार्कअप भी प्रदर्शित किए गए हैं। पार्क में 1985 से आरसीएफ के इतिहास को दर्शाती एक हेरिटेज वॉल भी स्थापित की गई है, जिसमें चित्रों के माध्यम से आरसीएफ का इतिहास दर्शाया गया है।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने भारत की पहली 7 किमी लंबी समुद्री रेल सुरंग सहित 21 किमी लंबी सुरंग के निर्माण के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए



नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) ने मुंबई–अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए महाराष्ट्र में 21 किमी लंबी सुरंग, जिसमें भारत की पहली 7 किमी लंबी अंडरसी रेल टनल सहित, सुरंग के निर्माण के लिए 8 जून, 2023 को मैसर्स एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (M/s Afcons Infrastructure Limited) के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए।

इस टेंडर की तकनीकी बोलियां 9 फरवरी, 2023 को और वित्तीय बोलियां 6 अप्रैल, 2023 को खोली गई थीं।

इस अवसर पर श्री राजेंद्र प्रसाद, प्रबंध निदेशक/एनएचएसआरसीएल ने कहा, ''21 किमी की सुरंग का निर्माण मुंबई–अहमदाबाद एचएसआर कॉरिडोर के सबसे चुनौतीपूर्ण अनुबंधों में से एक है, जिसमें ठाणे क्रीक पर 7 किमी की समुद्री रेल सुरंग के तहत देश के प हले जुड़वां (twin) ट्रैक का निर्माण शामिल है। इस टनल के निर्माण में तीन टनल बोरिंग मशीन और न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड का इस्तेमाल किया जाएगा''

मुख्य विशेषताएँ

सुरंग महाराष्ट्र में बांद्रा–कुर्ला कॉम्प्लेक्स भूमिगत स्टेशन और शिलफाटा के बीच होगी।

ठाणे क्रीक (इंटरडिडल जोन) में समुद्र के नीचे 7 किमी (लगभग) सुरंग देश में बनने वाली पहली समुद्र सुरंग होगी।

सुरंग एक एकल ट्यूब सुरंग होगी जो अप और डाउन ट्रैक, दोनों के लिए ट्विन ट्रैक को समायोजित करेगी। पैकेज के हिस्से के रूप में सुरंग के आसपास 37 स्थानों पर 39 उपकरण कमरों का भी निर्माण किया जाएगा।

इस सुरंग के निर्माण के लिए 13.1 मीटर व्यास के कटर हेड वाले टीबीएम का इस्तेमाल किया जाएगा। आमतौर पर एमआरटीएस–मेट्रो प्रणाली में उपयोग की जाने वाली शहरी सुरंगों के लिए 5–6 मीटर व्यास कटर हेड का उपयोग किया जाता है।

सुरंग के लगभग 16 किमी हिस्से को बनाने के लिए तीन टनल बोरिंग मशीनों का उपयोग किया जाएगा और शेष 5 किमी न्यू ऑस्ट्रियाई टनलिंग विधि (एनएटीएम) के माध्यम से किया जाएगा।

यह सुरंग जमीनी स्तर से लगभग 25 से 65 मीटर गहरी होगी।

बीकेसी (पैकेज सी 1 के तहत), विक्रोली और सावली में क्रमशः 36, 56 और 39 मीटर गहराई की अनुमानित गहराई पर तीन शाफ्ट निर्माण की सुविधा प्रदान करेंगे। घनसोली में 42 मीटर का इंक्लिनेड शाफ्ट (Inclined Shaft) और शिल्फाटा में टनल पोर्टल एनएटीएम टनलिंग विधि (NATM) के माध्यम से लगभग 5 किमी सुरंग के निर्माण की सुविधा प्रदान करेंगे।

महाराष्ट्र में निविदा स्थिति

मुंबई एचएसआर स्टेशन [एमएएचएसआर पैकेज सी–1]–अनुबंध समझौते पर 20 मार्च, 2023 को हस्ताक्षर किए गए थे।

मुंबई एचएसआर स्टेशन और शिलफाटा के बीच दोहरी लाइन के लिए सुरंग का निर्माण (लगभग 21 किमी) [एमएएचएसआर पैकेज सी–2]–अनुबंध समझौते पर आज हस्ताक्षर किए गए

शिलफाटा और जरोली गाँव के बीच गुजरात–महाराष्ट्र सीमा (135 किमी) पर सिविल और बिल्डिंग निर्माण सहित 3 स्टेशन अर्थात् ठाणे, विरार और बोईसर [एमएएचएसआर पैकेज सी–3]–तकनीकी बोलियां 12 अप्रैल, 2023 को खोली गईं।



रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला में अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव-2022 सम्पन्न



नाटक 'सूत पुत्र' का दृश्य



नाटक 'आयुष्मान' का दृश्य

राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के तत्वावधान में अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव-2022 का आयोजन रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला में दिनांक 11 से 14 मार्च, 2023 तक किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रीय रेलों तथा उत्पादन इकाइयों आदि के कुल 22 नाट्यदलों ने भाग लिया।

नाटकों का मंचन रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला के वारिस शाह हॉल किया गया। नाटकों के मंचन का शुभारंभ रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला के महाप्रबंधक श्री अशेष अग्रवाल जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर रेल डिब्बा कारखाना महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सुरभि अग्रवाल, मुख्य डिजाइन इंजीनियर एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री अखिलेश मिश्र, कारखाने के अन्य उच्चाधिकारी, निदेशक (राजभाषा), रेलवे बोर्ड डॉ. बरुण कुमार एवं निर्णायकगण भी मौजूद रहे।

नाट्योत्सव के प्रथम दिन दिनांक 11 मार्च, 2023 को कुल 5 नाटकों का मंचन किया गया जिनमें पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा 'डर', पूर्व तट रेलवे द्वारा 'गुलाबी मटर', पश्चिम रेलवे द्वारा 'कमाल चौकड़ी', रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला द्वारा 'बिच्छू' और मेट्रो रेलवे द्वारा 'दयाशंकर की डायरी' की प्रस्तुतियां दी गईं।

दिनांक 12 मार्च, 2023 को उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा 'खुदीराम बोस', चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना, चित्तरंजन द्वारा 'मातंगिनी', बनारस रेल इंजन कारखाना, बनारस द्वारा 'सूत पुत्र', मध्य रेलवे द्वारा 'आयुष्मान', सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै द्वारा 'द फर्स्ट गोल', दक्षिण पश्चिम रेलवे द्वारा 'विवेक की मधुर वाणी', दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा 'पिपीलिका- (एक चींटी की जीत'), दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा 'अपने-पराए' तथा पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा 'आधी हकीकत आधा फसाना' जैसे 9 नाटकों का मंचन किया गया।

दिनांक 13 मार्च, 2023 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा 'हम क्यों नहीं गाते', उत्तर रेलवे द्वारा 'आजाद लहू', दक्षिण रेलवे द्वारा 'प्रेमी चोर', रेलवे बोर्ड द्वारा 'एक था गधा', पूर्व रेलवे द्वारा 'अन्तर्दहन', पटियाला रेल इंजन कारखाना द्वारा 'पूस की रात', पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा 'शिजोफ्रेनिया' तथा उत्तर





संयुक्त रूप से प्रथम पुरस्कार के विजेता नाटकों ('आयुष्मान' एवं 'सूत-पुत्र') के कलाकार



नाटक 'सूत पुत्र' का दृश्य



नाटक 'आधी हकीकत आधा फसाना' का दृश्य

मध्य रेलवे द्वारा 'तोते का पिंजरा' जैसे कुल 8 नाटकों का शानदार मंचन किया गया, जिसका दर्शकों ने भरपूर आनंद उठाया। नाट्योत्सव के तीनों दिन महाप्रबंधक ने उपस्थित रह कर कलाकारों का हौसला बढ़ाया।

नाट्योत्सव का समापन श्री अग्रवाल की अध्यक्षता में दिनांक 14 मार्च, 2023 को पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर रेल डिब्बा कारखाना महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सुरभि अग्रवाल, मुख्य डिजाइन इंजीनियर एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री अखिलेश मिश्र, कार्यपालक निदेशक स्था. (सामान्य), रेलवे बोर्ड श्री सुधीर कुमार, निदेशक, राजभाषा डॉ. बरुण कुमार एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। नाट्योत्सव में निर्णायकों की अहम भूमिका श्री राजेंद्र सिंह, श्री नीरज कौशिक, तथा श्रीमती अमीता शर्मा ने निभाई।

बनारस रेल इंजन कारखाना, बनारस द्वारा प्रस्तुत नाटक 'सूत पुत्र', तथा मध्य रेलवे, मुम्बई द्वारा प्रस्तुत नाटक 'आयुष्मान', को संयुक्त रूप से प्रथम पुरस्कार से दिया गया। विजयवाड़ा मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे के नाटक 'पिपीलिका-(एक चींटी की जीत')' को द्वितीय तथा पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के नाटक 'डर' को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। 'आयुष्मान' नाटक के निर्देशक श्री विशाल शिंदे को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार दिया गयाए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार 'आयुष्मान' नाटक में 'आयुष्मान' की भूमिका निभाने वाले श्री जितेंद्र अगरकर और 'सूत पुत्र' में 'कर्ण' की भूमिका निभाने वाले श्री नीरज उपाध्याय को संयुक्त रूप से दिया गया।

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार भी संयुक्त रूप से श्रीमती मीरा सिकदार और सुश्री दीपा सिंह को दिया गया। इसके अलावा, सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेता, सह-अभिनेत्री, सर्वश्रेष्ठ संगीत, ध्वनि, मंच सज्जा, प्रकाश, वेशभूषा, रूप सज्जा, उच्चारण, स्क्रिप्ट, सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार, विशिष्ट अभिनय आदि के लिए भी पुरस्कार प्रदान किए गए।

आप सबका भारतीय रेल के साथ अटूट रिश्ता है

भारतीय रेल के साथ आप अपने संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, गीत, लेख आदि हिन्दी में हमें भेज सकते हैं। पसंद आने पर रचनाओं को हम रेल मंत्रालय की आधिकारिक मासिक पत्रिका

भारतीय रेल

में प्रकाशित करेंगे

ई-मेल editorbhartiyarailrb@gmail.com

चयनित सामग्री/लेख की जानकारी ई-मेल द्वारा दी जाएगी,
प्रकाशित रचनाओं के लिए रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानदेय भी दिया जाएगा

भारतीय रेल में मनाया गया
डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का 132वाँ जन्म दिवस

भारतरत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर का 132वाँ जन्म दिवस भारतीय रेल में समारोहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर संविधान निर्माण में उनके उल्लेखनीय योगदान के साथ-साथ समाज के समस्त वर्गों को समान अधिकार दिलाने के लिए चलाए गए उनके आंदोलनों को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। यहां विभिन्न क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों में आयोजित समारोहों की झलकियां प्रस्तुत की जा रही हैं:

दक्षिण पश्चिम रेलवे



दिनांक 14 अप्रैल, 2023 को रेल भवन में भारतरत्न बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 132वीं जयंती मनाई गई। श्री नवीन गुलाटी, सदस्य (टी एंड आरएस) ने श्री अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री रूप नारायण सुनकर, सदस्य (अवसंरचना) और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

दक्षिण मध्य रेलवे

दिनांक 17 अप्रैल, 2023 को भारतरत्न, बाबा साहेब डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की 132वीं जयंती मनाई गई। श्री अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक/दमरे इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। श्री आर धनंजयलु, एजीएम और श्री राजीव किशोर, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सम्मानित अतिथि थे। इस समारोह में विभागों के प्रमुख, अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारी सदस्यगणों, मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियनों के वरिष्ठ नेताओं ने भी भाग लिया।



दक्षिण रेलवे



दक्षिण रेलवे ने भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 132वीं जयंती मनाई। 17 अप्रैल, 2023 को दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक श्री आर.एन.सिंह ने डॉ. अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया और पुष्पांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों और मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियनों/एसोसिएशनों के सदस्यों ने भाग लिया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

दिनांक 17 अप्रैल, 2023 को भारतरत्न डॉ. बी. आर. अम्बेडकर जयंती रेल सौधा, दक्षिण पश्चिम रेलवे के प्रधान कार्यालय, हुब्बल्लि में भारतरत्न डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की 132वीं जयंती मनाई गई। श्री संजीव किशोर महाप्रबंधक/दक्षिण पश्चिम रेलवे ने बाबा साहेब के फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित की और सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर श्री संजीव किशोर ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर महान नेता थे। उन्होंने न केवल समाज का उत्थान किया बल्कि अपनी दृष्टि और कड़ी मेहनत से हमारे देश को अन्य राष्ट्रों के बीच अग्रणी स्थान पर पहुँचाया।



दक्षिण पूर्व रेलवे



दक्षिण पूर्व रेलवे मुख्यालय, गार्डनरीच में भारतरत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 132वीं जयंती मनाई गई। सुश्री अर्चना जोशी, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया और इस महान दूरदर्शी को श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह के दौरान श्री अतुल्य सिन्हा, अपर महाप्रबंधक, डॉ. महुआ वर्मा, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, अन्य प्रमुख विभागों के प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी डॉ. बी.आर. अम्बेडकर, भारतीय संविधान के जनक को श्रद्धांजलि अर्पित की। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और विभिन्न संघों के अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रतिनिधियों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई।

पश्चिम मध्य रेल

पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक कार्यालय के प्रागंण में दिनांक 17 अप्रैल, 2022 को पमरे महाप्रबंधक की अध्यक्षता में भारतरत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर का 132 वां जन्म दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सबसे पहले पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक श्री सुधीर कुमार गुप्ता ने बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया एवं दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित की। तत्पश्चात् अपर महाप्रबंधक श्री रवि शंकर सक्सेना सहित अन्य उच्च अधिकारी एवं कर्मचारियों ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की



उत्तर मध्य रेलवे

उत्तर मध्य रेलवे, मुख्यालय के अरावली सभाकक्ष में भारतरत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर का 132वॉ जन्मदिवस मनाया गया। इस अवसर पर श्री सतीश कुमार, महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज ने सर्वप्रथम बाबा डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात् श्री चंद्र प्रकाश गुप्ता, अपर महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे, श्री अजय कुमार श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी/उत्तर मध्य रेलवे एवं अखिल भारतीय अनुसूचित जाति/जन जाति के जोनल अध्यक्ष श्री किशन स्वरूप सहित उपस्थित सभी विभागाध्यक्ष, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।



आरडीएसओ



अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन में दिनांक 17 अप्रैल, 2023 को देश के महापुरुष, भारतरत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर के 132वें जन्म दिवस (14 अप्रैल) समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आरडीएसओ के महानिदेशक, श्री संजीव भुटानी एवं अन्य उपस्थित अधिकारीयों ने डॉ. आंबेडकर के चित्र परमाल्यार्पण कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

रेल पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोए

रेल मंत्रालय द्वारा विगत 60 वर्षों से भी अधिक समय से प्रकाशित मासिक पत्रिकाओं



भारतीय रेल
(हिन्दी)

की सदस्यता अब
ऑनलाइन
भी उपलब्ध

विज़िट करें

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home



Indian Railways
(English)

दरें एवं शर्तें लागू

26वीं नेशनल फेडरेशन कप सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

26वीं नेशनल फेडरेशन कप सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन रांची, झारखंड में दिनांक 15 से 18 मई, 2023 तक किया गया था। इस प्रतियोगिता में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के दो खिलाड़ियों कुमारी पूजा ने 1,500 मीटर रेस में तृतीय स्थानएवं 400 मीटर दौड़ में कुमारी फ्लोरेंस बारला ने भी तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 5 खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें, इस प्रतियोगिता एवं पूर्व की उपलब्धियों के अनुरूप कुमारी फ्लोरेंस बारला का आगामी एशियन चैंपियनशिप जो जुलाई में थाईलैंड, बैंकॉक में होना सुनिश्चित है और एशियन गेम्स जो अगस्त माह में चीन में होना सुनिश्चित है उसमें भारतीय दल के संभावित प्रतिभागी सूची में चयन हुआ है।





महाप्रबंधक उत्तर रेलवे ने 36वीं एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप के पदक विजेताओं को किया सम्मानित



उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री शोभन चौधुरी ने 36वीं एशियन कुश्ती चैंपियनशिप के पदक विजेताओं को दिनांक 18 अप्रैल, 2023 को उत्तर रेलवे प्रधान कार्यालय, बड़ौदा हाउस, नई दिल्ली में सम्मानित किया। अस्ताना, कजाकिस्तान में आयोजित 36वीं एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में-अमन सेहरावत (57 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक विजेता), विकास (72 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक विजेता) और कोच श्री परवेश मान, को सम्मानित किया। इस अवसर पर पीसीई, श्री एस के पांडे, सचिव एनआरएसए, कौस्तुम्भ मणि, ओएसडी स्पोर्ट्स सुश्री साक्षी मलिक भी उपस्थित थीं।

आरेडिका का हॉकी स्टेडियम बना रानीज गर्ल्स हॉकी टर्फ

80वें अखिल भारतीय रेल हॉकी मेन्स चैंपियनशिप 2023 के आयोजन के अवसर पर आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में बने हॉकी स्टेडियम का नाम टोक्यो ओलम्पिक 2020 के सेमीफाइनल में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की सभी महिला खिलाड़ियों को समर्पित किया गया और महिला प्रेरणा के लिए किए गए योगदान को सम्मान देने के लिए उनके नाम पर रानीज गर्ल्स हॉकी टर्फ रखा गया। इस हॉकी स्टेडियम को अन्तरराष्ट्रीय हॉकी फेडरेशन एफआईएच द्वारा मार्च 2021 में मान्यता प्रदान की गई। इसका निर्माण 2019 में किया गया।



रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला में आयोजित ऑल इंडिया रेलवे पुरुष हॉकी चैंपियनशिप का समापन

दिनांक 31 मार्च, 2023 को रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला के सिंथेटिक टर्फ हॉकी स्टेडियम में 80वीं ऑल इंडिया रेलवे पुरुष हॉकी चैंपियनशिप समाप्त हो गई। फाइनल में ईस्ट कोस्ट रेलवे भुवनेश्वर की टीम ने आरसीएफ कपूरथला को 2-1 से हराया। इससे पहले साउथ सेंट्रल रेलवे, सिकन्द्राबाद ने सेंट्रल रेलवे, मुंबई को 5-1 से हराकर कांस्य पदक हासिल किया। आरसीएफ में इस चैंपियनशिप की नॉकआउट स्टेज खेली गई और इसमें समस्त रेलवे से 8 टीमों ने भाग लिया। अमित रोहिदास व अन्य कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने इस चैंपियनशिप में अपने



खेल जौहर दिखाए। चैंपियनशिप में मेजबान रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला सहित ईस्ट कोस्ट रेलवे भुवनेश्वर, साउथ वेस्टर्न रेलवे हुबली, इंटीग्रल कोच फैक्ट्री चेन्नई, साउथ सेंट्रल रेलवे सिकंदराबाद, वेस्टर्न रेलवे मुंबई, साउथ ईस्टर्न रेलवे कोलकाता और सेंट्रल रेलवे मुंबई की टीमों ने भाग लिया। मैच की समाप्ति पर पुरस्कार वितरण समारोह हुआ, जिसकी अध्यक्षता आरसीएफ के महाप्रबंधक श्री अशेष अग्रवाल ने की।

अमन सहरावत ने जीता एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप का पहला स्वर्ण पदक



उत्तर रेलवे के अमन सहरावत ने अस्ताना, कजाकिस्तान में आयोजित एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता। 36वीं एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप का आयोजन 9 से 14 अप्रैल, 2023 तक अस्ताना, कजाकिस्तान में किया जा रहा है।

अमन ने फाइनल में किर्गिस्तान के अल्माज स्मानबेकोव को हराकर 57 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। अमन ने इससे पहले इसी साल फरवरी में जगरेब ओपन में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने पिछले साल अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप भी जीती थी। अमन के कुश्ती कौशल को रेलवे के कुश्ती प्रशिक्षकों ने देखा और उन्हें उत्तर रेलवे द्वारा वर्ष 2022-23 में भर्ती किया गया।

कबड्डी टीम के 2 खिलाड़ियों का चयन

पूर्वोत्तर रेलवे कबड्डी टीम के 2 खिलाड़ियों, श्री सुनील एवं श्री प्रवेश का चयन 25 जून से 1 जुलाई, 2023 तक बुसान (कोरिया) में होने वाली सीनियर एशियन कबड्डी चैंपियनशिप हेतु भारतीय कबड्डी टीम के लिए किया गया है और ये खिलाड़ी बुसान में अपने शानदार प्रदर्शन को लेकर बेहद उत्साहित हैं। श्री सुनील एवं श्री प्रवेश का चयन भारतीय कबड्डी टीम में होने पर पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) के अध्यक्ष श्री योगेश मोहन, महासचिव श्री पंकज कुमार सिंह, कबड्डी/सचिव श्री ओंकार सिंह, सहायक क्रीड़ा अधिकारी श्री चन्द्र विजय सिंह एवं कबड्डी टीम के कोच श्री अरविन्द कुमार पाण्डेय ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं।



16वें एशियन क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप 2023 में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर की महिला खिलाड़ी मुन्नी देवी के प्रतिनिधित्व में भारतीय महिला टीम ने जीता स्वर्ण पदक

16वें एशियन क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप 2023 का आयोजन काठमांडू, नेपाल में मार्च, 2023 महीने में किया गया था। इस प्रतियोगिता में भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान जीतकर स्वर्ण पदक हासिल किया। भारतीय क्रॉस कंट्री की विजेता टीम में भारतीय रेल के कुल 3 महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की महिला खिलाड़ी मुन्नी देवी, दक्षिण मध्य रेलवे की सोनिका तथा उत्तर मध्य रेलवे की छवि यादव शामिल थी। इस प्रतियोगिता में भारतीय रेल की इन महिला खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से भारतीय महिला टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक हासिल किया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गठन के पश्चात् यह पहला अवसर है जब इस रेलवे के किसी महिला खिलाड़ी ने एशियन क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में भारतीय महिला टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए में स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की महिला क्रॉस कंट्री खिलाड़ी मुन्नी देवी बिलासपुर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग बिलासपुर में कामर्शियल क्लर्क कम टिकट कलक्टर के पद कार्यरत हैं।



74वां स्ट्रैंडजा मेमोरियल अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग टूर्नामेंट 2023 में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर की बॉक्सिंग खिलाड़ी एस. कलाईवानी ने कांस्य पदक जीता



दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर की बॉक्सिंग खिलाड़ी एस. कलाईवानी ने फिर अपने देश का परचम पूरे विश्व में लहराया है। दिनांक 20 से 26 फरवरी, 2023 तक सोफिया, बुल्गारिया में आयोजित 74वां स्ट्रैंडजा मेमोरियल अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग टूर्नामेंट 2023 में भारत देश का प्रतिनिधित्व करते हुए एस. कलाईवानी ने कांस्य पदक हासिल किया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की महिला बॉक्सिंग खिलाड़ी एस. कलाईवानी ने 48 कि.ग्रा. वर्ग केअपने प्रथम मैच में फिलीपींस के अपने प्रतिद्वंदी को 5.0 अंक से हराया। दूसरे मैच में अपने प्रतिद्वंदी अर्जेंटीना की फ्लोरेंसिया लोपेज को 4-1 से मात देकर सेमी फायनल में प्रवेश की। सेमी फायनल मैच में उज्बेकिस्तान की अपने प्रतिद्वंदी से मात खाकर भारत के लिए कांस्य पदक हासिल किया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की महिला बॉक्सिंग खिलाड़ी एस. कलाईवानी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय, बिलासपुर के अकाउंट विभाग में अकाउंट क्लर्क के पद पर कार्यरत हैं। इससे पहले भी एस. कलाईवानी कई बार राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के बॉक्सिंग प्रतियोगिताओं में देश एवं भारतीय रेल का परचम लहरा चुकी हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा हमेशा से खेल एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दिया जाता रहा है। इसी का परिणाम है कि आज विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के खिलाड़ी देश एवं भारतीय रेल के साथ ही साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का भी नाम रौशन कर रहे है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की महिला बॉक्सिंग खिलाड़ी एस. कलाईवानी को अंतराष्ट्रीय स्तर की बॉक्सिंग प्रतियोगिता में उनके शानदार प्रदर्शन एवं उपलब्धि पर महाप्रबंधक द्वारा बधाई दी गई है तथा भविष्य में और भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया गया।

प्रगति रिपोर्ट

भानुपाली-बिलासपुर-बेरी नई ब्रॉड-गेज रेलवे लाइन (पंजाब और हिमाचल प्रदेश)

लंबाई : **63.1** किमी
अनुमानित लागत : ₹**6753.42** करोड़

फायदे

- बिलासपुर के खनिज समृद्ध क्षेत्रों को रेलवे नेटवर्क से जोड़ना
- पंजाब और हिमाचल प्रदेश में क्षेत्रों का क्षेत्रीय विकास







3 मई, 2023

भोपाल और इटारसी कृषि वस्तुओं के लिए वाणिज्यिक केंद्र, उन्नत रेल कनेक्टिविटी

अनुमानित लागत : ₹**1638.94** करोड़
प्रगति : **87%**
इससे लाइन क्षमता बढ़ेगी और भोपाल और इटारसी के बीच यात्रा का समय कम होगा







24 मई, 2023

सुरेंद्रनगर-राजकोट दोहरीकरण परियोजना, गुजरात (116.17 किमी)



परियोजना लागत : ₹ 1234.79 करोड़
स्थिति : कार्यपूर्ण

द्वारका और सोमनाथ के तीर्थयात्रियों की सहायता करना और ओखा–राजकोट और पोरबंदर–कनालूस के बीच लगातार बढ़ते माल यातायात को आसान बनाना





31 मार्च, 2023

उत्तर प्रदेश की राजधानी से पीलीभीत, लखनऊ-पीलीभीत वाया सीतापुर, लखीमपुर के बीच डार्टिंग कनेक्टिविटी, गेज परिवर्तन (262.76 किमी)



अनुमानित लागत : ₹ 1457.79 करोड़
प्रगति : 94%

इससे क्षेत्र की कृषि और औद्योगिक उपज के परिवहन में सुधार होगा।





15 मई, 2023

मनिग्राम-निमतीता दोहरीकरण परियोजना (34 किमी), पश्चिम बंगाल

अनुमानित लागत : ₹455 करोड़
प्रगति : 85 किमी

फायदे

पूरा होने पर, यह दक्षिण बंगाल से उत्तर बंगाल और उत्तर पूर्वी राज्यों तक रसद की आवाजाही को सुगम बनाएगा।







20 अप्रैल, 2023

बढ़ी हुई क्षमता, अतिरिद्र माल ढुलाई
विजयवाड़ा-गुदुर तीसरी लाइन, आंध्र प्रदेश (287.67 किमी)

अनुमानित लागत : ₹6238.67 करोड़
प्रगति : 73%

यह देश के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों के साथ दक्षिणी राज्यों के बीच कनेक्टिविटी को और मजबूत करेगा







21 मई, 2023

नया पंबन रेलवे ब्रिज (2.1 किमी)
मुख्यभूमि और रामेश्वरम द्वीप को जोड़ने वाला

भौतिक प्रगति : **87%**
अनुमानित लागत : **₹6753.42** करोड़

पाइल, पाइल कैप और एप्रोच स्पैन गर्डर्स के उप–संरचना निर्माण का 100 प्रतिशत काम पूरा हो गया, कार्य प्रगति पर है। एप्रोच स्पैन गर्डर्सः 99 में से 70 लॉन्च किए गए



17 मई, 2023

पश्चिम बंगाल और झारखंड की प्रगति और समृद्धि को गति
खड़गपुर–आदित्यपुर तीसरी लाइन परियोजना (132 किमी)

अनुमानित लागत : **₹3270.07** करोड़
प्रगति : **87%**

एक बार पूरा होने पर, यह रेलवे लाइन हावड़ा–मुंबई ट्रंक मार्ग पर यातायात बाधाओं को कम कर देगी।



28 अप्रैल, 2023

छत्तीसगढ़ के प्रमुख लौह अयस्क भंडारों तक विस्तारित रेल कनेक्टिविटी दल्ली राजहरा-रावघाट नई लाइन (95 किमी) परियोजना

अनुमानित लागत : ₹ 1627.56 करोड़
प्रगति : 95%

इससे रावघाट खदानों से भिलाई इस्पात संयंत्र तक लौह अयस्क के परिवहन में सुधार होगा और क्षेत्र के आदिवासियों को लाभ होगा।







1 मई, 2023

यशवन्तपुर रेलवे स्टेशन, कर्नाटक के पुनर्विकास कार्य की प्रगति

आरपीएफ कार्यालय और लिनन स्टोर का काम प्रगति पर है

निर्माण स्थल पर रुकावट से बचने के लिए उपयोगिताओं का निर्बाध पारगमन

मल्टी–लेवल कार पार्किंग खुदाई का काम पूरा हो गया







15 जून, 2023

सिकंदराबाद स्टेशन का पुनर्विकास कार्य की प्रगति



अनुमानित लागत : ₹ 720 करोड़

मिट्टी की जांच एवं स्थलाकृतिक सर्वेक्षण : अस्थायी बुकिंग कार्यालय : खोला गया

9.5 लाख लीटर क्षमता वाले भूमिगत पानी की टैंक : कार्य प्रगति पर





16 जून, 2023

गांधीनगर जयपुर रेलवे स्टेशन, राजस्थान का पुनर्विकास कार्य पूर्ण



बेसमेंट की खुदाई
सीएसएस फुटिंग निर्माण
ओएफसी एवं एलटी पैनल कक्ष

प्रगति पर
पीछे की ओर भवन निर्माण
प्रीकास्ट ट्रेंच सेगमेंट का बिछाना
कॉलम कास्टिंग





17 जून, 2023

पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन के उन्नयन का कार्य पूरा

सेकेंडरी स्टेशन एवं आगमन–1 भवन की नींव

यूटीएस, पीआरएस एवं एमसीओ कार्यालय का स्थानांतरण

एलिवेटेड रोड के लिए टेस्ट पाइल की कास्टिंग

साइट कार्यालय एवं सम्मेलन कक्ष चालू किया गया







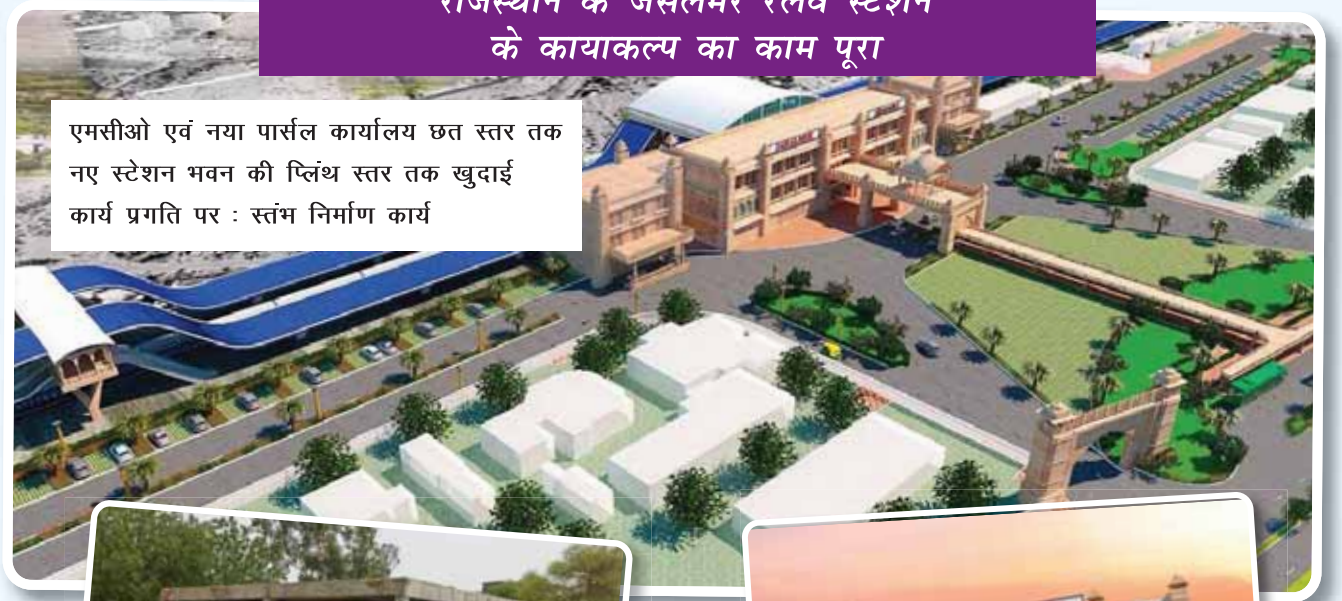
18 जून, 2023

राजस्थान के जैसलमेर रेलवे स्टेशन के कायाकल्प का काम पूरा

एमसीओ एवं नया पार्सल कार्यालय छत स्तर तक

नए स्टेशन भवन की प्लिंथ स्तर तक खुदाई

कार्य प्रगति पर : स्तंभ निर्माण कार्य







19 जून, 2023

पुरी स्टेशन पुनर्विकास

अनुमानित लागत : ₹161.50 करोड़

पूर्ण किये गये कार्य :
आईआईटी मुंबई द्वारा संरचनात्मक डिजाइन और ड्राइंग की जांच की गई
ब्लॉक ए, बी और सी संरचना को तोड़ना
अस्थायी प्रवेश/निकास द्वार, पीआरएस एवं यूटीएस व्यवस्था
चरण–1 भाग–ए में प्लिंथ बीम







21 जून, 2023

गोमती नगर स्टेशन, उत्तर प्रदेश पुनर्विकास

काम पूरा हुआ:
उत्तरी टर्मिनल भवन का 75% संरचनात्मक कार्य
2–स्तरीय यूजी पार्किंग का संरचनात्मक कार्य
आर1 और आर2 ब्लॉक का आरसीसी फ्रेमवर्क
पानी की टंकी और पैरापेट दीवार के लिए स्लैब
फ्लाईओवर का 40% संरचनात्मक कार्य







22 जून, 2023

तालचेर-संबलपुर कनेक्टिविटी को बढ़ाना
तालचेर-संबलपुर अंति गंभीर दोहरीकरण परियोजना, ओड़िशा (168.212 किमी)



अनुमानित लागत : ₹1539.28 करोड़

कुल हिस्से का 96.38 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है

इसके पूरा होने पर, इससे तालचेर–अंगुल खंड पर परिवहन आसान हो जाएगा।





24 जून, 2023

गोमती नगर स्टेशन, उत्तर प्रदेश पुनर्विकास



काम पूरा हुआ :

स्थलाकृति, मिट्टी की जांच और मास्टर प्लान को सत्यापित किया गया

सबस्टेशन भवन की नींव एवं बैकफिलिंग

प्लिंथ स्तर तक फुटिंग और कॉलम कंक्रीट का काम

केबल, पानी की लाइनें, सीवेज लाइनों का मार्ग बदला गया





25 जून, 2023

हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित ट्रेन

श्री संजीव गर्ग
निदेशक अनुसंधान यांत्रिक
आरडीएसओ, लखनऊ

सारांश : वर्तमान में, भारतीय रेल के पास मेनलाइन और उपनगरीय ट्रेनों को चलाने के लिए डीजल और इलेक्ट्रिकल इंजन हैं। डीजल लोकोमोटिव में आंतरिक दहन डीजल इंजन होता है जो आवश्यक बिजली उत्पन्न करने के लिए ईंधन के रूप में डीजल का उपयोग करता है। डीजल ईंधन के दहन के परिणामस्वरूप वायु प्रदूषक युक्त निकास उत्सर्जन होता है।

प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन आधारित फ्यूल सेल (पीईएमएफसी) द्वारा संचालित हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित रेल प्रणोदन प्रौद्योगिकियों के साथ-साथ एक उपयुक्त आकार के बैटरी बैंक को रेलरोड वाहनों को शक्ति प्रदान करने के लिए विश्व स्तर पर उपयोग किया जा रहा है। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता और बहुत कम उत्सर्जन हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित ट्रेन के अंतर्निहित लाभ हैं।

परिचय : वर्तमान में, भारतीय रेल के पास मेनलाइन और उपनगरीय ट्रेनों को चलाने के लिए डीजल और इलेक्ट्रिकल इंजन हैं। डीजल लोकोमोटिव में आंतरिक दहन डीजल इंजन होता है जो आवश्यक बिजली उत्पन्न करने के लिए ईंधन के रूप में डीजल का उपयोग करता है। डीजल ईंधन के दहन के परिणामस्वरूप वायु प्रदूषणयुक्त निकास उत्सर्जन होता है।

प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन आधारित फ्यूल सेल (पीईएमएफसी) द्वारा संचालित हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित रेल प्रणोदन प्रौद्योगिकियों के साथ-साथ एक उपयुक्त आकार के बैटरी बैंक को रेलरोड वाहनों को शक्ति प्रदान करने के लिए विश्व स्तर पर उपयोग किया जा रहा है। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता और बहुत कम उत्सर्जन हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित ट्रेन के अंतर्निहित लाभ हैं।

हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित हाइब्रिड पॉवर ट्रेन : हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित हाइब्रिड पॉवर ट्रेन में निम्नलिखित प्रमुख घटक होते हैं–

प्रोटॉन-एक्सचेंज मेम्ब्रेन फ्यूल सेल (पीईएमएफसी), जिसे पॉलिमर इलेक्ट्रोलाइट मेम्ब्रेन (पीईएम) फ्यूल सेल के रूप में भी जाना जाता है, एक प्रकार का फ्यूल सेल है जिसे मुख्य रूप से परिवहन अनुप्रयोगों के साथ-साथ स्थिर फ्यूल-सेल अनुप्रयोगों और पोर्टेबल फ्यूल-सेल के लिए विकसित किया जा रहा है। उनकी विशिष्ट विशेषताओं में कम तापमान/दबाव रेंज (50 से 100 डिग्री सेल्सियस) और एक विशेष प्रोटॉन-संचालन बहुलक इलेक्ट्रोलाइट मेम्ब्रेन शामिल हैं।

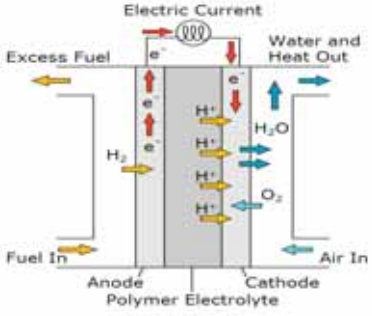
पीईएमएफसी एक इलेक्ट्रोकेमिकल उपकरण है जो पानी और गर्मी के साथ बिजली का उत्पादन करने के लिए हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को जोड़ती है क्योंकि यह उत्पाद है। एक ईंधन सेल में दो इलेक्ट्रोड और एक इलेक्ट्रोलाइट मेम्ब्रेन शामिल होती है। इलेक्ट्रोड को 'कैथोड' और 'एनोड' कहा जाता है और वे उनके बीच इलेक्ट्रोलाइट मेम्ब्रेन को सैंडविच करते हैं। उस प्रणाली के भीतर ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए ईंधन के अणुओं से इलेक्ट्रॉनों को अलग करने के लिए रासायनिक प्रतिक्रियाओं की एक श्रृंखला होती है।

ईंधन, आमतौर पर हाइड्रोजन, एक तरफ एनोड में डाला जाता है जबकि दूसरी तरफ कैथोड में ऑक्सीजन डाला जाता है। एनोड में, हाइड्रोजन ईंधन के अणु प्रोटॉन और इलेक्ट्रॉन में अलग हो जाते हैं जो कैथोड की ओर अलग-अलग परिपथ से होकर गुजरेंगे। इलेक्ट्रॉन विद्युत परिपथ से होकर गुजरते हैं, जिससे विद्युत का प्रवाह बनता है। प्रोटॉन इलेक्ट्रोलाइट के माध्यम से कैथोड तक जाते हैं। एक बार कैथोड में, ऑक्सीजन के अणु इलेक्ट्रॉन और प्रोटॉन के साथ पानी के अणु बनाने के लिए प्रतिक्रिया करते हैं।





एनोड: एच $_2$ →2H $^+$ + 2e $^-$
कैथोड: ½ ओ $_2$ + 2 एच $^+$ +2 ई $^-$ → एच $_2$ ओ



प्रतिक्रिया

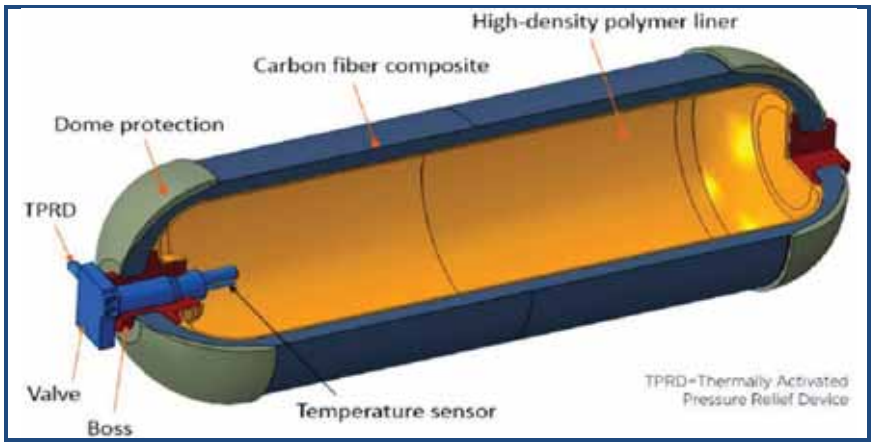
मुख्य लाभ :

- इलेक्ट्रोकेमिकल प्रक्रिया के माध्यम से ऊर्जा रूपांतरण
- स्वच्छ, शांत और कुशल प्रक्रिया
- कोई दहन नहीं
- कोई हानिकारक उत्सर्जन नहीं
- उच्च क्षमता
- पारंपरिक इंजनों की तुलना में उच्च विश्वसनीयता
- कोई पार्ट हिलता हुआ नहीं

बैटरी बैंक

लिथियम-आयन बैटरी एक प्रकार की रिचार्जेबल बैटरी होती है जिसमें लिथियम आयन नेगेटिव इलेक्ट्रोड से इलेक्ट्रोलाइट के माध्यम से डिस्चार्ज के दौरान पॉजिटिव इलेक्ट्रोड में जाते हैं और चार्ज करते समय वापस आते हैं। उच्च शक्ति घनत्व, हल्के वजन, फास्ट चार्जिंग, कम अनुरक्षण आदि के कारण इस प्रकार की बैटरी को प्राथमिकता दी जाती है।





हाइड्रोजन सिलेंडर

फाइबर-रेजिन कंपोजिट से पूरी तरह लिपटे पॉलीमेरिक लाइनर से बना प्रेशर वेसल। टाइप-4 हाई-प्रेशर कम्पोजिट सिलेंडर का इस्तेमाल अंडर प्रेशर वाली गैसों के भंडारण और परिवहन के लिए किया जाता है। टाइप-4 टैंक उपलब्ध संरक्षा, दक्षता और स्थायित्व का सबसे अच्छा संयोजन है। उनका हल्का निर्माण वाहन रेंज, पेलोड और हैंडलिंग में सुधार करता है। विभिन्न प्रकार के हाइड्रोजन सिलेंडरों को निम्नानुसार वर्गीकृत किया गया है–

1200 किलोवाट डीईएमयू पर हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित हाइब्रिड पॉवर ट्रेन के रेट्रो फिटमेंट के लिए विकास परियोजना में 350 बार के प्रेशर पर टाइप-IV हाइड्रोजन सिलेंडर प्रस्तावित किया गया है।

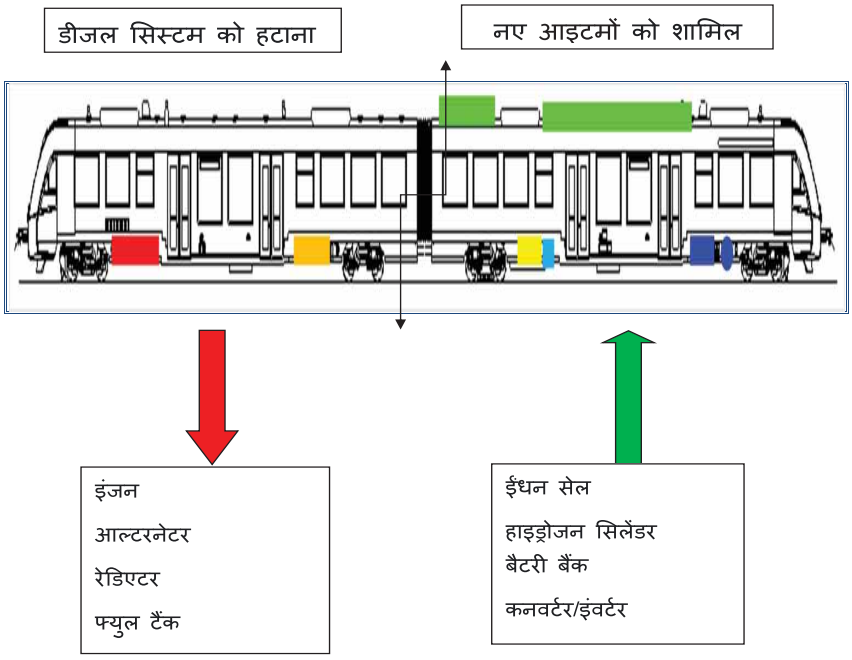
सिलिंडर टाइप	सामग्री	हाइड्रोजन स्टोरेज प्रेशर (MPa)
टाइप I	सभी धातु	17.5 से 20
टाइप II	हूप रैपिंग के साथ मेटल लाइनर	26.3 से 30
टाइप III	पूर्ण कंपोजिट रैपिंग के साथ मेटल लाइनर	35 से 70
टाइप IV	पूर्ण कंपोजिट रैपिंग के साथ पॉलीमर लाइनर	70

हाइड्रोजन के प्रकार

हाइड्रोजन का उच्च ताप मान (एचएचवी) 39.4 kWh/kg या 141.7 MJ/kg और निचला ताप मान (एलएचवी) 33.3 kWh/kg या 120 MJ/kg है। हाइड्रोजन एक अदृश्य गैस है, हालांकि उत्पादन पद्धति के प्रकार के आधार पर, हाइड्रोजन को अलग-अलग रंग दिए जाते हैं। विभिन्न प्रकार के हाइड्रोजन और उनके उत्पादन के तरीके निम्नानुसार हैं-

क्र.सं.	हाइड्रोजन के प्रकार	विवरण
1	ब्लू हाइड्रोजन	स्टीम रिफॉर्मिंग नामक प्रक्रिया का उपयोग करके मुख्य रूप से प्राकृतिक गैस से उत्पादित।
2	ग्रे हाइड्रोजन	यह हाइड्रोजन उत्पादन का सबसे सामान्य रूप है। एसएमआर का उपयोग करके ग्रे हाइड्रोजन को प्राकृतिक गैस या मीथेन से बनाया जाता है।
3	काला और भूरा हाइड्रोजन	हाइड्रोजन बनाने की प्रक्रिया में काला कोयला या लिग्नाइट (भूरा कोयला) प्रयुक्त होता है।
4	गुलाबी हाइड्रोजन	गुलाबी हाइड्रोजन परमाणु ऊर्जा द्वारा संचालित इलेक्ट्रोलिसिस के माध्यम से उत्पन्न होता हैद्य परमाणु प्रक्रिया द्वारा उत्पादित हाइड्रोजन का उल्लेख बैंगनी हाइड्रोजन व लाल हाइड्रोजन के रूप में किया जा सकता है।
5	पीला हाइड्रोजन	पीला हाइड्रोजन सौर ऊर्जा का उपयोग करके इलेक्ट्रोलिसिस के माध्यम से बनाया जाता है।
6	सफेद हाइड्रोजन	सफेद हाइड्रोजन एक प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला भूवैज्ञानिक हाइड्रोजन है जो भूमिगत जमाव में पाया जाता है तथा जिसे विच्छेद (फ्रकिंग)करके बनाया जाता है।
7	हरा हाइड्रोजन	ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन विद्युत अपघटन (पॉवर इलेक्ट्रोलिसिस) द्वारा नवीनीकृत ऊर्जा का प्रयोग करके किया जाता है, जो पानी के अणुओं को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित करता है।

भारतीय रेल वाहन के लिए हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित हाइब्रिड पॉवर ट्रेन का विकास : भारतीय रेल ने उत्तर-रेलवे के सोनीपत-जींद सेक्शन के बीच चलने वाली मौजूदा 1,200 किलोवाट डेमू को हाइड्रोजन ईंधन सेल और बैटरी आधारित डिस्ट्रीब्यूटेड पॉवर रोलिंग स्टॉक में परिवर्तित करने की योजना बनाई है। हाइड्रोजन ईंधन सेल के रेट्रो फिटमेंट आधारित पॉवर स्टैक (प्राथमिक ऊर्जा स्रोत यानी प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन ईंधन सेल) के साथ पूर्ण संबद्ध समर्थन और द्वितीयक ऊर्जा स्रोत जैसे; बैटरी बैंक, 1,200 किलोवाट की बिजली की कुल उच्च



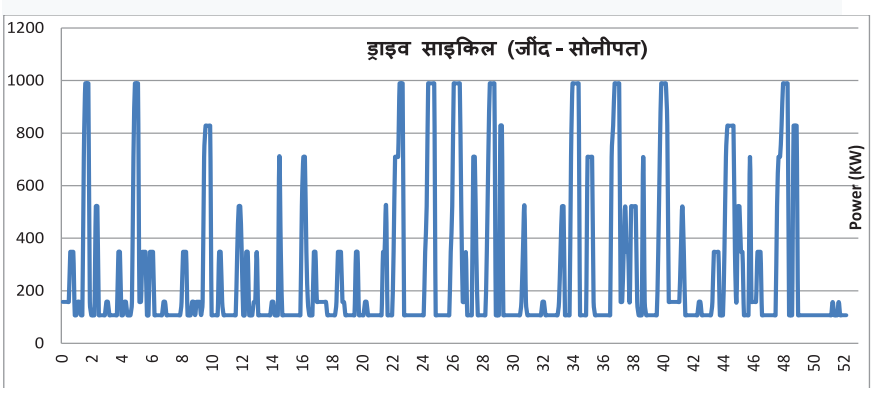
रेटिंग के लिए उपयुक्त रूप से डिजाइनित ईएमएस (एनर्जी मैनेजमेंट स्ट्रैटेजी) आधारित पूरी ड्राइविंग साइकिल के लिए बिजली आपूर्ति हेतु उपयुक्त डिजाइन।

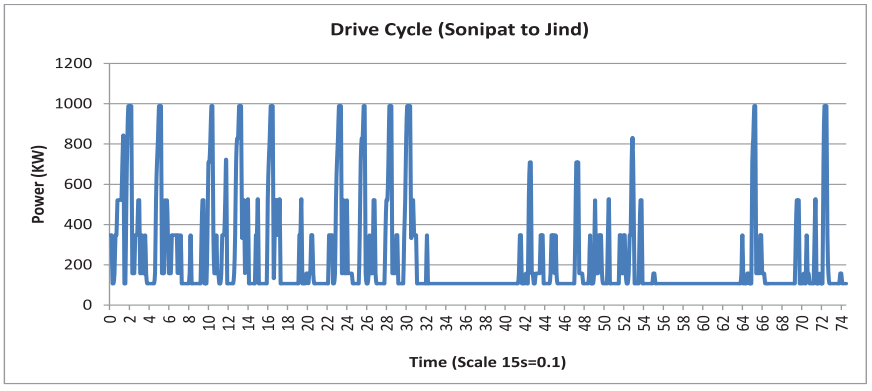
सेक्शन और ड्राइव साइकिल विवरण

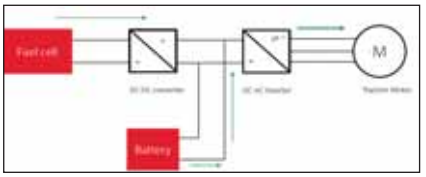
उत्तर रेलवे के सोनीपत–जींद खंड की कुल दूरी 89 किमी है। इस सेक्शन में 12 पड़ाव हैं। ऊंचाई समुद्र तल से लगभग 300 मीटर है। सोनीपत–जींद सेक्शन के लिए ड्राइव साइकिल का ग्राफ नीचे दर्शाया गया है–

विद्युत प्रवाह चित्र

हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित हाइब्रिड व्हिकल के लिए शक्ति–प्रवाह चित्र नीचे प्रस्तुत है–







प्रस्तावित प्रणाली में प्राथमिक ऊर्जा स्रोत (ईंधन सेल) ड्राइव साइकिल की तथा पीक पॉवर डिमांड की औसत पॉवर की आवश्यकता की आपूर्ति करेगा, पॉवर की आपूर्ति ईंधन सेल और बैटरी बैंक द्वारा की जाएगी। संचालन के दौरान ईंधन सेल द्वारा उत्पन्न अतिरिक्त ऊर्जा का प्रयोग बैटरी बैंक को चार्ज करने के लिए होगा। ईंधन सेल तथा बैटरी बैंक द्वारा उत्पन्न आउटपुट को कर्षण इनवर्टर/कन्वर्टर्स के माध्यम से कर्षण मोटर तक पहुँचाया जाएगा।

दुनिया–भर में हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित रेलवे वाहन

कुछ देशों ने हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित हाइब्रिड रेलवे वाहन को प्रौद्योगिकी के प्रदर्शन हेतु विकसित किया है और कुछ चयनित अनुभाग में इसका व्यावसायीकरण शुरू हुआ। विवरण इस प्रकार हैं–



कोराडिया लिंट (जर्मनी)

- दुनिया की पहली हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित पैसेंजर ट्रेन 17 सितंबर, 2018 से चल रही है।
- जर्मनी का रूट : बक्सटेहुड–ब्रेमेरहेवन–कक्सहेवन।
- प्रत्येक कार पर हाइड्रोजन भंडारण : 350 बार पर 89 किग्रा।
- रेंज : 1000 किमी।
- अधिकतम गति : 140 किमी/घंटा।
- ईंधन सेल : 400 किलोवाट, बैटरी : 225 किलोवाट।



हाइड्रो फ्लेक्स (यूके)

- यूनिवर्सिटी ऑफ बिर्मिंगम तथा पोर्टरबुक(एक रोलिंग स्टॉक फर्म) द्वारा विकसित।
- 50 एमपीएच की उच्च गति को प्राप्त करते हुए मेनलाइन के प्रथम चरण का परीक्षण सितंबर 2021 में हुआ।
- ईंधन सेल : FCveloCity-HD 100KW
- हाइड्रोजन भंडारण टैंक : luxfer (कुल 20kg)
- बैटरी : मेसर्स डेंची।



चीन में हाइड्रोजन ईंधन सेल वाहन

- ट्राम को सीआरआरसी कॉर्पोरेशन लिमिटेड और बैलार्ड पॉवर सिस्टम्स द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया।
- ओवरहैड से स्थापित प्रत्येक छह हाइड्रोजन सिलेंडरों सहित दो बलार्ड FCveloCity-XD ईंधन सेल मॉड्यूल द्वारा संचालित ट्राम।
- ईंधन के प्रत्येक भराव पर प्रति 125 किमी तक यात्रा करें।
- दिसंबर 2019 में वाणिज्यिक संचालन शुरू हुआ।

जापान में हाइड्रोजन ईंधन सेल वाहन

- पूर्वी जापान रेलवे कंपनी (जेआर ईस्ट), हिताची, लिमिटेड (हिताची), और टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन (टोयोटा) ने रेल वाहनों के परीक्षण के विकास के लिए 'हैबारी' परीक्षण वाहन (हाइड्रोजनहाइब्रिड उन्नत रेल वाहन नवाचार के लिए) में सहयोग करने के लिए करार किया है।
- वाहन मॉडल–FV-E991 शृंखला।
- ट्रेन विन्यास–एक इकाई में दो कारें
- ईंधन सेल : ठोस बहुलक इलेक्ट्रोलाइट 60 kW × 4
- बैटरी : लिथियम–आयन बैटरी 120 केडब्ल्यूएच × 2
- हाइड्रोजन टैंक दबाव–70 एमपीए
- हाइड्रोजन भंडारण क्षमता– 51L× 5 टैंक × 4 इकाइयाँ।
- टेस्ट सेक्शन–जेआर ईस्ट सूरुमी लाइन, नम्बू लाइन।

नोट : विदेशी भूगोल में हाइड्रोजन ईंधन सेल वाहनों के विकास का विवरण संदर्भ के लिए संबंधित वेबसाइट से लिया गया है।



अतीत का संरक्षण : बेंगलुरू मंडल में विरासत रेलवे स्टेशनों का पुनरुद्धार और कायाकल्प

सुश्री कुसुमा हरिप्रसाद
अपर मंडल रेल प्रबंधक (ए),
बेंगलुरू मंडल, दक्षिण पश्चिम रेलवे

विरासत पर्यटन के माध्यम से अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण योगदान देने के अलावा देश के इतिहास में ऐतिहासिक स्थलों को परिभाषित करते समय विरासत संपत्तियों का संरक्षण अधिक महत्त्व रखता है। भावी पीढ़ी को समृद्ध विरासत सौंपने के लिए विरासत भवनों का समानुकूल उपयोग और पुनरुद्धार आवश्यक है।

भारतीय रेल ने पिछले 170 वर्षों में देश के इतिहास और विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। आज की दुनिया में 'नई चीजें करें और फले-फूलें, बदलाव को अपनाएं या नष्ट हो जाएं' का सिद्धांत प्रगति को आगे बढ़ाता है। ग्राहक सेवा, आराम संबंधी सुविधाओं और विश्वसनीयता को बढ़ाने के लिए तकनीकी उन्नयन की आवश्यकता होती है। हालाँकि, रेलवे का आधुनिकीकरण करते समय कलाकृतियों, उपकरणों, भवनों, संरचनाओं, पुलों, लोकोमोटिव, कैरिज और सिग्नलिंग उपकरणों आदि की समृद्ध विरासत को संरक्षित करना भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलुरू मंडल द्वारा अत्यधिक सांस्कृतिक विरासत मूल्य वाली रेलवे संरचनाओं और स्टेशन भवनों का पुनरुद्धार करने, पुनर्स्थापित करने और संरक्षित करने के लिए ऐसी ही एक सराहनीय पहल की गई है। स्टेशन की ऐसी इमारतों की जटिल वास्तुकला बारीकियां, जो अभी भी चालू हैं, हमें गौरवशाली अतीत में वापस ले जाती हैं।

बेंगलुरू मंडल ने संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए एक शताब्दी से अधिक पुरानी बंगलौर-चिक्काबलपुर कोलार-जोलारपेट लाइन पर डोड्डाजला, देवनहल्ली, अवातिहल्ली, नंदी हाल्ट, चिक्कबल्लापुर, चिंतामणि, कोलार, कोरामंडल, ओरगाओम और बीईएमएल रेलवे स्टेशनों जैसे कई विरासत रेलवे स्टेशन भवनों की पहचान की है। यहां तक कि रेलवे के आधुनिकीकरण के लिए बड़े ढांचागत उन्नयन का काम भी चल रहा है।

पहले चरण में चार स्टेशन नामित : डोड्डाजला, देवनहल्ली, अवतिहल्ली और नंदी हॉल्ट का पुनरुद्धार और संरक्षण शामिल है। ये स्टेशन बेंगलुरु-चिकबल्लापुरा-कोलार लाइट रेलवे लाइन का हिस्सा हैं, जो इस क्षेत्र की सबसे पुरानी और सबसे खूबसूरत विरासत रेलवे लाइनों में से एक है। ऐतिहासिक रूप से यह लाइन 1908 में मद्रास और दक्षिणी मराठा रेलवे कंपनी के साथ एक पूरक अनुबंध के साथ रियासत राज्य की एक गारंटी (सब्सक्राइब की गई पूंजी पर प्रति वर्ष 4:-यदि रेलवे कंपनी ने अपनी प्रदत्त पूंजी पर 4: से कम अर्जित किया है, तो राज्य इस अंतर की भरपाई करेगा; कोई भी अधिशेष राज्य के साथ 50:50 के अनुपात में बांटा जाएगा) के तहत एक निजी उद्यम द्वारा शुरू की गई मैसूर की रियासत में पहली रेलवे थी। मार्ग को 2'6'' गेज रेलवे लाइन के रूप में 1905 से 1909 के बीच स्वीकृत किया गया था और 38.63-मील सेक्शन पर यात्री सेवाओं को 6 अप्रैल, 1915 और 7 जनवरी, 1918 के बीच चार चरणों में चालू किया गया था।



107 साल पहले बनाए गए ये स्टेशन इस क्षेत्र के अतीत की याद दिलाते हैं जबकि प्रतिष्ठित संरचनाएं आगंतुकों को स्थानीय इतिहास में आसपास के प्राकृतिक सौंदर्य को प्रदर्शित करने वाली अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं। पुराने मैसूर क्षेत्र के कई पुराने रेलवे स्टेशनों की याद दिलाने वाली इन इमारतों की स्थापत्य शैली औपनिवेशिक काल के दौरान मैसूर की रियासत से प्रभावित हाइब्रिड डिजाइन को दर्शाती है। नंदी हॉल्ट रेलवे स्टेशन को छोड़कर इन स्टेशन भवनों का वास्तुशिल्प डिजाइन एक समान है, जिसमें बाद में एक विस्तार जोड़ा गया था।

सभी चार स्टेशन भवनों में एक हॉल, एक छोटा भंडारण कक्ष और एक घिरा हुआ

बरामदा है। नंदी हॉल्ट इस क्षेत्र में सबसे बड़ा है, जो नंदी पहाड़ियों के सामने एक मैदानी इलाके में स्थित है, जिसमें तीन हॉल हैं। संरचनाओं में औपनिवेशिक वास्तुकला और स्थानीय वास्तुकला का एक अच्छा मिश्रण है। मुख्य केंद्रीय संरचना में चौतरफा मैंगलोर टाइल वाली गैबल छत है और प्रत्येक गैबल में कांच की खिड़की है। छोटा बरामदा और सभी तरफ मुख्य एक गोलाकार संरचना के फर्श के लिए उपयोग किए गए स्थानीय कडप्पा पत्थर स्थानीय वास्तुकला के प्रभाव को दर्शाते हैं। निर्माण के लिए उपयोग की जाने वाली सामग्री, जैसे मैंगलोर टाइल्स स्थानीय रूप से प्राप्त किए गए थे, जिनमें चूना मोर्टार और कडप्पा पत्थर शामिल थे।

यह संरचना 100 साल से अधिक पुरानी है, और इमारत टूट-फूट के कारण जीर्ण-शीर्ण स्थिति में थी, और इमारत में नमी के कारण बने धब्बों के साथ संरचनात्मक दरारें थीं, जिससे छत पर टाइलें टिक कर नहीं रहने के कारण रिसाव हो रहा था। कुछ धरन भी सीलन के कारण खराब स्थिति में थे। इस प्रकार, इन्हें बदलने के बजाय संरचना को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस क्षेत्र में उपलब्ध विशेषज्ञता सीमित होने के कारण इसकी मौलिकता को नुकसान न पहुँचाने की इच्छा को देखते हुए पुरानी टाइपोलॉजी को पुनर्स्थापित करना चुनौतीपूर्ण था। इमारत की विशेषताओं को अक्षुण्ण रखना उतना ही चुनौतीपूर्ण था।

इमारतों की अखंडता और मौलिकता को बनाए रखते हुए पुनरुद्धार प्रक्रिया को पूरा करने के लिए दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलुरु मंडल ने इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (आईएनटीएसीएच) बैंगलोर चैप्टर से विशेषज्ञ सहायता मांगी। आईएनटीएसीएच, एक संगठन है, जो भारत में विरासत जागरुकता और विरासत संरचनाओं के संरक्षण को प्रोत्साहित करने और आगे बढ़ाने में शामिल है। कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधि का उपयोग कर रेलवे और आईएनटीएसीएच, दोनों ने बड़े पैमाने पर सहयोग किया, कई दौर की चर्चाएँ की गईं और बैंगलोर मंडल, दक्षिण रेलवे से स्वीकृति प्राप्त की गई। चूंकि एक मानक समझौता ज्ञापन उपलब्ध नहीं था, वांछित उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए हमने एक रोड मैप तैयार करने पर आईएनटीएसीएच के साथ कई दौर की चर्चा और लंबी चर्चा की। ऐतिहासिक मीटर गेज लाइन पर उक्त चार विरासत रेलवे स्टेशनों के जीर्णोद्धार कार्यों को पूरा करने के लिए फरवरी में दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलुरु डिवीजन और आईएनटीएसीएच बेंगलुरु चैप्टर के बीच सहयोग स्थापित करने हेतु एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।



पहले



अब



पहले



अब



पहले



अब

इमारतों की अखंडता को बनाए रखने, विरासत भवनों की मौलिकता को अच्छी तरह से संरक्षित रखने और संरचनाओं के सांस्कृतिक महत्त्व और ऐतिहासिक मूल्य को बनाए रखने के साथ-साथ भवनों के इच्छित उपयोग हेतु जीर्णोद्धार का काम संरचनात्मक मजबूती और उपयुक्त तरीकों और स्थानीय सामग्री के उपयोग पर केंद्रित रहा। आईएनटीएसीएच के साथ कड़ी निगरानी और अनुवर्ती कार्रवाई के साथ, तीन स्टेशनों अर्थात् डोड्डाजला, देवनहल्ली और अवतिहल्ली का पिछला गौरव पूरी तरह से बहाल हो गया है। नंदी हॉल्ट स्टेशन का जीर्णोद्धार कार्य शुरू हो गया है। उपरोक्त रेलवे विरासत स्टेशनों के जीर्णोद्धार और संरक्षण के अलावा, बेंगलुरु मंडल ने नंदी हॉल्ट स्टेशन पर रेल संग्रहालय और रेल पार्क की स्थापना का भी कार्य किया है। भावी पीढ़ियों के लिए अतीत की स्थापत्य सुंदरता को समझने के लिए समृद्ध विरासत संरचना के गौरव को वापस लाने के लिए जीर्णोद्धार और संरक्षण के सभी पहलुओं की सावधानी से योजना बनाई गई है। इन चार स्टेशनों की इमारतों के कुछ हिस्सों को स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने हेतु प्रदर्शनी केंद्रों, रेलवे सांस्कृतिक और स्मारक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए और स्मारकों और इतिहास के लिए रेल और कला दीर्घाओं और व्याख्या केंद्र के रूप में बदला जाएगा, जो कि योजना का मुख्य उद्देश्य है।

बेंगलुरु मंडल को जीर्णोद्धार प्रक्रिया में उचित तरीकों और सामग्रियों का उपयोग करके, इमारतों की अखंडता को बनाए रखने और उनके निरंतर पुनः उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए औपनिवेशिक युग के स्टेशन भवनों को एक नया जीवन देने पर गर्व है। चूंकि ये स्टेशन कई ऐतिहासिक, पर्यटन और सांस्कृतिक स्थानों से घिरे हुए हैं, चार विरासत स्टेशन स्थलों में और इसके आसपास बुनियादी ढांचा विकसित करना और उपलब्ध कराना एक मुख्य उद्देश्य बना रहा। इससे शहरी विरासत संरक्षण को कई महत्त्वपूर्ण आर्थिक लाभ मिलेंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गतिमान रखते हुए इस क्षेत्र में पर्यटन लाने में मदद मिलेगी।




पुराने दिनों की सुनहरी यादें
16 अप्रैल, 1853
आज से 170 साल पहले 16 अप्रैल, 1853 को भारत में पहली यात्री ट्रेन बोरी बंदर (बॉम्बे) से ठाणे तक चली थी, जो भारतीय रेल की ऐतिहासिक यात्रा की शुरुआत थी।


पुराने दिनों की सुनहरी यादें
1 जून, 1930
1 जून, 1930 को अपनी स्थापना के 93 वर्ष पूरे करते हुए, मुंबई और पुणे के बीच पहली डीलक्स ट्रेन ने 'डेक्कन क्वीन' के रूप में अपनी यात्रा शुरू की, जिसे पुणे शहर के नाम पर डेक्कन क्वीन (दक्कन की रानी) के नाम से भी जाना जाता है। अगस्त 2021 में इसमें विस्टाडोम कोच लगाए गए, जो शानदार दृश्य और सर्वोत्तम आराम और विलासिता प्रदान करते हैं।


पुराने दिनों की सुनहरी यादें
10 मई, 2000
INDIAN RAILWAYS
भारतीय रेल द्वारा 6000 हॉर्स पॉवर वाला पहला डब्ल्यूएपी इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव 'नवकिरण' चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स (सीएलडब्ल्यू) में बनाया गया था। लोकोमोटिव की यह श्रेणी वर्तमान में भारतीय रेल नेटवर्क पर राजधानी और शताब्दी ट्रेनों जैसी प्रतिष्ठित ट्रेन सेवाओं को चला रही है।


क्या आप जानते हैं
एडवांस रिजेनरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम
वंदे भारत ट्रेनों में एक एडवांस रिजेनरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम है, जो 30% तक विद्युत ऊर्जा बचा सकती है, जिससे वे अन्य ट्रेनों की तुलना में अधिक ऊर्जा-कुशल बन जाती हैं।


प्रौद्योगिकी
रेल सुरक्षा के लिए सिग्नल
एडवांस स्टार्टर सिग्नल
एडवांस स्टार्टर सिग्नल स्टेशन का अंतिम स्टॉप सिग्नल होता है, जो ब्लॉक सेक्शन (दो स्टेशनों के बीच) में सुरक्षित ट्रेन चलना सुनिश्चित करता है।
रुक जाओ
सावधानीपूर्वक आगे चलो
आगे बढ़ो


प्रौद्योगिकी
रेल सुरक्षा के लिए सिग्नल
लेवल क्रॉसिंग गेट सिग्नल
लेवल क्रॉसिंग (एलसी) गेट सिग्नल एक सुरक्षा सिग्नल है, जो यह सुनिश्चित करता है कि ट्रेन को लेवल क्रॉसिंग गेट से गुजरने की अनुमति देने से पहले लेवल क्रॉसिंग गेट सुरक्षित रूप से बंद कर दिया गया है, जिससे रेल और सड़क यातायात सुरक्षा को प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा सके।
रुक जाओ
सावधानीपूर्वक आगे चलो
आगे बढ़ो

अपना ज्ञान टटोलें

1 भारतीय रेल का सबसे ऊँचा ब्रिज कौन-सा है?

(क) अंजी ब्रिज | (ख) चिनाब ब्रिज | (ग) बोगीबील ब्रिज | (घ) वेम्बनाद रेल ब्रिज

2 भारतीय रेल का पहला केबल आधारित ब्रिज कौन-सा है?

(क) आरा-छपरा ब्रिज | (ख) गोदावरी ब्रिज | (ग) अंजी ब्रिज | (घ) चिनाब ब्रिज

3 निम्न में से किस रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म को दुनिया के सबसे लंबे प्लेटफॉर्म के रूप में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल किया गया है?

(क) नई दिल्ली | (ख) जयपुर | (ग) हुब्बल्लि | (घ) तिनसुकिया

4 किस रेलवे स्टेशन का डिजाइन हम्पी के मंदिरों और स्मारकों से प्रेरित है?

(क) एर्नाकुलम | (ख) बेंगलूरु कैंट | (ग) चेन्नै सेंट्रल | (घ) होसपेटे जंक्शन

5 हाल ही में भारतीय रेल की किस उत्पादन इकाई को ऊर्जा संरक्षण हेतु विद्युत मंत्रालय के सर्वोच्च पुरस्कार से सम्मानित किया गया?

(क) सवारी डिब्बा कारखाना | (ख) आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना | (ग) रेल पहिया कारखाना | (घ) चित्तरंजन लोकोमॉटिव वर्क्स

6 भारतीय रेल किस वर्ष तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जक बनने के लिए प्रतिबद्ध है?

(क) 2040 | (ख) 2030 | (ग) 2070 | (घ) 2050

7 गंगा नदी पर नवनिर्मित रेल-सह सड़क पुल उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के साथ किस शहर को जोड़ता है?

(क) तारीघाट | (ख) जमानिया | (ग) दिलदारनगर | (घ) धीना

8 भारत की प्रथम जलमग्न रेल प्रणाली किस नदी में बनाई गई है?

(क) गंगा | (ख) गोदावरी | (ग) हुगली | (घ) कोसी

9 डबल डायमंड क्रॉसिंग निम्न में से कहाँ पर दिखाई देती है?

(क) पटना | (ख) पुणे | (ग) रायसी | (घ) नागपुर

10 कौन-सा रेलवे स्टेशन एरियल व्यू से देखने पर चेस बोर्ड जैसा दिखता है?

(क) चारबाग | (ख) लखनऊ | (ग) डालीगंज | (घ) मल्हौर

1. (घ) 2. (ग) 3. (ग) 4. (ख) 5. (क) 6. (घ) 7. (क) 8. (ग) 9. (ख) 10. (क)

पहेली उत्तर

रेल, पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोए

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र हिंदी मासिक पत्रिका



भारतीय रेल

की सदस्यता अब ऑनलाइन भी उपलब्ध

विज़िट करें

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home/hn

क्यूआर कोड स्कैन करें

सदस्यता शुल्क

मद		ऑफलाइन सदस्यता शुल्क (₹)	ऑनलाइन सदस्यता शुल्क (₹)
एक प्रति (मासिक अंक)		20	-
एक प्रति (विशेषांक)		70	-
वार्षिक सदस्यता (सर्व साधारण)	एक वर्ष	250	263
	दो वर्ष	460	483
	तीन वर्ष	675	709
वार्षिक सदस्यता (रेलकर्मी)	एक वर्ष	200	210
	दो वर्ष	370	389
	तीन वर्ष	540	567
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) सी-मेल द्वारा		1,250	1,313
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) एयर-मेल द्वारा		2,500	2,625

(वार्षिक सदस्यता शुल्क विशेषांक के साथ)

भुगतान का माध्यम

ऑनलाइन सदस्य www.irctctourism.com/IRBRMag पर सदस्यता शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।

ऑफलाइन डी.डी./चेक/म.ओ./पो.ओ./नगद देय-'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली'

सदस्यता फॉर्म

नाम .....

पता .....

पोस्ट..... जिला.....

राज्य..... पिन कोड .....

मोबाइल ..... ई-मेल .....

रेल कर्मचारी: हाँ/नहीं वर्तमान सदस्यता (यदि हो तो) संख्या ..... तारीख .....

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: व्यापार प्रबंधक, कमरा नं. 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001, टेलीफोन: 011-47845089, 45089 (रेलवे) **bmpr310rb@gmail.com, irbrhelp@gmail.com**

प्रिय विज्ञापनदाता

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र मासिक हिन्दी पत्रिका

भारतीय रेल

में अपने विज्ञापन देकर लाखों उपभोक्ताओं तक अपने उत्पादों की पहुँच बनाएं

विज्ञापन दरें

(विज्ञापन चार कलर में) नीचे दी गई दरों के साथ 5 प्रतिशत की जीएसटी/आइजीएसटी प्राप्य होगी

विवरण	विशेष दर (वार्षिक अंक) (₹)	सामान्य अंक (मासिक दरें)	
		सामान्य दरें (₹)	अनुबंधित दरें (₹)
बैक कवर	13,300	11,400	10,450
सेकेण्ड कवर	12,350	10,450	9,500
थर्ड कवर	11,400	9,500	8,550
पूरा पृष्ठ (विशेष स्थिति, जैसे टेक्स्ट के बाद में)	9,500	8,550	7,600
पूरा पृष्ठ	8,550	7,600	6,650
आधा पृष्ठ	6,650	5,130	4,180
सेंटर स्प्रेड	17,000	15,000	13,300
सेंटर स्प्रेड (दो पेज इकट्ठे) (स्पेशल पोजीशन)	18,500	16,500	14,700

* तीन महीने या ज्यादा समय के लिए लगातार अथबा बारी-बारी देने पर अनुबंधित दरें लागू।

तकनीकी विवरण

पत्रिका का आकार
28 X 20.5 सेमी

छपाई क्षेत्र
23 X 16.5 सेमी

भुगतान का माध्यम

'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली' के पक्ष में डिमाण्ड ड्राफ्ट अथवा नकद राशि रूम नं. 310, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001 में जमा की जा सकती है

विज्ञापन सामग्री

ई-मेल, आर्टपुल, सीडी

पत्रिका का प्रसार

समग्र देश में

संपर्क करें:

व्यापार प्रबंधक
310, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,
टेलिफोन: 011-233822531, 23303665, 23304456
bmpr310rb@gmail.com



IREE 2023
15th INTERNATIONAL RAILWAY EQUIPMENT EXHIBITION
Global Platform for Railway Technology & Services

12-14 October, 2023 | Pragati Maidan, New Delhi

HALL A5 | STALL 5.78



Fluid Controls Private Limited has over 45 years of experience in engineering connections for Rail & Metro brake piping assemblies. Certified for the International Railway Industry Standard (IRIS – ISO/TS 22163:2017), Aerospace AS9100 and ISO/IEC 17025:2017 for our laboratory, Fluid Controls offers comprehensive solutions – from design, engineering, testing and on-site installation services to the supply of high-performance connectors, isolating cocks, cleats and tube & hose assemblies.

WE HAVE HERITAGE

45+ YEARS OF EXPERIENCE • IRIS & AS9100 CERTIFIED
IN-HOUSE R&D • OVER 30 MILLION CONNECTORS INSTALLED
APPROVED BY MAJOR ROLLING STOCK MANUFACTURERS

VISIT US AT IREE 2023 • DELHI • HALL A5 • STALL 5.78

+91-22-68238000 railways@fluidcontrols.com fluidcontrols.com

Spend less time on lengthy and challenging relay testing

Megger

Test your Relays 70% faster than usual with Megger SMRT1



SMRT1
Single-phase
relay test system

Railway specific applications:

- Panto flashover
- Wrong phase coupling
- Automated distance relay testing with parallelogram characteristics
- Regenerative braking current visualization and stability of distance protection
- Graphical view of RX plan with automated testing of all traction system protection application

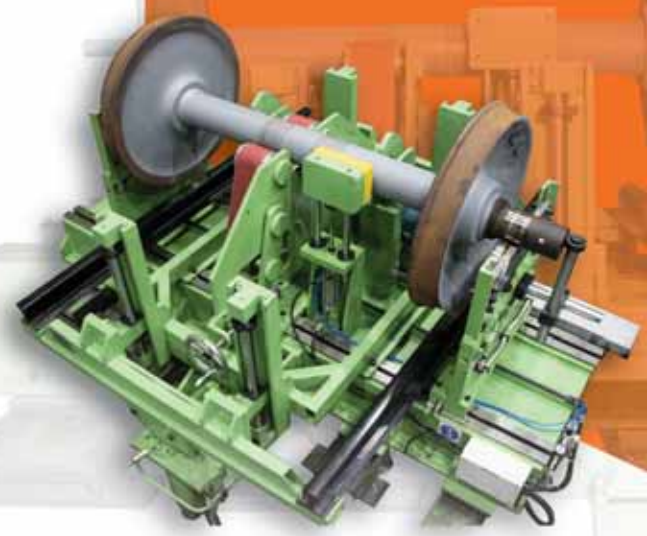




Scan the QR code to inquire
or call us at +91 91671 90558
or email us at india.marketing@megger.com

पंजीयन संख्या : दिल्ली पोस्टल नं. डी.एल. (एन.डी.)-11/6031/2021-22-2023
आर.एन.आई. रजिस्टर्ड नं. 14427/1960
आई.एस.एस.एन. 2457-0001
दिनांक 08 को प्रकाशित तथा दिनांक 10-11 को प्रेषित

Discover the power of precision and accuracy with our Dynamic
WHEEL BALANCING MACHINE!



- ISO-2953 compliance
- Industry 4.0 compatibility
- Customizable settings for distance and radii
- Advanced computer-based measuring and data processing system

hyt

HYT ENGINEERING COMPANY PVT. LTD.

Sales Office: 17-18, Ground Floor, Hans Bhawan, Bahadur Shah Zafar Marg, I.T.O., New Delhi - 110 002, India. Phone: + 91 11 4320 2200/01

Work: 29/10, 29/10/1, 29/10/2, D-II Block, MIDC, Chinchwad, Pune - 411 019, India. Phone: + 91 20 6634 3900

www.hytengineering.com I info@hytengineering.com

मुद्रक व प्रकाशक : **ललित कुमार धनकड़** द्वारा रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के लिए मैसर्स जे.के. ऑफसेट ग्राफिक्स प्रा.ली., बी-278, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 में मुद्रित व 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली से प्रकाशित। संपादक : **योगेश अवस्थी**